

UNIVERSAL
LIBRARY

OU_182214

UNIVERSAL
LIBRARY

OSMANIA UNIVERSITY LIBR.

Call No. H82/G17N

Accession No. G

Author

गाल्सवर्दी, जॉन

Title

रथाय

This book should be returned on or before the date last m

न्याय

न्याय

अर्थात्

जॉन गाल्सवर्दी के “Justice” नामक तीन अंकों
के नाटक का हिन्दी अनुवाद

अनुवादक

प्रेमचन्द, बी० ए०

प्रयाग

हिन्दुस्तानी एकेडेमी, संयुक्त प्रान्त

१९३०

Published by
The Hindustani Academy, U. P.,
Allahabad.

First Edition
Price, Rs 2. 4 As.

Printed by S. P. Khanna,
at the Hindi Sahitya Press,
Allahabad.

निवेदन

हिन्दोस्तानी प्रेडेमी ने पच्छिमी नाटक लिखनेवालों के अच्छे अच्छे डामों के अनुवाद छापने का प्रबंध किया है। उद्देश्य यह है कि हमारे देश के लोगों को नये युग के नाटकों के पढ़ने का आनंद मिले। इसमें सन्देह नहीं कि हिन्दी और उर्दू में नाटकों की कमी नहीं, लेकिन हमारे नाटकों में विचारों की तरतीब, घटनाओं के क्रम और भावों के वर्णन में कमी है। इसका हमें खेद है। हिन्दोस्तान का यूनान की तरह इस बात का गौरव है कि इसने नाटक को उत्पन्न किया और उसे उन्नति दी। उस समय के बाद सैकड़ों साल योरुप और हिन्दोस्तान में नाटक की कला मुर्दा हालत में रही। लेकिन योरुप के नये जन्म (Renaissance) में नाटक में भी जान आ गई और इङ्गलिस्तान, फ्रांस और और देसों में ऊंचे दर्जे के नाटक लिखनेवाले पैदा हुए। उन्होंने ऐसे मारके के ड्रामे रचे कि सारे संसार में उनकी धूम मच गई। किन्तु शेक्सपीयर के मरने पर ड्रामे की बस्ती सूनी सी हो गई और तीन सौ बरस के सन्नाटे के बाद उन्नीसवीं सदी में इसमें फिर चहल

पहल शुरू हुई। नये ड्रामे का अगुआ नारवे का मशहूर नाटक लिखनेवाला हेनरिक इब्सन (Henrik Ibsen) हुआ। बरनार्ड शॉ, गाल्सवर्दी और दूसरे लेखकों ने इङ्गलिस्तान में और ब्रियू, हाऊप्टमैन इत्यादि ने फ्रांस और जर्मनी में इस के कदमों पर चल कर जस कमाया।

उन्नीसवीं सदी में योरुप की जातियों में बड़ी भारी तब्दीली हुई जिसका गहरा असर उनके समाज, रहन सहन के ढंग, कला और व्यापार के तरीके और मुल्क के संगठन और प्रबन्ध पर पड़ा। मनुष्य की जिन्दगी का कोई पहलू इस प्रभाव से न बचा। आजादी, समता, और देशप्रेम के भावों ने लोगों के दिलों का पलट दिया। सच तो यह है कि ऐसे जमाने बहुत कम हुए हैं जिनमें मनुष्य और समाज के जीवन में जोरों की उलट फेर हुई हो।

हर एक आन्दोलन में नये पुराने, गुजरे हुए और आनेवाले जमाने का संघर्ष होता है। बात यह है कि जब परिवर्तन की चाल तेज होती है और संघर्ष की दशा विकट—तो हमारे भावों में बेचैनी पैदा होती है और वह प्रगट होने की राह ढूँढते हैं। न दबनेवाले भाव भड़क उठते हैं, लिखनेवाले का दिल ठेस खाता है और वह

मजबूर होता है कि आत्मा को क्लेश देनेवाले संकट को ड्रामे के रूप में प्रगट करे। इसी लिए नाटक समाज के जीवन का दर्पण है जिसमें संघर्ष की सूरतें दिखाई देती हैं। उन्नीसवीं सदी में मनुष्य का मान इस बात को नहीं सह सकता था कि उसके पैर पुरानी बेड़ियों से जकड़े रहें। अपने गौरव का नया अनुभव उसे आज्ञादी और समता की नई राहों पर चलाता है और उसके मन में नई रस्मों, नये रिवाजों और जीवन के नये ढंगों की इच्छा पैदा होती है। इन्हीं की छाया उसके ड्रामे में नजर आती है।

हिन्दोस्तान के हृदय में भी आज कुछ ऐसे ही विचार और भाव हिलोरें ले रहे हैं। हमारे जीवन में भी एक अद्भुत हलचल है जो योरुप की उन्नीसवीं सदी के परिवर्तन से कहीं अधिक है। यहां भी नये और पुराने युग के संघर्ष ने भयानक रूप धारण किया है। इस खींचतान का असर रीति, रिवाज पर, धर्म पर, समाज पर, यहां तक कि जीवन के सभी अंगों पर दिखाई पड़ता है। यह कैसे मुमकिन है कि इससे दिलों में उमंग, लहू में जोश पैदा न हो, और भावुक लेखकों के तड़पते दिल आत्मा की बेकली को प्रगट करने के लिए नाटक को अपना साधन न बनाएँ।

हम यह चाहते हैं कि हमारे नाटक लिखनेवाले इन ड्रामों की तरफ ध्यान दें और हमारे देश के रहनेवाले इनमें दिलचस्पी लें। यह तो सब मानेंगे कि आदमी योरुप के हों या एशिया के—आदमी हैं। रीति रिवाज के भीने परदे इनमें कितना ही अंतर क्यों न बना दें लेकिन वे ही भाव, वे ही विचार, सब कहीं मौजूद हैं। यदि योरुप के ड्रामे हिन्दोस्तानी भाषा में उपस्थित किये जायँ तो क्या यह सम्भव नहीं कि इनको देख कर हमारे देस में बरनार्ड शॉ, गाल्सवर्दी, मेज़फील्ड सरीखे नाटक लिखने वाले पैदा हों।

हम यह नहीं कहते कि यह अनुवाद मुहाविरे और भाषा की दृष्टि से निर्दोष हैं। इनमें गलतियाँ हो सकती हैं। बात यह है कि अभी हमारे ड्रामे नाटक की भाषा से अनजान से हैं और इनमें सुधार की बड़ी जरूरत है। हम आशा करते हैं कि यह अनुवाद इस कमी के पूरा करने के उपयोगी काम में सहायक होंगे।

ताराचंद

मंत्री

हिन्दोस्तानी एकेडेमी, संयुक्त प्रांत।

पात्र-सूची

जेम्स हो वाल्टर हो (जेम्स हो का लड़का)	} सालिसिटर (वकील)
राबर्ट कोकसन	— उनका मैनेजिंग क्लर्क (कार्याध्यक्ष)
विलियम फाल्डर	— छोटा (जूनियर) क्लर्क
स्वीडिल	— आफ्रिस का नौकर
विस्टर	— डिटेक्टिव (खुफिया पुलिस)
कावली	— एक केशियर (खजांची)
मिस्टर जस्टिस फ्लाइट	— जज विचारक
हैरोल्ड क्लिवर	— पुराना एडवोकेट (सरकारी वकील)
हेक्टर फ्रोम	— एक युवक वकील
केप्टेन डान्सन भी. सी.	— एक जेल के अध्यक्ष
रेवरेन्ड हिउ मिलर	— एक जेल के पाद्री
एडवर्ड क्लेमेन्ट	— एक जेल के डाक्टर
वुडर	— प्रधान वार्डर
मोने क्लिप्टन ओक्लिअरी	} कैदी
रथ हनीविल	— एक औरत

वैरिस्टर गण, सालिसिटर गण, दर्शक गण, खोबदार,
रिपोर्टर गण, जूरीमैन, वार्डर गण और कैदी गण ।

समय	— वर्तमान काल
अंक पहिला	— जेम्स एण्ड वाल्टर हो का आफिस, सबेरा, जुलाई ।
अंक दूसरा	— अदालत, दोपहर, अक्टूबर ।
अंक तीसरा	— जेल, दिसम्बर ।
दृश्य पहिला	— जेल अध्यक्ष का आफिस ।
दृश्य दूसरा	— जाने आने का रास्ता ।
दृश्य तीसरा	— जेल की कोठरी ।
अंक चौथा	— जेम्स एण्ड वाल्टर हो का आफिस, सबेरा, मार्च दो वर्ष बाद की घटना ।

अङ्क पहिला

दृश्य १

जुलाई मास का सवेरा, जेम्स और वाल्टर हो के मेनेजिंग-
हर्क का कमरा है। कमरा पुराने ढंग का, महोगनी की
पुरानी कुरसी और मेजों से सजा हुआ है, जिन पर
चमड़ा लगा हुआ है। दीन के बक्स और इलाकों
के नक्शे कतारों में सजे हैं। कमरे में तीन दरवाजे हैं,
जिनमें दो दरवाजे बीच दीवार में पास-पास हैं। इन
दरवाजों में एक बाहर के दफ्तर में जाने का है। लकड़ी
और काँच के परदे की दीवार से मैनेजर का कमरा उस
बाहरी कमरे से अलग कर दिया गया है। बाहरी कमरे
में जाने का दरवाजा खोलने पर एक चौड़ा दरवाजा
और दिखाई देता है जहाँ से नीचे उतरने की सीढ़ियाँ हैं।
बीच के दो दरवाजों में दूसरा दरवाजा छोटे क्लर्क के कमरे
में जाता है। तीसरा दरवाजा मालिकों के कमरे में जाने
का है।

मैनेजिंग क्लर्क कोकसन बैठे हुए मेज़ पर रखी हुई पासबुक के अंकों को जोड़ रहे हैं, और अपने ही आप अंकों को दुहराते भी जाते हैं। उनकी उम्र साठ वर्ष की है। चश्मा लगाये हुए हैं। क्रुद के ठिंगने हैं, मिर गंजा है। दुड़ी कुछ आगे को उठी हुई है, जिगमे नीयत की स्फाई भलक रही है। एक पुगना काला कोट और धारीदार पतलून पहने हुए हैं।

कोकसन

और पाँच बारह, और तीन—पन्द्रह, उन्नीस, तेईस, बत्तीस, इकतालीस, हासिल आए चार।

[पृष्ठ पर एक निशान लगाकर उम्मी प्रकार उच्चारण करता जाता है]

पाँच, सात, बारह, सत्रह, चौबीस और नौ तेतीस, तेरह, हासिल आया एक।

[फिर निशान लगाता है। बाहर के कमरे का दरवाज़ा खुलता है, और ऑफिस का अर्दली स्वीडिल दरवाज़े को बन्द करता हुआ भीतर आता है। उसकी अवस्था १६ माल की है। उसके चेहरा का रंग पीला और दाल खड़े हैं।]

[झुँझलाकर ऐसी दृष्टि से देखा मानो कह रहा हो कि तुम क्या करने आए हो ?]

और हासिल आया एक ।

स्वीडिल

काल्डर को कोई पूछ रहा है ।

कोकसन

पाँच, नौ, सोलह, इक्कीस, उन्तीस और हासिल आए दो । उसे मारिस के मकान पर भेज दो । नाम क्या है ?

स्वीडिल

हनीविल !

कोकसन

चाहता क्या है ?

स्वीडिल

औरत है ।

कोकसन

शरीफ औरत है ?

स्वीडिल

नहीं, मामूली है ।

कोकसन

उसे भीतर बुला लो । यह पास-बुक मिस्टर जेम्स के पास ले जाओ ।

[पास-बुक बन्द करता है ।]

स्वीडिल

[दरवाज़ा खोलकर]

ज़रा आप अन्दर चली आयें ।

[रूथ हनीविल भीतर आती है । उसकी अवस्था छुब्बीस वर्ष की है । क़द लम्बा आँखें और बाल काले हैं । चेहरा सुगठित, सुडौल और हाथी दांत सा सफ़ेद है । उसके कपड़े सादे हैं । वह बिलकुल चुपचाप खड़ी है । उसके अन्दाज़ और रङ्ग-ढङ्ग से मालूम होता है कि किसी अच्छे घर की है ।]

[स्वीडिल पास-बुक लेकर मालिकों के कमरे की ओर चला जाता है ।]

कोकसन

[घूमकर रुथ की ओर देखते हुए]

वह अभी बाहर गया है ।

[सन्देह के साथ]

आप अपना मतलब कहिए ।

रुथ

[वेधड़क होकर]

जी हाँ, कुछ अपना काम है ।

कोकसन

यहाँ निजी काम से कोई नहीं आने पाता । आप चाहें
तो उसे कुछ लिखकर रख जायें ।

रुथ

नहीं, मैं उनसे मिलना ही चाहती हूँ ।

[वह अपनी काली आँखों को सिकोड़कर कटास से
उनकी ओर देखती है ।]

कोकसन

[फूलकर]

यह बिलकुल नियम के विरुद्ध है। मान लीजिए मेरा ही कोई मित्र यहाँ मुझसे मिलने आए। यह तो ठीक नहीं है।

रुथ

जी नहीं, ठीक है ?

कोकसन

[कुछ चकराकर]

हाँ कहता तो हूँ, और तुम तो यहाँ एक छोटे क्लर्क से मिलना चाहती हो ?

रुथ

जी हाँ, मुझे उससे बहुत ही ज़रूरी काम है।

कोकसन

[उसकी तरफ़ पूरी तरह मुँह फेरकर, कुछ बुरा मानकर]

लेकिन यह वकील का दफ़्तर है। तुम उसके घर पर जाकर मिलो।

रुथ

वहाँ तो वह था ही नहीं ।

कोकसन

[चिन्तित होकर]

क्या तुम्हारा उससे कुछ रिश्ता है ?

रुथ

जी नहीं ।

कोकसन

[दुबिधे में पड़कर]

मेरी समझ में नहीं आता क्या कहूँ ? यह कोई दफ़्तर का काम तो है नहीं ।

रुथ

लेकिन मैं करूँ तो क्या करूँ ?

कोकसन

वाह ! यह मैं क्या जानूँ ?

[स्वीडिल लौट आता है, और इस कमरे से कोकसन की ओर कुतूहल से घूरता हुआ कमरे में चला जाता है । जाते समय दरवाज़े को सावधानी के साथ दो एक इंच खुला छोड़ जाता है ।]

कोकसन

[उसकी दृष्टि से होशियार होकर]

ऐसा नहीं हो सकता, आप जानती हैं, ऐसा किसी तरह नहीं हो सकता । मान लो एक मालिक ही आ जायें तो ?

[बाहरी कमरे के बाहरी दरवाज़े से रह-रहकर कुंडी का खटकना और हँसना सुनाई देता है ।]

स्वीडिल

[दरवाज़े के भीतर सिर डालकर]

यहाँ बाहर कुछ बच्चे खड़े हैं ।

रु थ

जी, वे मेरे बच्चे हैं ।

स्वीडिल

मैं उन्हें देखता रहूँ ?

रुथ

यह तो बिलकुल छोटे बच्चे हैं ।

[कोकसन की ओर एक कदम बढ़ाती ।]

कोकसन

तुम्हें दफ्तर के घंटों में उसका समय नष्ट न करना चाहिए । यों ही हमारे यहाँ एक कुर्क की कमी है ।

रुथ

मरने जीने का सवाल है जी !

कोकसन

[फिर कान खड़े करके]

मरने जीने का ?

स्वीडिल

यह फाल्डर साहब आ गए ।

[फाल्डर बाहर के कमरे से भीतर आता है । उसका चेहरा पीला है, देखने में अच्छा है । उसकी आँखें तेज़

और सहमी हुई हैं। वह कुर्क के कमरे की ओर बढ़ता है और वहाँ हिचकता हुआ खड़ा हो जाता है।]

कोकसन

खैर, मैं तुम्हें एक मिनट दे सकता हूँ। लेकिन यह नियम विरुद्ध है।

[वह कागज़ों का एक पुलिन्दा उठाकर मालिकों के कमरे में घुस जाता है।]

रुथ

[धीमी, घबराई हुई आवाज़ से]

वह फिर पीने लगा, विल। कल रात को उसने मेरा गला काटने की कोशिश की थी। उसके जागने के पहिले ही मैं बच्चों को लेकर भाग आई हूँ। मैं तुम्हारे घर गई थी।

फ़ाल्डर

मैंने डेरा बदल दिया है।

रुथ

आज रात के लिए सब तैयारी हो गई है न ?

फाल्गुन

मैं टिकट ले आया हूँ। टिकट घर के पास मुझसे
पौने बारह बजे मिलना। ईश्वर के लिए भूल मत जाना
कि हम स्त्री-पुरुष हैं।

[उसकी ओर स्थिर और निराश नेत्रों से देखते
हुए ।]

रुथ

तुम जाने से डर तो नहीं रहे हो ?

फाल्गुन

क्या अपना और बच्चों का सामान तुमने ठीक कर
लिया है ?

रुथ

नहीं, सब छोड़ आई हूँ। मुझे हनीविल के जग जाने
का भय था। बस एक बेग लेकर चली आई हूँ। मैं
अब घर के पास तक नहीं जा सकती।

फाल्गुन

[हक्का बक्का होकर]

वह सब रुपया यों ही बरबाद गया ! कम-से-कम
कितने रुपये हों तो तुम्हारा काम चल जाय ?

रुथ

छः पाउंड । मेरे ख्याल से इतने में काम चल
जायगा ।

फाल्गुन

देखो, हमारे जाने की खबर किसी को न हो ।

[मानो कुछ अपने ही आप से]

वहाँ जाकर मैं यह सब भुला देना चाहता हूँ ।

रुथ

अगर तुम्हें खेद हो रहा हो, तो रहने दो । मुझे उसके
हाथ से मर जाना मंजूर है । परन्तु तुम्हारी मरजी के
खिलाफ़ तुम्हें न ले जाऊँगी ।

फाल्डर

[एक अजीब हँसी हँसकर]

हमारा जाना तो रुक नहीं सकता । मुझे परवा नहीं ।
मैं तो तुम्हें चाहता हूँ ।

रुथ

अब भी विचार कर लो, क्योंकि अभी कुछ नहीं
बिगड़ा है ।

फाल्डर

जो कुछ होना था हो गया । यह लो सात पाउंड ।
याद रखना टिकट घर के पास—पौने बारह बजे । रुथ,
यदि मुझे तुमसे प्रेम न होता !

रुथ

मुझे प्यार करो ।

[दोनों आवेग के साथ चिपट जाते हैं, ठीक इसी
समय कोकसन के आ जाने से वे झट अलग हो जाते हैं ।
रुथ बाहर के कमरे से होकर चली जाती है । कोकसन

गंभीर भाव से सब समझते हुए भी दृढ़ता से धीरे-धीरे जाकर अपनी जगह पर बैठते हैं ।

कोकसन

यह बात ठीक नहीं है, फाल्डर ।

फाल्डर

फिर ऐसा कभी नहीं होगा ।

कोकसन

इस जगह यह बिलकुल मुनासिब नहीं ।

फाल्डर

हाँ ठीक है ।

कोकसन

तुम खुद समझ सकते हो, मैंने केवल इसीलिए आने दिया कि वह कुछ दुखी थी, और उसके साथ बच्चे थे ।

[मेज़ की दराज़ से एक पुस्तक निकालकर देते हुए]

लो इसे पढ़ना । “घर की पवित्रता” बड़े अच्छे ढंग से लिखी गई है ।

फाल्डर

[एक अजीब मुँह बनाकर उसे लेते हुए]

धन्यवाद !

कोकसन

और सुनो फाल्डर, वाल्टर साहब आते ही होंगे । क्या तुमने वह सूची पूरी कर ली जो डेविस जाने से पहिले कर रहा था ?

फाल्डर

जी, मैं कल उसे बिलकुल पूरी कर दूँगा । निश्चय ।

कोकसन

डेविड को गये एक हफ्ता हो गया । देखो फाल्डर, ऐसे काम नहीं चलेगा । तुम निजके भगड़ों में पड़कर दफ्तर के कामों में लापरवाई कर रहे हो । मैं उस औरत के आने की बात तो किसी से न कहूँगा । लेकिन—

फाल्डर

[अपने कमरे में जाते हुए]

बड़ी दया है !

[कोकसन उस दरवाज़े की ओर घूरता है, जिसमें से होकर फ़ाल्डर गया है। फिर एक बार सिर हिलाकर कुछ लिखने के लिए तैयार होता है। उसी समय बाहर कमरे से वाल्टर हो आता है। उसकी उम्र पैंतीस वर्ष की होगी। सूरत भले मानुसों की सी है। आवाज़ मीठी और नम्र है।]

वाल्टर

गुडमॉर्निंग, कोकसन !

कोकसन

गुडमॉर्निंग, मिस्टर वाल्टर !

वाल्टर

अब्बा जान ?

कोकसन

[बड़प्पन जताते हुए, मानो ऐसे युवक से बातें कर रहा हो, जो अपने काम में जी न लगाता हो]

मिस्टर जेम्स तो ठीक ग्यारह बजे यहाँ आ गए हैं।

वाल्टर

मैं तसवीर देखने गिल्डहाल चला गया था ।

कोकसन

[इस प्रकार से उसकी ओर देखते हुए मानो उसने ठीक इसी उत्तर की आशा की हो ।]

देख आए आप ? हाँ, यह वोल्टर का पट्टा है । क्यों इसे वकील के पास भेज दूँ ?

वाल्टर

अब्बा जान क्या कहते हैं ?

कोकसन

उनसे पूछना व्यर्थ है ।

वाल्टर

मगर हमें बहुत होशियार रहना चाहिए ।

कोकसन

बिलकुल ज़रा-सी तो बात है। मुशकिल से मिहनताने भर का भी न होगा। मैं समझता था आप खुद ही इसे कर लेंगे।

वाल्टर

नहीं आप भेज ही दें। मैं जिम्मेदारी अपने सिर नहीं लेना चाहता।

कोकसन

[ऐसे दयाभाव से जो शब्दों में नहीं प्रकट किया जा सकता]

जैसी आपकी इच्छा ; और यह रास्ते के हक्कवाला जो मामला है, उसकी सब लिखा-पढ़ी हो गई है।

वाल्टर

मैं जानता हूँ ; लेकिन साफ़-साफ़ तो उनकी मनशा यही मालूम होती है, कि शिरकत की ज़मीन का अलग कर दिया जाय।

कोकसन

हमें इससे क्या मतलब, हम क़ानून से बाहर नहीं हैं।

वाल्टर

मैं इसे पसंद नहीं करता ।

कोकसन

[सद्भाव से मुसकिराकर]

हम कानून के खिलाफ नहीं जा सकते । आपके पिता जी भी ऐसे कामों में समय नष्ट करना पसंद न करेंगे ।

[ठीक इसी समय जेम्स हो मालिकों के कमरे में से होकर भीतर आते हैं । वह ठिगने हैं । सफ़ेद गलमुच्छे हैं । सिर के बाल घने और सफ़ेद हैं । अंखों से होशियारी टपकती है । संने का कमानेदार चश्मा नाक पर लगा है ।]

जेम्स

गुड मॉर्निंग, वाल्टर !

वाल्टर

आपका मिज़ाज कैसा है, अब्बा जान ?

कोकसन

[अपने हाथ के कागज़ों को नाक के नीचे से इस प्रकार देखता हुआ, मानो उनके आकार को तुच्छ समझ रहा हो]

मैं बोल्टर के पट्टे को फॉल्डर को 'दिये आता हूँ कि इस बारे में हिदायत तय्यार कर दे ।

[फॉल्डर के कमरे में जाता है ।]

वाल्टर

उस रास्ते के हक़वाले मामले में क्या होगा ?

जेम्स

हाँ, हमको वहाँ जाना पड़ेगा । मुझे याद आता है तुमने कल कहा था न, कि फर्म का रोकड़ चार सौ के कुछ ऊपर है ?

वाल्टर

हाँ, है तो ।

जेम्स

[पासबुक देते की ओर बढ़ाकर]

तीन—पाँच—एक—और ढाल का तो कोई चेक है ही नहीं। ज़रा वह चेकबुक निकाल तो लाओ।

[वाल्टर एक अलमारी की दराज़ खोलकर चेकबुक लाकर देता है।]

जेम्स

मुसत्रों में पाउंड पर निशान लगाते जाओ। पाँच, चौवन, सान, पाँच, अट्ठाइस, बीस, नव्वे, ग्यारह, बावन, इकहत्तर मिलते हैं न ?

वाल्टर

[सिर हिलाकर]

कुछ समझ ही में नहीं आता, मैंने तो अच्छी तरह देख लिया था चार सौ से ऊपर थे।

जेम्स

लाओ मुझे तो दो।

[चेकबुक लेकर मुसत्रों को अच्छी तरह जाँचता है]

देखो तो यह नव्वे कैसा है ?

वाल्टर

इसे किसने मँगाया ?

जेम्स

तुमने ।

वाल्टर

[चेकबुक लेकर]

जुलाई ७ को लिखा गया है ? हाँ, उसी दिन मैं ट्रैन्टन का इलाका देखने गया था । शुक्रवार को मैं गया था और मंगलवार को वापस आया था । आपको तो याद होगा । लेकिन देखिए, अब्बा जान, मैंने नौ पाउंड का चेक मुनाया था । पाँच गिन्नी स्मिथर को दिया । बाक़ी सब मेरे खर्च में आया । हाँ, केवल आधा क्राउन बचा था ।

जेम्स

[गम्भीर भाव से]

उस नब्बे पाउण्डवाले चेक को देखना चाहिए ।

[पासबुक के पाकिट में से चेक को ढूँढ निकालता है ।]

ठीक तो मालूम होता है । यहाँ नौ तो कहीं नहीं है ।
कुछ गड़बड़ है । उस नौ पाउंड के चेक को किसने
भुनाया था ?

वाल्टर

[परेशानी और दुख के साथ]

लाइए देखूँ, मैं मिसेज़ रेडी की वसीयत लिख रहा
था । उतना ही समय मिला था । याद आ गया, हॉ
मैंने कोकसन को दिया था ।

जेम्स

इन अक्षरों को तो देखो । क्या तुमने लिखा था ?

वाल्टर

[विचार कर]

अक्षर पीछे की ओर कुछ घूम जाता है । लेकिन
यह तो नहीं घूमता ।

जेम्स

[कोकसन उसी समय फॉल्डर के कमरे से निकल
कर आता है]

उससे पूछना चाहिए । कोकसन ज़रा इधर आकर सोचो तो सही । क्या तुम्हें याद है गए शुक्रवार को मिस्टर वाल्टर ने तुम्हें एक चेक भुनाने के लिए दिया था ? यह वही दिन है जिस दिन वह ट्रेनटन गए थे ।

कोकसन

हाँ, नौ पाउंड का चेक था ।

जेम्स

ज़रा देखो तो इसे !

[चेक उसके हाथ में देता है]

कोकसन

नहीं ! नौ पाउंड था, मेरा खाना उसी समय आया था । और मैं गर्म-गर्म खाना पसन्द करता हूँ इस लिये चेक को मैंने डेविस को दे दिया कि जल्दी बैंक चला जाय । वह गया और सब नोट ही नोट लाया था । आपको तो याद होगा, मिस्टर वाल्टर ! गाड़ी के भाड़े के लिए आपको कुछ रेज़कारी की दरकार थी ।

[कुछ अवज्ञा भरी दया की दृष्टि से]

इधर लाइए ज़रा मैं तो देखूँ । आप शायद ग़लत चेक देख रहे हैं ।

[चेकबुक और पासबुक वाल्टर के हाथ से ले लेता है ।]

वाल्टर

नहीं, ऐसा नहीं है ।

कोकसन

[जाँचकर]

बड़े अचम्भे की बात है ।

जैम्स

तुमने डेविस को दिया था, और इधर डेविस सोमवार को आस्ट्रेलिया के लिये रवाना हो गया । दाल में कुछ काला है, कोकसन !

कोकसन

[परेशानी और घबराहट के साथ]

यह तो पक्का जाल है । नहीं-नहीं, जरूर कुछ ग़लती हो रही है ।

जेम्स

मेरा भी ऐसा ही ख्याल है ।

कोकसन

मुझे यहाँ तीस साल हो गए, पर ऐसा कभी इस दफ्तर में नहीं हुआ ।

जेम्स

[चेक और मुसन्ने को देखते हुए]

किसी बड़े चालाक आदमी का काम है । यह तुम्हारे लिए चेतावनी है वाल्टर, कि अंकों के बाद जगह मत छोड़ा करो ।

वाल्टर

[कुछ चिढ़कर]

मैं जानता हूँ, लेकिन उस दिन मैं बड़ी जल्दी में था ।

कोकसन

[अकस्मात्]

मेरे तो होश ठिकाने नहीं हैं ।

जेम्स

मुसन्ने में भी अंक बदले हुये हैं। बड़ी उस्तादी से माल उड़ाया है। डेविस कौन से जहाज से गया है ?

कोकसन

‘सिटी आफ रंगून’ से।

जेम्स

हमें तार देकर उसे नेपल्स में गिरफ्तार करा देना चाहिए। अभी वहाँ पहुँचा न होगा।

कोकसन

उसकी जवान बीबी का क्या होगा ! उस डेविस युवक को मैं बहुत चाहता हूँ। छी ! छी ! इस दफ्तर में ऐसी—

वाल्टर

मैं बैंक जाकर खज़ांची से दर्याफ्त करूँ ?

जेम्स

[गंभीर भाव से]

उसे यहाँ ले आओ और कोतवाली को भी टेलीफोन करो ।

वाल्टर

सचमुच ?

[बाहर के कमरे में होकर चला जाता है, जेम्स कमरे में टहलने लगता है । फिर ठहर कर कोकसन की ओर देखना है जो बेचैनी से पाजामे के ऊपर से घुटनों को रगड़ रहा है ।]

जेम्स

देखो कोकसन, चाल चलन बड़ी चीज़ है । है न ?

कोकसन

[चश्मे के ऊपर से उसकी ओर देखकर]

मैं आपका ठीक मतलब समझ नहीं सका ।

जेम्स

तुम्हारा बयान उसे बिलकुल न जँचेगा, जो तुम्हें नहीं जानता है ।

कोकसन

आँ—हाँ ।

[वह हंस पड़ता है और फिर यकायक गंभीर होकर कहता है]

मैं उस युवक के लिए बहुत दुःखित हूँ । मिस्टर जेम्स, मुझे अपने लड़के के लिए भी इससे अधिक दुःख न होता ।

जेम्स

बुरी बात है ।

कोकसन

सब काम ठीक चलता हो वहाँ यकायक ऐसी वारदात हो जाय ! आफत है और क्या । आज खाना भी न रुचेगा ।

जेम्स

ऐं—यहाँ तक नौबत पहुँच गई ?

कोकसन

चिंता में डालनेवाली बात है ।

[धीरे से]

वह जरूर किसी लालच में पड़ गया होगा ।

जेम्स

इतनी जल्दी नहीं, कोकसन । अभी उस पर दोष भी तो नहीं साबित हुआ है ।

कोकसन

अगर मुझे एक महीने की तनुखाह न मिलती तो मुझे अफसोस न होता, मगर यह तो—

[सोचता है]

जेम्स

मैं खयाल करता हूँ वह जल्दी पहुँचेगा ।

कोकसन

[खजान्ची के लिए सब सामान ठीक कर]

पचास गज भो तो नहीं है यहाँ से ; अभी एक मिनट में आ पहुँचता है ।

जेम्स

इस दफ्तर में बेईमानी ! यह सोचकर मेरे दिल को चोट लगती है ।

[वह मालिकों के कमरे की ओर जाता है]

स्वीडिल

[आहिस्ते से आकर धीरे-धीरे कोकसन से]

वह फिर आ पहुँची । फाल्डर से शायद कुछ कहना भूल गई है ।

कोकसन

[यकायक चौंककर]

हैं ? नहीं असंभव है ! लौटा दो उसे ।

जेम्स

मामला क्या है ?

कोकसन

कुछ नहीं मिस्टर जेम्स, एक निजी मामला है । चलो, मैं खुद चलता हूँ ।

[जेम्स के मालिक के कमरे में जाते ही, वह बाहर के दफ्तर में जाता है]

देखो अब तुम तंग मत करो, अभी हम किसी से मिल नहीं सकते ।

रुथ

क्या एक मिनट के लिए भी नहीं ?

कोकसन

नहीं हरगिज नहीं ! अगर तुम्हें बहुत ज़रूरी काम हो, तो बाहर ठहरो । अभी थोड़ी देर बाद वह खाना खाने जायगा ।

रुथ

जी ! बहुत अच्छा ।

[वाटर खजंची के साथ जाता है, और रुथ के बगल से होकर निकलता है । रुथ भी उसी समय बाहर के कमरे से चली जाती है ।]

कोकसन

[खज़ांची से, जो देखने में, घुड़सवार पलटन का एक आलसी सिपाही सा मालूम होता था]

गुडमार्निङ्ग !

[वाल्टर से]

आपके अब्बाजान कहाँ हैं ?

[वाल्टर मालिकों के कमरे की ओर चला जाता है]

कोकसन

मिस्टर कौली, बात तो छोटी है पर है बड़ी भारी । मुझे शर्म आती है कि इसके लिए आपको कष्ट देना पड़ा ।

कौली

मुझे वह चेक खूब याद है । उसमें कोई खराबी नहीं थी ।

कोकसन

खैर, आप बैठिए तो । मैं ऐसा आदमी तो नहीं हूँ कि ज़रा सी बात में घबड़ा जाऊ लेकिन इस तरह का

मामला ऐसी जगह में हो जाय, यह तो ठीक नहीं । मैं तो यह चाहता हूँ कि लोग सब्बे दिल से खुशी खुशी काम करें ।

कौली

ठीक है ।

कोकसन

[बटन पकड़ कर, खींचते हुए और मालिकों के कमरे की ओर देखते हुए ।]

मान लिया कि वह अभी बिलकुल ना समझ है, पर मैंने उससे कई बार कहा कि अङ्कों के आगे जगह न छोड़ा करो, पर वह सुनता ही नहीं ।

कौली

मुझे उस आदमी की सूरत खूब याद है—बिलकुल जवान था ।

कोकसन

पर बात यों है कि शायद उस आदमी को हम आपके आगे पेश न कर सकें ।

[जेम्स और वाल्टर अपने कमरे में से बाहर आते हैं ।]

जेम्स

गुडमार्निङ्ग, मिस्टर कौली ! आपने मुझे और मेरे लड़के को तो देख ही लिया । मिस्टर कोकसन और मेरे आफिस के नौकर स्वीडिल को भी आप देख चुके हैं । मैं समझता हूँ, हममें से कोई न था ।

[खज़ांची मुसक़िरा कर सिर हिलाता है ।]

जेम्स

आप कृपा कर बैठिए तो यहाँ, मिस्टर कौली ! कोकसन तुम ज़रा तब तक इनसे बातें तो करो ।

[फ़ाल्डर के कमरे की ओर जाते हैं ।]

कोकसन

ज़रा एक बात सुनते जाइये. मिस्टर जेम्स ।

जेम्स

कहो, कहो ।

कोकसन

उस बेचारे को क्यों परेशान करते हैं ? वह गरीब तो योंही बात बात में घबड़ा जाता है ।

जेम्स

इस मामले को बिलकुल साफ़ कर लेना चाहिए कोकसन । फ़ाल्डर की ही नहीं तुम्हारी भी नेकनामी है इसी में !

कोकसन

[ज़रा अकड़ कर]

ख़ैर, मेरी तो आप चिन्ता न करें । वह आज सवेरे एक बार हैरान हो चुका है । मैं नहीं चाहता कि उसे दोबारा उलझन में डाला जाय ।

जेम्स

यह तो ज़ाबते की बात है, लेकिन ऐसे विषय में भलमंसी—की क्या बात है । बहुत संगीन मामला है । जब तक कौली साहब को बातों में लगाइये ।

[फ़ाल्डर के कमरे का दरवाज़ा खोलता है ।]

बोल्टर के पट्टे की मिसिल तो लाओ फ़ाल्डर ।

कोकसन

[भटके के साथ]

आप कुत्ते तो नहीं पालते ?

[खज़ाँची दरवाज़े की ओर एक टक देखता रहता है,
और कुछ जवाब नहीं देता ।]

कोकसन

आपके पास कोई बुलडाक का बच्चा हो, तो एक मुझे
दे दीजिए ।

[खज़ाँची के चेहरे का रंग देखकर उसका चेहरा
उत्तर जाता है, और वह फ़ाल्डर की ओर मुड़कर देखता है
फ़ाल्डर कौली के चेहरे की ओर इस तरह टकटकी लगाए
द्वार पर खड़ा है, जैसे खरगोश साँप की ओर आँखें जमा
लेता है ।]

फ़ाल्डर

[कागज़ों को लाकर]

जी, ये हैं सब ।

जेम्स

[उनको लेकर]

धन्यवाद !

फाल्डर

जी, तो मेरे लिये और कोई काम नहीं है ?

जेम्स

नहीं ।

[फाल्डर घूमकर अपने कमरे में चला जाता है, जैसे ही वह दरवाज़ा बन्द करता है, जेम्स ख़ज़ाँची की ओर प्रश्न सूचक दृष्टि से देखता है । ख़ज़ाँची सिर हिलाता है ।]

जेम्स

यही था ? हमें तो यह संदेह न था ।

कौली

बिलकुल ठीक, वह भी मुझे पहिचान गया । उस कमरे से भाग तो नहीं सकता ?

कोकसन

[दुःखित होकर]

एक ही खिड़की है नीचे पूरा एक मंजिल और तहखाना ।

[फाल्डर के कमरे का दरवाज़ा खुलता है, फाल्डर हाथ में टोपी लिए, बाहरी कमरे के दरवाज़े की तरफ़ जाता है ।]

जेम्स

[धीरे से]

कहाँ जाते हो, फाल्डर ?

फाल्डर

जी, खाना खाने ।

जेम्स

थोड़ी देर और ठहर सकते हो ? मुझे तुमसे इस पट्टे के बारे में कुछ कहना है । समझे !

फाल्डर

जी, अच्छा !

[अपने कमरे में वापस जाता है ।]

कौली

अगर जरूरत पड़े, तो मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि इसी आदमी ने चेक भुनाया था। उस दिन सबेरे वही आखिरी चेक था जो खाना खाने के पहिले मैंने लिया था। देखिये मेरे पास उन नोटों के नम्बर भी मौजूद हैं।

[एक कागज़ का पुग्ज़ा मेज़ पर रखता है फिर अपनी टोपी घुमाने हुए]

अच्छा, गुडमार्निङ्ग !

जेम्स

गुडमार्निङ्ग, मिस्टर कौली !

कौली

गुडमार्निङ्ग, मिस्टर कोकसन !

कोकसन

[कुछ भौचक्के से होकर]

गुडमार्निङ्ग !

[खज़ांची बाहर के आफिस घर से होकर जाता है, कोकसन अपनी कुर्सी पर इस भाँति बैठ जाता है, मानो इस परेशानी में उसे सिर्फ़ कुर्सी ही का सहारा है ।]

वाल्टर

आप अब क्या करना चाहते हैं ?

जेम्स

उसे यहाँ बुलाओ, चेक और मुसन्ना मुझे दे दो ।

कोकसन

आखिर यह बात क्या है ; मैंने तो समझा था, यह डेविस—

जेम्स

अभी सब मालूम हुआ जाता है ।

वाल्टर

ठहरिए, क्या आपने अच्छी तरह सोच लिया है ?

जेम्स

बुलाओ उसको अन्दर ।

कोकसन

[मुश्किल से उठकर फ़ाल्डर के कमरे का दरवाज़ा खोलकर भारी स्वर से]

ज़रा यहाँ तो आना ।

[फ़ाल्डर आता है]

फ़ाल्डर

[शान्त भाव से]

जी, हाज़िर हूँ ।

जेम्स

[अचानक उसकी ओर मुड़कर चेक को उसकी ओर बढ़ाते हुए]

तुम इस चेक को पहिचानते हो, फ़ाल्डर ?

फ़ाल्डर

जी नहीं !

जेम्स

अच्छी तरह देखो तो इसे, तुमने पिछले शुक्रवार को इसे भुनाया था ।

फाल्डर

हाँ, जो हाँ ! यह वही है, जिसे डेविस ने मुझे दिया था ।

जेम्स

मुझे मालूम है और तुमने डेविस को रुपए दिए थे ?

फाल्डर

जी हाँ !

जेम्स

जब डेविस ने तुमको यह चेक दिया था तब क्या यह ठीक ऐसा ही था ?

फाल्डर

जी हाँ, मेरा तो यही खयाल है ।

जेम्स

क्या तुम्हें मालूम है कि मिस्टर वाल्टर ने केवल
९ पाउंड का चेक लिखा था ?

फाल्डर

जी नहीं, नब्बे का ।

जेम्स

नहीं, फाल्डर, सिर्फ नौ का ।

फाल्डर

[घबड़ा कर]

मैंने समझा नहीं ।

जेम्स

मतलब यह है कि इस चेक में फेर फार किया गया है ।
अब सवाल यह है कि तुमने किया या डेविस ने !

फाल्डर

मैंने—मैंने ?

जेम्स

समझ कर जवाब दो, सोच लो ।

फाल्डर

[समझकर]

जी नहीं, मुझसे यह काम नहीं हुआ ।

जेम्स

मिस्टर वाल्टर ने कोकसन को चेक दिया था । उसी समय कोकसन का खाना आया था । उस समय जरूर एक बजा होगा ।

कोकसन

हाँ, इसीलिए तो मैं जा नहीं सका ।

जेम्स

ठीक है, इसीलिए कोकसन ने डेविस को चेक दे दिया । तुमने सवा बजे चेक भुनाया था । यह ऐसे

पता चलता है कि खज्जांची ने खाना न खाने के पहिले इसी चेक के रुपए दिए थे ।

फाल्डर

जी हों, डेविस ने मुझे इस लिये चेक दिया था कि उसके कुछ मित्र उसे एक दावत दे रहे थे ।

जेम्स

[सिरपिटा कर]

तो तुम डेविस पर दोष लगाते हो ?

फाल्डर

यह मैं कैसे कह सकता हूँ ? बड़े अचरज की बात है !

[वाल्टर अपने बाप के बिलकुल पास जाकर कान में कुछ कहता है]

जेम्स

फिर शनिवार के बाद तो डेविस यहाँ नहीं आया न ?

कोकसन

[किसी प्रकार इस युवक को सहारा देने की इच्छा से और इस बात के टलने की भूलक की तनिक आशा पाकर ।]

नहीं, वह सोमवार को चला गया ।

जेम्स

वह यहाँ आया तो नहीं था ? क्यों फाल्डर ?

फाल्डर

[बहुत धीमे स्वर से]

जी नहीं ।

जेम्स

बहुत अच्छा, तब तुम इस बात का क्या जवाब देते हो कि मुसन्ना में नौ के बाद सिफर मंगल के दिन या उसके बाद जोड़ा गया ।

कोकसन

[आश्चर्य से]

यह क्या ?

[फ़ाल्डर का सिर चकराने लगता है, बड़ी कठिनाई के साथ वह अपने को सँभालता है । मगर उसकी हालत बुरी हो जाती है ।]

जेम्स

[बहुत गंभीर होकर]

कोकसन, बात पकड़ गई न ! चेकबुक मिस्टर वाल्टर की जेब में मंगलवार तक था । क्योंकि उसी दिन सवेरे वे टेन्टन से लौटे हैं । क्या अब भी तुम इनकार करते हो फ़ाल्डर तुमने चेक और मुसन्ने को नहीं बदला ?

फ़ाल्डर

जी नहीं, जी नहीं, हो साहब । जी हाँ, मैंने ही यह काम किया है ।

कोकसन

[दुःख के आवेश में]

छी ! छी ! ऐसा काम किया तुमने ?

फाल्डर

साहब, मुझे रुपए की बड़ी सख्त जरूरत थी। मुझे ध्यान ही न रहा कि मैं क्या कर रहा हूँ।

कोकसन

तुम्हारे दिमाग में यह बात आई कैसे ?

फाल्डर

[उसकी बातों का मतलब समझकर]

मैं कुछ नहीं कह सकता, साहब, एक मिनट के लिए मैं पागल हो गया था।

जेम्स

तुम्हारा मिनट बहुत लम्बा होता है, फाल्डर।

[मुसन्ने को ठोंकते हुए]

कम से कम चार दिन का ।

फाल्डर

हुजूर मैं कसम खाता हूँ मुझे बिलकुल खयाल न था कि मैं क्या कर रहा हूँ । जब कर चुका तब होश आया । मेरी इतनी हिम्मत न हुई कि कह दूँ । भूल जाइए, साहब, मेरी इस दुर्बलता को, मैं सब रुपए वापस कर दूँगा मैं वादा करता हूँ ।

जेम्स

अपने कमरे में जाओ ।

[फाल्डर करुणाजनक दृष्टि से देखकर अपने कमरे में चला जाता है । सन्नाटा छा जाता है ।]

इससे बुरा मामला और क्या हो सकता है ?

कोकसन

ऐसी सीनाजोरी और यहाँ !

वाल्टर

अब क्या करना चाहिए ?

जेम्स

और कुछ नहीं, मुकदमा चलाइये ।

वाल्टर

मगर यह इसका पहिला कसूर है ।

जेम्स

[सिर हिलाकर]

मुझे इसमें बहुत सन्देह है । कितनी सफाई के साथ हाथ मारा है !

कोकसन

मैं तो समझता हूँ इसे किसी ने मोह में डाल दिया ।

जेम्स

जीवन भारी मोह के सिवा और है क्या ?

कोकसन

हाँ, यह तो ठीक है लेकिन मैं काया और कामिनी की बात कर रहा हूँ, मिस्टर जेम्स ! उससे मिलने के लिए आज ही एक औरत आई थी ।

वाल्टर

वही औरत जो आते वक्त हमारे सामने से निकली थी । क्या वह इसकी बीबी है ?

कोकसन

नहीं, कोई रिश्ता नहीं ।

[आँखें मटकाना चाहता है, पर समय का विचार करके रुक जाता है ।]

हाँ, विवाहिता है ।

वाल्टर

आपको कैसे मालूम ?

कोकसन

अपने बच्चों को साथ लाई थी ।

[विरक्ति के साथ]

वे दफ्तर के बाहर थे ।

जेम्स

तब तो पक्का शोहदा है ।

वाल्टर

मेरे खयाल से उसे इस बार क्षमा कर देनी चाहिए ।

जेम्स

जिस कमीनापन से उसने यह काम किया है, उस से तो मैं क्षमा नहीं कर सकता । वह समझे बैठा था, कि अगर बात खुल गई, तो हमारा संदेह डेविस पर होगा । यह बिलकुल इत्तिफाक था कि चेकबुक तुम्हारी जेब में पड़ी रह गई ।

वाल्टर

जरूर किसी क्षणिक मोह में पड़ गया था । उसको सोचने का वक्त नहीं मिला ।

जेम्स

कोई ईमानदार और साफ़दिल आदमी एक मिनट के अन्दर ऐसे मोह में नहीं पड़ जाता । उसका कोई ठिकाना नहीं है । रुपए के मामले में अपनी नीयत को साफ़ रखने की शक्ति उसमें नहीं है ।

वाल्टर

[रूखे स्वर से]

लेकिन पहिले कभी उसने ऐसा नहीं किया ।

जेम्स

[उसकी बात को अनसुनी करके]

अपने समय में मैंने ऐसे बहुत आदमी देखे हैं । इसके सिवा कोई उपाय नहीं कि उन्हें हानि के पथ से दूर रक्खा जाय । उनकी आँखें नहीं होतीं ।

वाल्टर

उसे सख्त क़ैद की सज़ा हो जायगी ।

कोकसन

जेल बड़ी बुरी जगह है !

जेम्स

[हिचकता हुआ]

समझ में नहीं आता, उसे कैसे छोड़ दिया जा सकता है । इस दफ्तर में उसे रखने का तो अब कोई सवाल ही नहीं । लेकिन ईमान ही मनुष्य का सब से बड़ा गुण है ।

कोकसन

[मंत्रमुग्ध की भाँति]

इसमें क्या शक ।

जेम्स

वैसे ही उसे हम उन लोगों के बीच में नहीं छोड़ सकते जो उसके चाल चलन को नहीं जानते । समाज की ओर भी हमारा कुछ कर्तव्य है ।

वाल्टर

लेकिन उस पर इस तरह तो दाग लगा देना अच्छा नहीं ।

जेम्स

अगर चकमा देने की कोशिश न करता, तो मैं उसे क्षमा कर देता । लेकिन उसने अपराध पर अपराध किया है । आवारा है ।

कोकसन

मैं यह नहीं कहता, परिस्थितियों पर विचार करके उसका अपराध हलका हो जाता है ।

जेम्स

एक ही बात है, उसने खूब दाव घात लगाई, और मालिकों की आँखों में धूल भोंकी, और एक निर्दोषी आदमी के सिर अपराध मढ़ दिया । अगर ऐसा मामला भी कानून के लायक न हो, तो कौन होगा ।

वाल्टर

फिर भी उसकी सारी जिन्दगी की ओर देखिए ।

जेम्स

[चुटकी लेते हुए]

अगर तुम्हारी चले तो कोई अभियोग ही न चले ।

वाल्टर

[मुँह सिकोड़ कर]

मैं ऐसी बातों से नफ़रत करता हूँ ।

कोकसन

हमें तो सिर्फ़ अपने बचाव से मतलब ।

जेम्स

ऐसी बातों से कोई फ़यदा नहीं ।

[अपने कमरे की ओर बढ़ता है ।]

वाल्टर

थोड़ी देर के लिए, आप अपने को उसकी जगह पर
रखिए, पिताजी !

जेम्स

यह मेरे बस की बात नहीं ।

वाल्टर

हमें क्या मालूम कि उसके ऊपर क्या संकट पड़ा था ।

जेम्स

यह समझ लो वाल्टर, कि जो आदमी ऐसा करना चाहता है, वह करेगा, चाहे संकट हो या न हो । अगर न करना चाहे, तो कोई उसको मजबूर नहीं कर सकता ।

वाल्टर

वह आगे ऐसा काम नहीं करेगा ।

कोकसन

अच्छा, मैं अभी उससे इस बारे में बातें करता हूँ ।
उस बेचारे पर सख्ती न करनी चाहिए ।

जेम्स

अब जाने दो, कोकसन ! मैंने इरादा पक्का कर लिया है ।

[अपने कमरे में चला जाता है ।]

कोकसन

[थोड़ी देर संदेह के साथ कुछ सोचकर]

तुम्हारे पिता का कोई विशेष दोष नहीं है अगर वह यही उचित समझते हैं, तो मैं उनका हाथ न पकड़ूँगा ।

वाल्टर

हटो भी कोकसन, तुम मेरी बात पर जोर क्यों नहीं देते । उस पर दया तो आती है ।

कोकसन

[गरूर से]

मैं नहीं कह सकता मुझे दया आ रही है, या नहीं ।

वाल्टर

हमें पछताना पड़ेगा ।

कोकसन

उसने जान बूझकर यह काम किया है ।

वाल्टर

दया खींचतान से नहीं आती ।

कोकसन

[प्रश्नसूचक दृष्टि से उसकी ओर देखकर]

नाराज न हो हमें सोच समझकर काम करना चाहिए ।

स्वीडिल

[तश्तरी में खाना लाकर]

आपका खाना, हुजूर ।

कोकसन

रखो ।

[स्वीडिल खाना मेज़ पर रखता है, ठीक इसी समय जासूस विस्टर बाहर के कमरे में आता है । और वहाँ किसी को न देखकर भीतर चला आता है । वह]

मोटा आदमी है क़द मामूली, मूँछें मुड़ी हुई, नीले रंग का टिकाऊ सूट पहिने है। मज़बूत बूट पैर में है।]

विस्टर

[वाल्टर से]

मैं स्कॉटलैंड यार्ड के थाने से आ रहा हूँ। मेरा नाम डिटेक्टिव सार्जेंट विस्टर है।

वाल्टर

[प्रश्नसूचक दृष्टि से देखता हुआ]

बहुत अच्छा, मैं अपने पिता को ख़बर देता हूँ।

[वह मालिकोंवाले कमरे में जाता है, जेम्स आता है।]

जेम्स

गुडमार्निंग !

[कोकसन से जो उसकी ओर करुणा भरी दृष्टि से देखता है।]

मुझे अफ़सोस है कि मैं मान नहीं सकता। मुझे ऐसा करना ही पड़ेगा। उस दरवाज़े को खोलो।

[स्वीडिल आश्चर्य के साथ सहमते हुए दरवाज़ा खोलता है ।]

इधर आओ, फ़ाल्डर ।

[जैसे ही फ़ाल्डर भिन्नकता हुआ बाहर निकलता है, डिटेक्टिव जेम्स का इशारा पाकर उसकी बाहों को पकड़ लेता है ।]

फ़ाल्डर

[सिकुड़ते हुए]

नहीं-नहीं-नहीं-नहीं !

विस्टर

बस ! बस ! तुम तो समझदार आदमी हो ।

जेम्स

मैं इसपर चोरी करने का जुर्म लगाता हूँ ।

फ़ाल्डर

हुजूर, दया कीजिए एक औरत है जिसके लिये मैंने यह काम किया । मुझे कल तक के लिए छोड़ दीजिए ।

[जेम्स हाथ का इशारा करता है। उसके उस निष्ठुर भाव को देखकर फ़ाल्डर निश्चल हो जाता है। फिर धीरे-धीरे मुड़कर अपने को डिटेक्टिव के हाथ में दे देता है। जेम्स कठोर और गंभीर होकर पीछे-पीछे चलता है। स्वीडिल लपक कर द्वार खोलता है, और उनके पीछे बाहर के कमरे से दालान तक जाता है, जब वे सब चले जाते हैं कोकसन एक बार चारों ओर घूमकर बाहर के कमरे की ओर दौड़ता है।]

कोकसन

[अधीर होकर]

सुनो, सुनो ! ये सब हम क्या कर रहे हैं ?

[चारों ओर सन्नाटा छा जाता है, वह अपना रूमाल निकालकर मुँह पर से पसीना पोंछता है। फिर अपनी मेज़ के पास अंधे की तरह आकर बैठ जाता है। और खाने की ओर उदास भाव से देखता है।]

[पर्दा गिरता है।]

अङ्क दूसरा

दृश्य १

न्यायालय । अक्टूबर महीने का तीसरा पहर, चारों ओर कुहरा छाया हुआ है । कचहरी में बारिस्टर, वकील, सम्वाद-दाता, चपरासी, जूरियों से ठसाठस भरा है । एक बड़े मज़बूत कठघरे में फ़ाल्डर हैं । उसके दोनों तरफ़ दो सिपाही निगरानी के लिए खड़े हैं, मानो उनकी उसपर कुछ विशेष दृष्टि नहीं है । फ़ाल्डर ठीक जज के सामने बैठा है । जज एक ऊँची जगह पर बैठा है । उसका भी ध्यान किसी ख़ास चीज़ पर नहीं है । सरकारी वकील हेरोल्ड क्लीवर दुबला, और पीला आदमी है । उम्र अघेड़ से कुछ अधिक है । सिर पर एक नक़ला बाल लगाए बैठा है, जिसका रंग उसके चेहरे के रंग से मिलता-जुलता है । वादी का वकील हेक्टर फ़्रोम जवान और लम्बे क़द का है । मूँछ और दाढ़ी साफ़ है । एक सफ़ेद नक़ली बाल सिर पर पहिने है । दर्शकों में जेम्स और मिस्टर होम बैठे हैं उनकी गवाही हो चुकी है । कोकसन और खज़ांची भी बैठे हैं । विस्टर गवाही के कठघरे से उतर रहा है ।

क्रीवर

यह सरकारी मुक्तदमा है हुजूरा ।

[अपने कपड़ों को सँभालकर बैठता है]

फ़ोम

[अपनी जगह से उठता हुआ, जज को सलाम करके]

हुजूर जज और जूरी के सदस्य गण ! मैं इस यथार्थ बान का अस्वीकार नहीं करता कि अभियुक्त ने चेक के अंकों को बदला था । मैं आपके सम्मुख इस बात का प्रमाण दूँगा कि उस समय अभियुक्त की मानसिक अवस्था वैसी थी, और आपकी सेवा में निवेदन करूँगा, कि उस समय उसे उसका ज़िम्मेदार समझने में आग उमके साथ अन्याय करेंगे, वास्तव में अभियुक्त ने यह काम चित्त की अव्यवस्थित दशा में किया जो क्षणिक उन्माद के समान था । इसका कारण वह भीषण समस्या थी, जो उसपर आ पड़ी थी । महोदयों ! अभियुक्त की उम्र केवल तेइस वर्ष की है । मैं अभी एक औरत को यहाँ पेश करता हूँ जिसके बयान से आपको मालूम हो जायगा,

कि अभियुक्त ने यह काम क्यों किया । आप स्वयं उसके मुख से उसके जीवन को करुण-कथा और इससे भी करुण प्रेम-वृत्तान्त सुनेंगे, जो अभियुक्त के हृदय में उमने जागृति की थी । महाशय गण ! वह और अपने पति के साथ बड़ी बुरी अवस्था में रहती है । उसका पति बराबर उसके साथ अत्याचार करता है । यहाँ तक कि उस बेचारी को डर है कि वह उसे मार तक न डाले । इस समय मेरे कहने का तात्पर्य यह नहीं है कि किसी नवयुवक के लिए किसी की विवाहिता स्त्री से प्रेम करना प्रशंसनीय या उचित है अथवा उसका यह अधिकार है कि वह उस स्त्री की उसके पिशाच पति से रक्षा करे । परन्तु हम सब का मातृम है, कि प्रेम आदमी से क्या क्या नहीं करा सकता । महोदयों ! मैं आपसे कहता हूँ कि उस औरत का वयान सुनते समय आप इस बात पर ध्यान रखें, कि एक निर्दय और अत्याचारी व्यक्ति से विवाह होने के कारण वह उसके हाथ से छुटकारा नहीं पा सकती । क्योंकि विवाह-विच्छेद कराने के लिए मार पीट के बिना किसी और दाय का दिखाना जरूरी है जो शायद उसके पति में नहीं है ।

जज

क्या इन बातों का भी अभियोग से कोई सम्बन्ध है,
मिस्टर फ़ोम ?

फ़ोम

हुजूर, मैं अभी यह आपको साबित करूँगा ।

जज

बहुत अच्छा ।

फ़ोम

इस प्रकार की अवस्था में वह और क्या कर सकती थी । उसके लिए और कौनसा रास्ता खुला था ? या तो वह अपने शराबी पति के साथ रह कर अत्याचारों को चुपचाप सहती अथवा अदालत के जरिए विवाह-विच्छेद कराती । लेकिन महाशय गण ! अपने अनुभवों से मैं कह सकता हूँ कि अदालत की शरण लेकर भी अपने पति के अत्याचारों से बचना कठिन था । और किसी तरह वह बच भी जाती, तो सिवा किसी कारखाने में जाने या

सड़क पर मारे-मारे फिरने के और कुछ भी नहीं कर सकती थी। क्योंकि कोई काम न जानने वाली औरत के लिए अपना और अपने बच्चों का पालन करना आमान काम नहीं। यह अब उसे मालूम हो रहा है। या तो वह सरकारी खैरात-खाने में जाती या अपनी लाज बेचती।

जज

आप अपने विषय से बहुत दूर चले गए, मिस्टर फ़ोम।

फ़ोम

मैं एक मिनट के अन्दर अपना आशय बतला दूँगा, हुजूर।

जज

खैर, कहो।

फ़ोम

महोदय ! विचार कीजिए। यह औरत स्वयं आपको ये बातें बतायेगी और अभियुक्त भी उसका समर्थन करेगा,

कि ऐसी अवस्थाओं में पड़कर उसने अपने उद्धार की सारी आशाएँ उसपर छोड़ दीं। क्योंकि इस युवक के हृदय में उसने जो भाव उत्पन्न किए थे, उससे वह अपरिचित नहीं थी। इस विपत्ति से बचने के लिए, उसे इसके सिवा और कोई मार्ग दिखाई न दिया कि किसी दूर देश में जाकर, जहाँ उन्हें कोई न पहिचाने, वे पति पत्नी की तरह रहें। बस यही उनका अंतिम और, जैसा निस्संदेह मेरे मित्र मिस्टर क्लेवर कहेंगे, अविचार पूर्ण निर्णय था। परन्तु यह सच्ची बात है कि दोनों का मन इसीपर तुला हुआ था। एक अपराध से बचने के लिए दूसरा अपराध करना अच्छी बात नहीं। और जिनके लिए ऐसी अवस्था में पड़ने की संभावना नहीं है, वे शायद मेरी बातों पर चौंक उठेंगे। परन्तु मैं उनका उत्तर देना नहीं चाहता, महोदय, चाहे आप इनके इस कार्य को किसी भी दृष्टि से देखें, चाहे इस दशा में पड़कर इन दोनों को कानून के हाथ में ले लेना आपको उचित मालूम हो या अनुचित पर बात यह अवश्य ठीक है। आफत की मारी हुई यह बेचारी औरत और उसको जान से चाहने वाला यह अभियुक्त जो बालक से कुछ ही अधिक उम्र का होगा, इन दोनों ने

एक साथ किसी दूर देश में जाने का निश्चय कर लिया था। अब इसके लिए इनका रुपए की आवश्यकता भी थी। परन्तु इनके पास रुपया नहीं था। अब सातवीं जुलाई की घटनाओं के विषय में, जिस दिन चेक पर का अंक बदला गया था, और जिन घटनाओं से मैं यह सिद्ध करना चाहता हूँ कि अभियुक्त इस कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं था, ये बातें आप गवाहों के मुख से ही सुनेंगे। राबर्ट कोकसन।

[एक बार चारों ओर घूम पड़ता है फिर सादा कागज़ हाथ में लेकर इन्तज़ार करता है]

[कोकसन की पुकार होती है, वह आकर गवाहों के कंधरे में जाता है, टोपी को अपने सामने पकड़े रहता है, उसे हलरू दी जाती है ।]

फ़ोम

आपका नाम क्या है ?

कोकसन

राबर्ट कोकसन।

फ़ोम

क्या आप उस आफ़िस के मैनेजिंग क्लर्क हैं जिसमें अभियुक्त नौकर था ?

कोकसन

हाँ !

फ़ोम

अभियुक्त उनके यहाँ कितने दिनों से काम कर रहा है ?

कोकसन

दो साल से । नहीं—मैं भूल रहा हूँ—हाँ—बस १७ दिन कम दो साल ।

फ़ोम

ठीक है, अच्छा मिहरबानी करके यह बतलाइए, कि दो साल में आपने उसका चालचलन कैसा पाया है ?

कोकसन

[मानो इस प्रश्न से कुछ तथ्यजुव हुआ हो, वह धीरे से जूरी से कहता है ।]

वह बहुत अच्छा और शरीफ आदमी था । मैंने कभी उसका कोई दोष नहीं देखा । मुझे तो बड़ा आश्चर्य हुआ था, जब उसने ऐसी हरकत की ।

फ्रोम

क्या कभी उसने ऐसा मौका दिया था, जिससे उसकी ईमानदारी पर आपको संदेह हुआ हो ?

कोकसन

नहीं, हमारे दफ्तर में बेईमानी ! नहीं, ऐसा कभी नहीं हुआ ।

फ्रोम

मुझे विश्वास है, मिस्टर कोकसन कि जूरी महोदय गण आपकी बात का ध्यान से सुन रहे हैं ।

कोकसन

हर एक रोजगारी आदमी जानता है कि कारबार में ईमानदारी ही सब कुछ है ।

फ़ोम

क्या आप उसके चाल चलन की तारीफ़ कर सकते हैं ?

कोकसन

[जज की ओर मुड़कर]

बेशक ! हमेशा से हम लोग सब बहुत अच्छी तरह आनंद पूर्वक रहते थे । उसे सुनकर मेरे तो होश उड़ गए ।

फ़ोम

अच्छा, अब सातवीं जुलाई का दिन याद कीजिए । जिस दिन कि यह चेक बदला गया था । उस दिन उसके चित्त की क्या दशा थी ?

कोकसन

[जूरियों से]

यदि मुझमें पूछो, तो मैं कहूँगा, कि उस समय उसका चित्त ठिकाने नहीं था ।

जज

[तीव्र स्वर में]

क्या तुम्हारा मतलब है कि वह पागल था ?

कोकसन

परेशान था ।

जज

जरा साफ़-साफ़ कहो ।

फ़ोम

[नम्रता के साथ]

कहिए, मिस्टर कोकसन ।

कोकसन

[कुछ चिढ़कर]

मेरी राय में—

[जज की ओर देखकर]

वह जैसी कुछ भी हो । वह कुछ डावांड़ोल सा था,
अवश्य जूरीगण मेरे मतलब को समझ गए होंगे ।

फ़ोम

क्या आप कह सकते हैं कि आपने यह राय कैसे क़ायम की,

कोकसन

हाँ! मैं कह सकता हूँ, मैं होटल से खाना मँगवाता हूँ। थोड़ा सा कबाब और आलू। इससे वक्त की बहुत बचत होती है। हाँ जब मेरा खाना आया मिस्टर वाल्टर ही ने मुझे वह चेक भुनाने के लिए दिया। इधर अगर मैं उस समय जाऊँ, तो खाना ठंडा हुआ जाता है, और फिर ठंडा खाना किस काम का। यह तो आप समझ ही सकते हैं। हाँ, तो बस मैं क्लर्कों के कमरे में गया, और दूमरे क्लर्क डेविस को मैंने वह चेक भुना लाने को दे दिया। मैंने उस समय फाल्डर को कमरे में टहलते देखा, मैंने उससे कहा भी था “फाल्डर यह चिड़ियाघर नहीं है।”

फ़ोम

क्या आपको याद है उसने इसका क्या जवाब दिया ?

कोकसन

हाँ, उसने कहा “ईश्वर इसे चिड़ियाघर बना देता तो अच्छा होता ।” मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ ।

फ़ोम

और भी आपने कोई विशेष बात देखी ?

कोकसन

हाँ, देखा था ।

फ़ोम

वह क्या ?

कोकसन

उसके गले का बटन खुला हुआ था । मैं हमेशा चाहता हूँ कि लोग साफ़ और कायदे से रहें । मैंने उससे कहा तुम्हारे कालर का बटन खुला है ।

फ़ोम

उसने आपकी बात का क्या जवाब दिया था ।

कोकसन

उसने मुझे घूरकर देखा, यह बेअदबी थी ।

जज

तुम्हें घूर कर देखा था ? क्या यह एक बहुत मामूली बात नहीं है ?

कोकसन

हाँ, लेकिन उसका देखना कुछ . . . मैं ठीक बयान नहीं कर सकता एक अजीब तरह का था ।

फ्रोम

क्या आपने कभी ऐसी दृष्टि उसकी आँखों से आगे नहीं देखी थी ?

कोकसन

नहीं । अगर देखना, तो मैं मालिकों से उसकी शिकायत कर देता । हम ऐसे भक्ती आदमी को अपने यहाँ नहीं रखते ।

जज

क्या तुमने इस बात की शिकायत अपने मालिकों से की थी ?

कोकसन

[आहिन्ने से]

बिना किसी पक्के सबूत के मैं उनको कष्ट देना उचित नहीं समझता ।

फ़ोम

लेकिन आप पर इस बात का खास असर पड़ा था ?

कोकसन

इसमें क्या शक ! डेविस अगर यहाँ होता, तो वह भी यही कहता ।

फ़ोम

अक्रमोस है कि वह यहाँ नहीं है । खैर, अब आप उस दिन की बात याद कर सकते हैं । जिस दिन वह

जाल पकड़ा गया । क्या उस दिन कोई खास बात हुई थी ? वह १८ तारीख थी ।

कोकसन

[कान पर हाथ रखकर]

मैं कुछ कम सुनता हूँ ।

फ़ोम

जिस दिन आपको इस जाल की बात मालूम हुई उस दिन उसके पटिले कोई ऐसी घटना हुई थी, जिससे आपका ध्यान आकर्षित हुआ हो ?

कोकसन

हाँ, एक औरत ।

जज

इस बात से इसका क्या संबंध है, मिस्टर फ़ोम ?

फ़ोम

हुज़ूर, मैं कोशिश कर रहा हूँ जिससे मालूम हो जाय कि अभियुक्त ने यह काम किस प्रकार की मानसिक अवस्था में किया है ।

जज

ठीक है, यह मैं समझता हूँ । लेकिन आप जो पृष्ठ रहे हैं, वह इसके बहुत बाद का बात है ।

फ़ोम

हाँ हुजूर ! लेकिन यह मेरे कथन को पुष्ट करती है ।

जज

ठीक है ।

फ़ोम

आपने क्या कहा ? एक औरत ? तो क्या वह दफ़्तर में आई थी ?

कोकसन

हाँ !

फ़ोम

किस लिये ?

कोकसन

फाल्डर से मिलने के लिए । वह उस समय मौजूद नहीं था ।

फ्रोम

उसे आपने देखा था ?

कोकसन

हाँ ! देखा था ।

फ्रोम

क्या वह अकेली आई थी ?

कोकसन

[दृढ़ता से]

आप मुझे मशिकन में डाल रहे हैं । चपरामी ने जो कुछ कहा था वह बयान करते हुए मुझे संकोच होता है ।

फ्रोम

ठीक है, मिस्टर कोकसन, ठीक है !

कोकसन

[अकस्मात् इस भाव से जैसे कहता हो तुम इन बातों का क्या समझो, अभी बच्चे हो, मैं कहता हूँ ।]

फिर भी दूसरी तरह समझा देता हूँ । एक आदमी के किसी प्रश्न के उत्तर में उस औरत ने जवाब दिया था, वे मेरे हैं, महाशय ।

जज

वे क्या थे ? कौन थे ?

कोकसन

उसके बच्चे बाहर थे ।

जज

आपको कैसे मालूम ?

कोकसन

हुज़ूर ! मुझसे यह बात न पूछें, वरना मुझे सब माजरा कहना पड़ेगा । यह ठीक नहीं है ।

जज

[मुसकिराते हुए]

दफ़्तर के चपरासी ने आप से सब माजरा कह दिया ।

कोकसन

जी हाँ ! जी हाँ !

फ़ोम

खैर, मैं जो पूछना चाहता हूँ, मिस्टर कोकसन, वह यह है, कि जब वह औरत मिस्टर फ़ाल्डर से मिलने के लिए आग्रह कर रही थी, उस समय उसने कोई ऐसी बात कही थी, जो आपको खास तौर से याद हो ।

कोकसन

[उसकी ओर इस तरह से देखता हुआ मानो उसे उस वाक्य को पूरा करने के लिए उत्साहित कर रहा हो]
हाँ, कुछ और कह रहा था ।

फ़ोम

या उसने कुछ नहीं कहा था ।

कोकसन

नहीं कहा था । लेकिन मैं इस प्रश्न का उत्तर देना ठीक नहीं समझता ।

प्रोम

[चिढ़ से मुसकिराकर]

क्या आप जूरी से भी नहीं कह सकते ?

कोकसन

जीने मरने का सवाल है ।

जूरी का मुखिया

क्या आपका मतलब है कि उस औरत ने यह कहा था ?

कोकसन

[सिर हिलाकर]

यह ऐसी बात है जो आप सुनना पसन्द न करेंगे ।

फ़ोम

[बेसब्र होकर]

क्या फ़ाल्डर उस औरत के सामने ही आ गया था ?

[कोकसन सिर हिलाता है]

और वह उससे भेंट करके चली गई ?

कोकसन

ऐ ! मैंने ठीक समझा नहीं, मैंने उसे जाते नहीं देखा ।

फ़ोम

तो क्या वह अब भी वहीं है ?

कोकसन

[प्रसन्नता से मुसकिलाकर]

नहीं !

फ़ोम

धन्यवाद, मिस्टर कोकसन ।

[वह बैठता है]

क्लीवर

[उठकर]

आपने कहा कि जाल के दिन अभियुक्त कुछ विचलित सा था । उसके मानी क्या, महाशय ?

कोकसन

[नर्मी से]

यह आपको खुद समझ लेना चाहिए, आपने कोई ऐसा कुत्ता देखा है—कुत्ता जो अपने मालिक से भटक गया हो—उस समय वह चारों ओर निगाह दौड़ाता है ?

क्लीवर

ठीक, मैं भी आँखों की बात पूछनेवाला था । आपने कहा, उसकी दृष्टि कुछ अजीब थी । अजीब से आपका क्या मतलब है ? विचित्र या कुछ और ?

कोकसन

हाँ, अजीब सी !

क्लीवर

[झुँझलाकर]

हाँ, यह तो ठीक है । लेकिन आपके लिए जो अजीब हो मुमकिन है वह मेरे लिए अथवा जूरी के लिए अजीब न हो । आपका मतलब क्या है डरी हुई, लजाई हुई, या गुस्से में भरी हुई ?

कोकसन

आप मेरा काम और मुश्किल कर रहे हैं । मैं एक शब्द कहता हूँ, आप उसके लिए दूसरा शब्द चाहते हैं ।

क्लीवर

[टेबिल पर हाथ रगड़ते हुए]

क्या अजीब का अर्थ पागल है ?

कोकसन

पागल नहीं—अजीब ।

क्लीवर

खैर, आपने कहा उसके गले का बटन खुला हुआ था । क्या उस दिन बहुत गर्मी थी ?

कोकसन

हाँ, शायद थी तो ।

क्लीवर

जब आपने उससे कहा, तो क्या उसने बटन लगा लिया ?

कोकसन

हाँ, शायद लगा लिया ।

क्लीवर

क्या इससे यह मालूम होता है कि उसका दिमाग ठीक नहीं था ?

[कोकसन जवाब देने को मुँह खोलकर ही रह जाता है । क्लीवर बैठ जाता है ।]

फ्रोम

[जल्दी से उठकर]

क्या आपने कभी पहिले भी उसे ऐसे अस्तव्यस्त देखा था ?

कोकसन

नहीं, वह हमेशा शांत और साफ रहता था ।

फ्रोम

बन, उतना काफ़ी है ।

[कोकसन जज की ओर घूँपकर इस प्रकार से देखता है मानो वकील भूल गया हो कि जज भी कुछ पूछेगा । फिर जब समझ जाता है कि जज कुछ नहीं पूछेगा तो उतर कर जेम्स और वाटर के बगल में बैठ जाता है ।]

फ्रोम

रुथ हनीविल ।

[रुथ हनीविल अदालत में आकर गवाहों के कंधरे में स्थिर भाव से शांत खड़ी होती है, उसका चेहरा मु झाय़ा हुआ है ।]

फ़ोम

नाम क्या है ?

रुथ

रुथ हनीविल ।

फ़ोम

उमर ?

रुथ

छब्बीस साल ।

फ़ोम

आपकी शादी हो चुकी है ? अपने पति के साथ रहती हैं ? ज़रा ज़ोर से बोलिए ।

रुथ

नहीं, जुलाई से उनके साथ नहीं रहती ।

फ़ोम

आपके बाल बच्चे हैं ?

रुथ

जी हॉ ! दो हैं ।

फ्रोम

क्या वे आपके साथ रहते हैं ?

रुथ

जी हॉ !

फ्रोम

क्या आप अभियुक्त को जानती हैं ?

रुथ

[उसकी ओर देखकर]

हॉ !

फ्रोम

आपके साथ उसका किस प्रकार का संबंध था ?

रुथ

मित्र का ।

जज

मित्र

रुथ

[भोलेपन से]

जी हौं, प्रेमी !

जज

[तीव्र स्वर से]

किस मानी में ?

रुथ

हम दोनों एक दूसरे को प्यार करते हैं ।

जज

ठीक है ! लेकिन—

रुथ

[सिर हिलाकर]

जी नहीं, और कुछ नहीं हुआ ।

जज

अभी तक कुछ नहीं—हूँ—

[रथ से फ़ाल्डर की ओर दृष्टि घुमाकर]
ठीक है !

फ़ोम

आपके पति क्या करते हैं ?

रथ

मुसाफ़िर हैं ।

फ़ोम

आप दोनों में कैसी पटनी है ?

रथ

[मिर झिलाकर]

वह कहने की बात नहीं है ।

फ्रोम

क्या वह तुम्हारे साथ बुरा व्यवहार करते थे या और कोई बात है ?

रुथ

हाँ, पहिले बच्चे के बाद से ही ।

फ्रोम

किस प्रकार ?

रुथ

यह मैं नहीं कह सकती—हर तरह से ।

जज

मुझे डर है, आप यह-सब नहीं कह सकते ।

रुथ

[फ्रान्डा की ओर इशारा करके]

उन्होंने मुझे अपनी शरण में लेने का वचन दिया ।
हम दक्षिण अमरीका जानेवाले थे ।

फ़ोम

[जल्दी से]

हाँ, ठीक है । और फिर अड़चन क्या पड़ी ?

रुथ

मैं दफ़्तर के बाहर ही खड़ी थी कि वह पकड़ लिए गए । इससे मेरा दिल टूट सा गया ।

फ़ोम

तो आप जान गई थीं कि वह गिरफ़्तार कर लिया गया ?

रुथ

जी हाँ, मैं उसके बाद दफ़्तर में गई थी, और उन्होंने—

[कोक्सन की ओर इशारा करके]

मुझे सब बतला दिया ।

फ़ोम

अच्छा क्या आपको ७ वीं जुलाई की बात याद है ?

रुथ

हाँ ।

फ़ोम

क्यों ?

रुथ

उसदिन मेरे पति ने मेरा गला घोंट डालना चाहा था ।

जज

गला घोंट डालना चाहा था ?

रुथ

[सिर नीचा करके]

जी हाँ ।

फ़ोम

हाथ से या किसी—

रुथ

हाँ, मैं किसी प्रकार वहाँ से भाग आई, और अपने मित्र से मिली । उस समय ठीक आठ बजे थे ।

जज

सबेरे ? तुम्हारे पति उस समय शराब के नशे में तो नहीं थे ?

रुथ

हमेशा शराब के नशे में ही नहीं मारते थे ।

फ्रोम

आप उस समय किस हालत में थीं ?

रुथ

बहुत बुरी हालत में । मेरे कपड़े सब फट रहे थे, और मेरा दम घुट रहा था ।

फ्रोम

क्या आपने अपने मित्र से यह माजरा कहा था ?

रुथ

हाँ, कहा था । अब समझती हूँ, अगर न कहती, तो अच्छा होता ।

फ्रोम

क्या यह सुनकर वह आपे से बाहर हो गया था ?

रुथ

बुरी तरह !

फ्रोम

उसने किसी चेक के बारे में कभी आप से कुछ कहा था ?

रुथ

कभी नहीं ।

फ्रोम

उसने कभी आपको रुपए भी दिए थे ?

रुथ

हाँ, दिए थे ।

फ्रोम

किस दिन ?

रुथ

शनिवार के दिन ।

फ्रोम

८ तारीख को ।

रुथ

मेरे और बच्चों के लिए कपड़े खरीदने और चलने की तैयारी करने के लिए ।

फ्रोम

क्या इससे आपको आश्चर्य हुआ था ?

रुथ

किस बात से ?

फ्रोम

कि उसके पास तुम्हें देने को रुपए निकल आए ।

रुथ

हाँ, हुआ था । इसलिए कि जब मेरे पति ने मुझे मारा था उस दिन सवेरे मेरे मित्र राने लगे थे कि उनके

पास रुपए नहीं हैं जो वे मुझे कहीं ले चले। बाद को उन्होंने मुझसे कहा था कि अचानक उनकी किस्मत खुल गई है।

फ़ोम

आपने उनको आखिरी बार कब देखा ?

रुथ

जब वे पकड़ लिए गए। यही दिन हमारे रवाना होने का था।

फ़ोम

अच्छा, क्या आप से उसकी मुलाकात शुक्रवार और उस दिन के बीच में और भी कभी हुई थी ?

[रुथ सिर हिलाकर कबूल करती है]

उस समय उसकी क्या हालत थी ?

रुथ

गूँगे के समान। कभी कभी तो उसके मुँह से एक शब्द भी नहीं निकलता था।

फ़ोम

मानो कोई असाधारण बात हो गई हो ?

रुथ

हाँ !

फ़ोम

रंज की, खुशी की, या और किसी बात की ?

रुथ

जैसे उनके सिर पर कोई विपत्ति मँडरा रही हो !

फ़ोम

[कुछ हिचककर]

मैं पृष्ठ सकता हूँ कि तुम्हें उससे बहुत प्रेम था ?

रुथ

[सिर नवाकर]

हाँ ।

फ़ोम

क्या वह भी आपसे बहुत प्रेम करता था ?

रुथ

[फाल्डर की ओर देखकर]

हाँ, साहब !

फ़ोम

अच्छा जी, आपका क्या विचार है ? आपको ख़तरे और आफ़त में देखकर वह बदहवास हो गया और उसका अपने ऊपर काबू न रहा या और कुछ ?

रुथ

हाँ, यही बात है ।

फ़ोम

भले बुरे का ख़याल भी जाता रहा ।

रुथ

हाँ, कुछ देर के लिए अवश्य ।

फ़ोम

अच्छा, क्या शुक्रवार को वह बहुत घबड़ाया हुआ था या साधारण दशा में ?

रुथ

बहुत ही घबड़ाए हुए । मैं उन्हें अपने पास से जाने न देती थी ।

फ़ोम

क्या आप अब भी उसे चाहती हैं ?

रुथ

[फ़ाल्डर की ओर देखकर]

उन्होंने मेरे लिए अपना सत्यानाश कर लिया ।

फ़ोम

धन्यवाद !

[वह बैठ जाता है, रुथ वहीं पर अविचलित भाव से सीधी खड़ी रहती है ।]

क्रीवर

[लेहाज़ में]

जब शुक्रवार सात तागीख के सवेरे आप उनसे बिदा हुईं, उस समय वह होशहवास में थे ?

रुथ

जी हों !

क्रीवर

धन्यवाद ! मुझे आपसे और कुछ नहीं पूछना है।

रुथ

[जूरी की ओर कुछ झुककर]

शायद मैं भी उनके लिए ऐसा ही कर सकती थी, अवश्य कर सकती थी।

जज

जरा ठहरो, तुम कहती हो कि तुम्हारा विवाहित जीवन बिलकुल सुख रहित है। दोनों ही का दोष होगा।

रुथ

मेरा दोष है कि मैं कभी उसकी खुशामद नहीं करती ।
ऐसे आदमी की खुशामद करेंगी क्यों ?

जज

तुम उनका कहना नहीं मानती होगी ।

रुथ

[प्रश्न को टालकर]

मैं हमेशा उसकी इच्छा के अनुसार काम करती रही हूँ ।

जज

मुलजिम से जान पहिचान होने के पहिले तक ?

रुथ

नहीं, बाद को भी ।

जज

मैं यह सवाल इसलिए पूछ रहा हूँ कि तुम मुलजिम
से प्रेम करना निंदा की बात नहीं समझती ?

रथ

[हिचक कर]

कदापि नहीं, मेरे जीवन का यही आधार है ।

जज

[कड़ी निगाह से देखकर]

अच्छा, अब तुम जा सकती हो ।

[रथ फाल्डर की ओर देखती है, फिर धीरे धीरे उतर कर गवाहों में जाकर बैठ जाती है ।]

फ्रोम

मैं अब मुलजिम को बुलाता हूँ, हुज़ूर !

[फाल्डर कटघरे में से उतर कर गवाहों के कटघरे में जाता है । बाकायदा क्रमम दिलाई जाती है ।]

फ्रोम

तुम्हारा नाम क्या है ?

फ़ाल्डर

विलियम फ़ाल्डर ।

फ़ोम

और उम्र ?

फ़ाल्डर

तेईस साल ।

फ़ोम

तुम्हारी शादी नहीं हुई है ?

[फ़ाल्डर सिर हिलाकर इनकार करता है]

फ़ोम

उस महिला को तुम कितने दिनों से जानते हो ?

फ़ाल्डर

छः महीने से ।

फ़ोम

उसने तुम्हारे साथ अपना जो रिश्ता बतलाया है, क्या वह ठीक है ?

फाल्डर

हों।

फ्रोम

तो तुम्हें उससे गहरा प्रेम है। क्यों ?

फाल्डर

हों।

जज

यह जानते हुए भी कि उसकी शादी हो गई है ?

फाल्डर

हुजूर, मैं लाचार हो गया।

जज

लाचार हो गए ?

फाल्डर

हुजूर, मैं अपने को सँभाल न सका।

जज

[जज कंधा हिलाता है]

फ़्रोम

तुमसे उससे जान पहिचान कैसे हुई ?

फ़ाल्डर

मेरी एक विवाहिता बहिन के जरिए ।

फ़्रोम

क्या तुम जानते थे कि अपने पति के साथ वह सुखी थी, अथवा नहीं ?

फ़ाल्डर

उसे कभी सुख नहीं मिला ।

फ़्रोम

क्या तुम उसके पति को जानते थे ?

फाल्डर

हाँ, केवल उसी के द्वारा मैंने जाना था वह नरपशु है ।

जज

मैं नहीं चाहता पड़ोस में किसी आदमी को गालियाँ दी जायँ !

फ्रोम

[मिर झुकाकर]

जैसी हुजूर की आज्ञा !

[फाल्डर से]

क्या तुम इस चेक में रद्दोबदल स्वीकार करते हो ?

[फाल्डर सिर झुका लेता है]

फ्रोम

तारीख ७ जुलाई की बात याद करो और जूरी से उस दिन की घटना बयान करो ।

फाल्डर

[जूरी की ओर देखकर]

मैं सवेरे अपना नाश्ता कर रहा था जब वह आई । उसके सारे कपड़े फटे हुए थे, वह हाँफ रही थी मानो साँस लेने में उसे कष्ट हो रहा हो । उसके गले पर पुरुष की उँगलियों के निशान थे । उसकी बाँहों में चोट आ गई थी । और खून जम गया था । मैं उसकी यह दशा देखकर डर गया । उसके बाद उसने सब हाल मुझसे कहा । मुझे ऐसा मालूम होने लगा—ऐसा मालूम होने लगा । और वह मैं बयान नहीं कर सकता । मेरे लिए वह असह्य था ।

[एकाएक तन कर]

आप उसे देखते, और आपके दिलमें भी उसके लिए मेरी जैसी मुहब्बत होती तो आप भी मेरे ही समान व्याकुल हो जाते ।

फोम

अच्छा !

फाल्डर

वह मेरे पास से चली गई क्योंकि मुझे दफ़्तर जाना था । तो इस भय से मेरे होश उड़े थे कि कहीं वह फिर उस पर अत्याचार न करे । सोच रहा था क्या करूँ । मैं काम न कर सका । रात दिन इसी तरह बीत गया । किसी काम में जी ही न लगता था । सोचने की शक्ति न थी । चुपचाप बैठा न जाता था । ठीक उसी समय डेविस मेरे पास आया, और चेक देकर बोला, फाल्डर जाओ, ज़रा बैंक से रुपए लेते आओ ; शायद हवा में फिर आने से तुम्हें कुछ आराम मिले । मालूम होता है तुम्हारी आधी जान निकल गई है । फिर जब वह चेक मेरे हाथ में आया मैं नहीं जानता मुझे क्या हुआ । न जाने क्योंकर मेरे मन में आया कि अगर टी वाई जोड़कर अंक के आगे एक बिंदी लगा दूँ तो रुथ को वहाँ हटा ले जाने के लिए रुपए हो जायँगे । वह बात मेरे दिमाग में आई और चली गई । मुझे फिर कुछ याद नहीं कि डेविस के जाने के बाद मैंने क्या किया । केवल जब केशियर को मैंने चेक दिया, तो उसने पूछा था कि

क्या नोट दू ? तब शायद मुझे मालूम हुआ कि मैंने क्या किया। जब मैं बाहर आया, तो जी में आया किसी मोटर के नीचे दबकर मर जाऊँ। मैंने चाहा रुपयों को फेंक दूँ, लेकिन फिर मुझे उसकी याद आई और मैंने उसे बचाने की ठान ली। चाहे कुछ भी हो, यह सच है कि सफर के टिकट के रुपए और जो कुछ मैंने उसको दिए थे सब मिट्टी में मिल गए। लेकिन बाक़ी रुपए मैंने बचा लिए हैं, मैं सोच रहा हूँ मैंने यह काम कैसे किया, क्योंकि यह मेरा स्वभाव नहीं है।

[फ़ाल्डर चुप हो जाता है और हाथ मलता है।]

फ़ोम

तुम्हारे आफ़िस से बैंक कितनी दूर है ?

फ़ाल्डर

कोई पचास गज़ से अधिक न होगा।

फ़ोम

डेमिस के चले जाने के बाद से तुम्हारे चेक मुनाने में कितना समय लगा होगा ?

फाल्डर

चार मिनट से ज्यादा न लगे होंगे, क्योंकि मैं दौड़ता हुआ गया था ।

फ्रोम

क्या चार मिनट के भीतर का हाल तुम्हें याद नहीं ?

फाल्डर

जी नहीं, सिवाय इसके कि मैं दौड़ता हुआ गया था ।

फ्रोम

टो वाई और बिन्दी का जोड़ना भी तुम्हें याद नहीं ।

फाल्डर

जी नहीं, मैं सच कहता हूँ ।

[फ्रोम बैठता है और क्लीवर उठता है ।]

कृीवर

लेकिन तुम्हें याद है कि तुम दौड़े थे ?

फाल्डर

जब मैं बैंक पहुँचा, उस समय मेरा दम फूल रहा था ।

कृीवर

और तुम्हें चेक का बदलना याद नहीं ?

फाल्डर

[धीरे से]

जी नहीं !

कृीवर

मेरे मित्र ने जो विलक्षणता का आवरण डाल रक्खा है उसे हटा देने से क्या वह साधारण जालसाजी के सिवा और कुछ हो सकता है ? बोलो ।

फ़ाल्डर

मैं उस दिन आधा पागल हो रहा था, जनाब ।

क़ीवर

ठीक, ठीक ! लेकिन तुम इनकार नहीं कर सकते कि टी. वाई. और सिफ़र बाक़ी लिखावट के साथ ऐसा मिल गया था, कि ख़ज़ांची धोखा खा गया ।

फ़ाल्डर

संयोग था ।

क़ीवर

[खुश होकर]

विचित्र का संयोग था, क्यों ? मुसन्ने को तुमने कब बदला ?

फ़ाल्डर

[सिर झुकाकर]

बुधवार के दिन ।

कृीवर

क्या वह भी संयोग था ?

फ़ाल्डर

[क्षीण स्वर से]

जी नहीं ।

कृीवर

यह काम करने के लिए तुम अवश्य मौक़ा ढूँढते रहे
होगे । क्यों ?

फ़ाल्डर

[आवाज़ मुश्किल से सुनाई पड़ती है]

हाँ ।

कृीवर

तुम यह तो नहीं कहते, कि काम करते वक़् भी तुम
बहुत उत्तेजित थे ?

फ़ाल्डर

मेरे सिर पर भूत सवार था ।

ह्रीवर

पकड़े जाने के डर से ?

फ़ाल्डर

[बहुत धीरे]

हाँ !

जज

क्या तुमने यह नहीं सोचा कि अपने मालिकों से सारी बातें कहकर रुपए लौटा देना ही तुम्हारे लिए अच्छा होगा ?

फ़ाल्डर

मैं डरता था ।

[सब चुप हो जाते हैं]

क्रीवर

निःसंदेह तुम्हारी इच्छा थी कि तुम इसके बाद उस औरत को भगा ले जाओगे ।

फाल्डर

जब मुझे मालूम हुआ कि मैंने ऐसा काम कर डाला, तो उसका उपयोग न करना गुनाह वेलज्जत था । इससे तो कहीं अच्छा नदी में डूब कर मर जाना था ।

क्रीवर

तुम जानते थे कि क्लर्क डेविस इंग्लैंड से जा रहा है । जब तुमने चेक बदला था तब क्या तुम्हें नहीं सूझा था कि सब का शक डेविस पर होगा ?

फाल्डर

मैंने पल भर के भीतर सब काम किया । हाँ, बाद को यह बात मेरी समझ में आई थी ।

क्रीवर

और फिर भी तुम से अपनी गलती जाहिर न की गई ?

फाल्डर

[उदासी से]

मैंने सोचा था वहाँ पहुँच कर मैं सब कुछ लिख भेजूंगा । मेरी इच्छा रुपए को चुका देने की थी ।

जज

लेकिन इसी बीच में तुम्हारा निर्दोषी मित्र क्लर्क गिरफ्तार हो सकता था ।

फाल्डर

मैं जानता था, कि वह बहुत दूर है, हज़ूर । मैंने सोचा था कि वक्त मिल जायगा । इतनी जल्दी बात जाहिर हो जायगी यह मुझे खयाल ही नहीं था ।

फ़ोम

शायद हुज़ूर को याद दिलाना बेजा न होगा, चेक बुक मिस्टर वाल्टर हो के पास डेविस के चले जाने के बाद तक था । अगर यह जालसाज़ी एक दिन बाद पकड़ी जाती, तो फ़ाल्डर भी चला गया होता । इससे शक भी फ़ाल्डर पर ही होता न कि डेविस पर ।

जज

सवाल यह है कि मुलज़िम को यह बात मालूम थी या नहीं कि शक उसपर होगा न कि डेविस पर ?

[फ़ाल्डर से तीव्र स्वर में]

क्या तुम जानते थे चेक मिस्टर वाल्टर हो के पास डेविस के चले जाने के बाद तक था ?

फ़ाल्डर

मैं—मैं—मैंने सोचा था—वह—

जज

देखो सच-सच बोलो, हों या नहीं ।

फाल्डर

[बहुत आहिस्ते]

नहीं हुआ यह, मैं नहीं जानता था ।

जज

यहाँ तुम्हारी बात कट जाती है, मिस्टर फ्रोम ।

[फ्रोम मिर झुकाता है]

क्लीवर

क्या ऐसी सनक तुम्हें पहले भी कभी सवार हुई थी ?

फाल्डर

[कातर भाव से]

जी नहीं ।

क्लीवर

तीसरे पहर तुम इतने स्वस्थ हो गए थे कि फिर तुम उस समय पूरे तौर से काम पर वापस अपना काम करने के लिए गए ।

फाल्डर

हाँ, मुझे रुपया लेकर आफिस से वापस जाना था ।

क्लीवर

तुम्हारा मतलब नौ पाउंड से है । तुम्हारा होश तो इतना ठीक था । कि तुम्हें यह खूब अच्छी तरह याद थी फिर भी तुम कहते हो कि तुम्हें चेक के अंक बदलने की बात याद नहीं ।

फाल्डर

अगर मैं उस समय पागल न होता, तो मैं कभी भी यह काम करने की हिम्मत न करता ।

फ़ोम

[उठकर]

क्या वापस जाने के पहिले तुमने अपना खाना खाया था ?

फाल्डर

नहीं, मैंने दिन भर कुछ नहीं खाया था । और रात को नींद भी मुझे नहीं आई ।

फ्रोम

अच्छा, डेविस के जाने और नोट भुनाने के बीच जो चार मिनट बीते थे, उसकी बात क्या तुम्हें बिलकुल याद नहीं है ?

फाल्डर

[एक मिनट ठहरकर]

मुझे केवल यह याद है कि उस समय मिस्टर कोकसन का चेहरा मुझे याद आ रहा था ।

फ्रोम

मिस्टर कोकसन का चेहरा ? उससे और तुम्हारे काम से क्या संबंध ?

फाल्डर

नहीं, महाशय ।

फ्रोम

क्या तुम्हें आफिस में जाने के पहले भी वही बात याद थी ?

फाल्डर

हाँ ! उस समय बाहर दौड़ते समय भी ।

फ्रोम

और क्या उस समय तक ही याद था जब खजानांची ने तुम से कहा “क्या नोट लेंगे” ?

फाल्डर

हाँ, उसके बाद मुझे हाश आ गया । लेकिन तब सोचना बेकार था ।

फ्रोम

धन्यवाद ! बस सफाई के सब गवाह गुजर चुके ।

[जज सिर हिलाता है । फाल्डर अपनी जगह पर वापस आता है ।]

फ्रोम

[कागज़ बगैरह सँभालकर]

हुजूर और जूरी गए, मेरे मित्र ने अपनी जिरह में इस सफाई का मजाक उड़ाने की कोशिश की है जो इस

मामले में हमारी तरफ से पेश की गई है। मैं जानता हूँ कि जो गवाह पेश किए गए हैं उससे अगर आपके दिलमें यह यक़ीन न हो गया हो कि मुलज़िम ने यह काम केवल एक क्षणिक दुर्बलता के कारण किया है, और दरअसल उसको इसके लिए ज़िम्मेदार नहीं कहा जा सकता तो मेरे कथन का भी कुछ असर आप पर नहीं पड़ेगा। उसके हृदय में जो भयानक उथल पुथल था, उसने उसकी मानसिक और नैतिक शक्तियों को ऐसा कुचल डाला कि उसे एक क्षणिक पागलपन कहा जा सकता है। मेरे मित्र ने कहा है मैंने इस मामले पर विलक्षणता का आवरण डालने की कोशिश की है। महोदय गण, मैंने ऐसी कोशिश नहीं की। मैंने केवल जीवन का वह आधार दिखाया है—उस अस्थिर जीवन का, जो प्रत्येक पाप का कारण होता है, चाहे मेरे मित्र उसकी कितनी हँसी क्यों न उड़ाएँ। महाशयगण, हम इस समय एक ऐसे सभ्य युग में पहुँच गए हैं कि किसी प्रकार के भीषण अत्याचार का दृश्य हमारे दिल पर एक स्त्रास असर डाले बिना नहीं रहता, चाहे हमारे साथ उस मामले का कुछ भी संबंध न हो। पर अगर हम ऐसा अत्याचार एक औरत पर होते देखें, और

वह ऐसी औरत हो जिसे हम प्यार करते हैं, तब क्या होगा ? सोचिए, यदि मुलजिम की दशा में आप होते, तो किस प्रकार का भाव आपके मनमें उत्पन्न होता ? इस बात को सोचिए और तब उसके मुँह की ओर देखिए । वह उनके फिक्कों में और बेहयाओं में नहीं है जो उस औरत पर जिसे वह प्यार करता है पैशाचिक अत्याचार के चिह्न देखें और विचलित न हों । हाँ महाशयगण, देखिए उसके मुख पर दृढ़ता नहीं है । और न उसके चेहरे से पाप ही झलक रही है । यह एक ऐसा साधारण चेहरा है जो बड़ी आसानी से अपने भावों के वशीभूत हो जाता है । उसकी आँखों का हाल भी आपने सुना है । मेरे मित्र चाहे 'अजीब' शब्द पर हँस उठें, लेकिन दर असल ऐसी अवस्थाओं में मनुष्यों की आँखों में जो चंचलता आ जाती है वह सिवाय "अजीब" के और कुछ नहीं कही जा सकती । याद रखिए, मैं यह नहीं कहता कि उसकी मानसिक दुर्बलता क्षणिक अंधकार की झलक मात्र नहीं थी जिसमें धर्म और अधर्म का ज्ञान लुप्त हो गया लेकिन मैं यह कहता हूँ कि जिस तरह कोई मनुष्य ऐसी परिस्थिति में आत्महत्या कर लेने पर आत्म

हत्या के दोष से मुक्त हो जाता है, उसी भाँति वह इस अव्यवस्थित दशा में दूसरे अपराध भी कर सकता है, और करता है। इस कारण उसको अपराधी न कहकर एक मरीज कहना चाहिए और उसके इलाज का प्रबंध भी करना चाहिए। मैं मानता हूँ इस तर्क का दुरुपयोग किया जा सकता है। परिस्थिति को देखकर ही इसका निर्णय करना चाहिए। लेकिन यह एक ऐसा भावना है, जिसमें आपको सन्देह का फल अपराधी को देना चाहिए। आपने सुना होगा मैंने अपराधी से प्रश्न किया था कि उसने उन अभागे चार मिनट में क्या सोचा था। उसने क्या जवाब दिया ? “मुझे मिस्टर कोकसन का चेहरा याद आ रहा था”। महाशयगण, कोई आदमी बनावटी तौर से ऐसा जवाब नहीं दे सकता। इसपर सत्य की एक गम्भीर छाप लगी हुई है। जो औरत आज अपनी जान को भी जोखिम में डालकर यहाँ गवाही देने आई है, उसके साथ अपराधी का जो प्रेम है, चाहे उचित हो या न हो, वह भी आप से अब छिपा नहीं है। जिस दिन उसने यह काम किया था उस दिन वह कितना घबड़ाया हुआ था इसमें तो कोई सन्देह करना असम्भव है। इस प्रकार के दुर्बल

और भाव प्रबल आदमी का ऐसी दशा में कितना पतन हो सकता है यह हम सब को अच्छी तरह मालूम है। यह सारा काम केवल एक मिनट में हुआ। बाक़ी काम ठीक वैसे ही हुआ, जैसे छुरा भोंकने के बाद आदमी मर जाता है या सुराही उलट देने से पानी गिर पड़ता है। आपको यह बतलाने की जरूरत नहीं। जीवन में कोई बात इतना दुखदाई नहीं है जितनी यह कि जो हो चुका वह मेटा नहीं जा सकता। एक बार जब चेक पर अंक बदल दिया गया और उसके रुपये मिल गए जो चार भयंकर मिनटों का काम था, तो चुप साध लेने के सिवा और क्या किया जा सकता था ? लेकिन उन चार मिनटों में यह आदमी जो आपके सामने खड़ा है उस पिंजड़े में आकर फँस गया जो आदमी को बेदारा नहीं छोड़ता। उसके बाद के काम—उसका अपराध स्वीकार न करना, मुसन्ने को बदलना, भागने की तैयारी करना—इनसे यह नहीं सिद्ध होता कि उसने दृढ़ पापमय संकल्प से ये काम किए, जो मूल आचरण के फलमात्र थे। बल्कि इनसे केवल उसके चरित्र की दुर्बलता सिद्ध होती है। और यही उसकी विपत्ति का कारण है। लेकिन क्या हमें केवल इस लिये उसे पतित

कर देना चाहिए कि वह जन्म और शिक्षा से दुर्बल चरित्र है। महोदय गण, इस अपराधी की तरह हजारों आदमी हमारे कानून की चक्की में रोज़ पिसकर मर रहे हैं। केवल इस लिये कि हममें वह इन्सानियत की आँख नहीं है जिससे हम देखें कि वे अपराधी नहीं केवल मरीज हैं। यदि मुलजिम का अपराध साबित हो गया और उसके साथ पाप में सने प्राणियों का सा व्यवहार किया गया तो वह सचमुच ही एक अपराधी बन जायगा, जैसा हम अपने अनुभव से कह सकते हैं। मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि ऐसी व्यवस्था न दीजिए जो उसे जेल में ले जाकर हमेशा के लिए दारा लगा दे। महोदयगण ! न्याय एक यंत्र है जिसे यदि कोई चला दे तो फिर वह अपने ही आप चलता रहता है। क्या हम इस व्यक्ति को दरअसल उस मशीन के नीचे दबा कर चकना चूर कर देंगे ? और वह इस लिये कि दुर्बलता के वशीभूत होकर उसने एक भूल की है। क्या आप उसे उन अभागों मल्लाहों का एक सदस्य बनाना चाहते हैं जो उन अँधेरे और भीषण जहाजों को चलाते हैं जिन्हें हम जेलखाना कहते हैं ? क्या उसे वह यात्रा शुरू करनी होगी जहाँ से शायद ही कोई

लौटता हो ? या फिर उसे एक बार समय देना चाहिए कि सुबह का खोया हुआ शाम को भी लौट आता है, या नहीं ? मैं आप लोगों से अर्ज करता हूँ कि उस नौ जवान की जिन्दगी का बरबाद न कीजिए । यह सारी बरबादी उन्हीं चार मिन्टों का फल है । घोर सर्वनाश उसकी ओर मुंह खोले खड़ा है । अभी यह बच सकता है । आज आप उसे अपराधी की तरह सजा दे दीजिए और मैं आप से कह देता हूँ कि वह हमेशा के लिए हाथ से निकल जायगा । न तो उसका चेहरा और न उसका रंग ढंग यह कह सकता है कि वह उस अग्नि-परीक्षा से बच निकलेगा, उसके अपराध को एक पलड़े में तौलिए और दूसरे पर उसके उन कष्टों को तौलिए जो वह पा चुका है । आपको मालूम होगा कि कष्टों का पलड़ा दस गुना अधिक भारी हो गया । दो महीने से वह हवालात में सड़ रहा है । क्या सम्भव है वह इसे भूल जायगा ? इस दो महीने में उसके हृदय को जो दुःख हुआ होगा उसे सोचिए । आप यत्नीन रखिए कि उसकी सजा काफ़ी हो गई । न्याय की भीषण चक्की इसको तभी से पीसने लगी है जब से इसका गिरफ्तार होना तय हो चुका था । यह उसकी सजा की

दूसरी मंजिल चला रही है। यदि आप तीसरी पर इसे ले जानेकी चेष्टा करेंगे तो मैं आगे कुछ नहीं कहना चाहता।

[अपनी उँगली और अँगूठे को मिलाकर एक दायरा बनाता है, फिर हाथ को नीचा कर लेता है और बैठ जाता है।]

[जूरी एक दूसरे का मुँह देखकर सिर हिलाते हैं, फिर सरकारी वकील की ओर देखते हैं। वह उठता है और अपनी आँखें ऐसी जगह गड़ा कर जिससे उसे कुछ सुविधा मालूम पड़ती है बार बार आँखें फेर कर जूरी की ओर देखता जाता है।]

क़ीवर

हुजूर !

[पंजे के बल खड़े होकर]

और जूरी गए ! इस मामले की घटनाओं पर कोई आपत्ति नहीं की गई और मेरे मित्र क्षमा करें, सफाई जो दी गई है वह इतनी कमजोर है कि मैं फिर गवाहों के बयान की आलोचना करके आपका समय नहीं खराब करना चाहता। सफाई में क्षणिक पागलपन की दलील पेश की गई है, और क्यों यह बे सिर पैर की सफाई पेश की गई ? शायद आप मुझे माफ़ करें, मैं आप से

ज्यादा अच्छी तरह जानता हूँ । ऐसी सफाई को बे सिर पैर के सिवा और क्या कहा जाय ? कसूर को इकबाल कर लेना ही दूसरा रास्ता था । महोदयगण ! अगर अपराध स्वीकार कर लिया गया होता, तो मेरे मित्र को हुजूर की सीधी सादी दया की प्रार्थना करने के सिवा और कोई उपाय न था । परन्तु उन्होंने ऐसा न करके इस मामले की कतर-ब्योत की है, और यह सफाई गढ़ डाली है जिससे उन्हें त्रिया-चरित्र की बानगी दिखाने एक स्त्री को गवाह के कट-घरे में खड़ा करने और इसे एक करुणप्रेम के रंग में रंगने का अवसर दे दिया है । मैं अपने मित्र की इस सूझ बूझ की तारीफ़ करता हूँ । इससे उन्होंने किसी हद तक क़ानून से बचने की कोशिश की है । शायद और किसी तरह वह प्रेरणा और चिन्ता के सारे किस्से को अदालत के सामने इस प्रकार न खड़ा कर सकते । लेकिन महोदयगण ! एक बार जब आपको असली बात मालूम हो गई, तब आप सारी बात जान गए ।

[सहृदय उपेक्षा के साथ]

अच्छा, इस पागलपन की दलील को देखिए । पागलपन के सिवा हम इसे कुछ नहीं कह सकते । आपने उस

औरत का बयान सुना है। वह कैदी के हक में गवाही देगी इसमें कुछ आश्चर्य की बात नहीं। फिर भी उसने क्या कहा था, आपको मालूम है ? उसने कहा—जब उसने कैदी से विदा ली थी उस समय वह किसी तरह अव्यवस्थित न था। अगर चिन्ताओं ने उसे अशान्त कर दिया था तो वही एक ऐसा वक्त था, जब उसके मन की अशान्ति प्रगट होती। सफ़ाई के दूसरे गवाह मैनेजिंग क्लर्क की गवाही भी आपने सुनी जो उन्होंने कैदी के हक में दी थी। कुछ कठिनाई के बाद मैं उससे कबूल करा पाया हूँ कि डेविस को चेक देते वक्त मुलज़िम कुछ अस्थिर (उनका विचार ऐसा मालूम होता था कि आप इस शब्दका आशय समझ जायेंगे और यकीन है, महाशयगण आप समझ गए होंगे) होने पर भी पागल नहीं था। अपने मित्र की भौंति मुझे भी दुःख है कि डेविस यहाँ नहीं है। लेकिन मुलज़िम ने वे शब्द कहे हैं जो डेविस ने उन्हें चेक देते समय कहे थे। अवश्य ही वह इस समय पागल नहीं था, नहीं तो वह इन शब्दों को ज़रूर भूल जाता। खज़ांची ने भी कहा है कि चेक भुनाते वक्त उसके होश हवास बिलकुल ठीक थे। इस लिये इस सफ़ाई का मतलब यह हुआ कि एक आदमी जो

एक बजकर १० मिनट पर स्वस्थ था और एक बजकर १५ मिनट पर भी ठीक था वह अपने को इस समय के बीच में केवल अपराध की सजा पाने के डर से पागल कह रहा है। महाशय, यह दलील इतनी लचर है कि मैं ज्यादा बक-वाद करके आपका समय नष्ट नहीं करना चाहता। आप स्वयं निश्चय कर सकते हैं कि उसका क्या मूल्य है। मित्र ने यह आधार लेकर जवानी, प्रलोभन, आदि के विषय में बहुत कुछ कहा है और बड़े सुन्दर शब्दों में कहा है। परन्तु मैं केवल इतना ही याद दिलाता हूँ कि मुलजिम ने जो अपराध किया है कानून की दृष्टि से बहुत भारी अपराध है। साथ ही इस मामले में कुछ और भी विचार करने की बात है। जैसे मुलजिम का अपने साथ के निर्दोषी क्लर्क पर शक करवाने की कोशिश करना, दूसरे की ब्याही हुई औरत के साथ रिश्ता रखना, इत्यादि। इन सब बातों से आपके लिए इस सफाई को अधिक महत्त्व देना कठिन हो जायगा। सारांश यह कि मैं आपसे मुलजिम को दोषी स्वीकार करने की प्रार्थना करता हूँ, जो इन सारी बातों को देखते हुए आपके लिए लाजिम हो गई है।

[दृष्टि को जज और जूरी की ओर से फेरकर, फ्राइडर की ओर घुमाता है, फिर बैठ जाता है ।]

जज

[जूरी की ओर कुछ झुककर और हाकिमाना अंदाज़ से]

जूरीगण, आपने गवाहों के बयान और उनपर जिरह सुन ली है। मेरा काम केवल यही है कि मैं आपके सामने वह तनक़ीहें रख दूं जिनपर आपको विचार करना है। यह बात तो स्वीकार करही ली गई है कि चेक और मुसन्ने के अंकों को मुलज़िम ने बदला। अब सफ़ाई यह दी गई है कि मुलज़िम ने जब यह अपराध किया, उस समय वह अपने होश हवास में न था। जहाँ तक पागलपन की बात है आपने मुलज़िम का सारा किस्सा और दूसरे गवाहों के बयान भी सुन लिए। अगर इन बातों से आप इस नतीजे पर पहुँचें कि जाल करते वक्त मुलज़िम पागल था तो आप यही कह सकते हैं कि मुलज़िम अपराधी है लेकिन वह पागल था। और यदि आपको यह विश्वास हो कि मुलज़िम का दिमाग ठीक था (याद रखिए पूरा पागल होना ज़रूरी है) तो आप उसे अप-

राधी ठहरायेंगे। उसके मन की दशा के विषय में जो शहादतें हैं, उनपर विचार करते समय आप बहुत होशियारी से जालसाजी के पहिले और पीछे मुलजिम के रंग ढंग और चाल ढाल पर ध्यान रखें। खुद मुलजिम की, उस औरत की, कोकसन की, और केशियर की शहादतों से क्या सिद्ध होता है? इस विषय में मैं आपको यह भी याद दिलाना चाहता हूँ कि मुलजिम ने कबूल किया है कि टी वाई और सिफर (ty and the nought) को जोड़ने की बात चेक हाथ में आते ही उसके मन में आ गई थी। मुसन्ने के बदलने के बाद उसका आचरण कैसा था इसे भी ध्यान में रखिए। इन सब बातों का पूर्व-निश्चय के प्रश्न से जो सम्बन्ध है वह खुला हुआ है। और पूर्वनिश्चय स्वस्थ दशा में ही हो सकता है। उसकी उम्र और चित्त की चञ्चलता इत्यादि बातों पर विचार करके आपको उसके साथ रियायत करने की जरूरत नहीं। आप यदि उसे उस दोषी के साथ पागल निर्णय करें, तो यह सोच देखें कि वह पागलपन उसका उस लायक था या नहीं कि उस वक्त वह पागलखाने भेज दिया जाता।

[वह रुक जाता है, फिर जूरी के मेम्बरों को दुबिधे में पड़ा हुआ देखकर कहता है ।]

अब आप चाहें तो अलग जा सकते हैं ।

[जज के पीछे के दरवाज़े से जूरी चले जाते हैं, जज कुछ क्राइज़ों को सिर झुकाकर देखने लगता है, फ़ाल्डर अपने कटघरे से झुकाकर अपने वकील से घबड़ाए हुए स्वर में रुथ की ओर संकेत कर कुछ बात करता है । वकील उसे सुनकर फ़ोम से कहता है ।]

फ़ोम

[उठकर]

हुज़ूर, मुलजिम ने मुझे आपसे यह अर्ज करने को कहा है कि आप कृपा करके रिपोर्टरों से कह दें कि वे अख़बार में उस गवाह औरत का नाम इस मामले की कार्यवाही की रिपोर्ट में न छापें । शायद हुज़ूर समझ सकते हैं कि नतीजा उसके लिए कितना बुरा हो सकता है ।

जज

[चोट करते हुए हलकी सी मुसकिराहट के साथ]

लेकिन मिस्टर फ़ोम, आप इन बातों को जानते हुए भी उसे यहाँ लाए हैं न ?

फ़ोम

[सन्देह के साथ सिर झुकाकर]

क्या हुज़ूर समझते हैं कि और किसी प्रकार मैं
मामले को साफ़-साफ़ पेश कर सकता था ?

जज

हैं ! खैर ।

फ़ोम

हुज़ूर, दर असल उसपर बड़ी भारी आफ़त आ
जायगी ।

जज

यह कोई कारण नहीं है कि मैं आपकी बात पर
ध्यान दूं ।

फ़ोम

हुज़ूर, इतनी दया करें । मैं यक़ीन दिलाता हूँ, कि मैं
अत्युक्ति नहीं कर रहा हूँ ।

जज

गवाह के नाम को छुपा रखना मेरे नियम के विरुद्ध है ।

[फ़ाल्डर की ओर देखता है जो हाथ मलता रहता है, फिर रुथ की ओर देखता है, जो स्थिर बैठी हुई फ़ाल्डर की ओर देखती है ।]

मैं आपकी बात पर विचार करूँगा । मैं सोचूँगा, क्योंकि मुझे यह भी देखना है कि यह औरत कहीं कैदी के लिए भूठी गवाही देने न आई हो ।

फ़ोम

हुजूर, मैं सच—

जज

ठीक है, मैं अभी कोई ऐसी बात नहीं कह रहा हूँ । मिस्टर फ़ोम अभी इस बात को छोड़िए ।

[बात ख़तम होते ही जूरी लौटते हैं और अपनी जगह पर बैठते हैं ।]

अहलमद

जूरीगण, क्या आप सब की राय मिल गई है ?

फ़ोरमैन

हाँ, मिल गई है ।

अहलमद

क्या आपने उसे दोषी निर्णय किया है, या दोषी के साथ पागल भी ?

फ़ोरमैन

दोषी ।

जज प्रसन्न होकर सिर हिलाता है, फिर क्रागज़ों को हिलाकर फ़ाल्डर की ओर देखता है जो चुपचाप स्थिर भाव से बैठा है ।]

फ़ोम

[उठकर]

हुज़ूर का हुक्म हो तो आप से उसकी सज़ा कुछ कम करने के लिए अर्ज़ करूँ । जूरी से तो मैं उसकी उम्र और यह काम करते समय उसके मन की चंचलता के विषय में जो कुछ कहना था कह चुका । उसके उपरान्त हुज़ूर से कुछ और कहने की ज़रूरत मैं नहीं समझता ।

जज

मेरा तो ऐसा ही खयाल है ।

फ़ोम

अगर हुजूर ऐसा करमाते हैं, तो मैं केवल इतना ही अर्ज करूँगा कि हुजूर सच्चा देते वक्त मेरी अर्ज का खयाल रखें ।

जज

[हर्क से]

क़ैदी को आवाज दो ।

हर्क

मुलजिम ! सुनो तुम्हारे ऊपर जालसाजी करने का अपराध लगाया गया है । क्या तुम्हें इस विषय में कुछ कहना है कि अदालत से तुम्हें क़ानून के मुताबिक सज़ा क्यों न दी जाय ?

[फ़ाल्डर सिर हिलाकर 'नहीं' कहता है ।]

जज

विलियम फाल्डर, तुम्हारा विचार अच्छी तरह किया गया और तुम्हारे ऊपर जालसाजी का अपराध सिद्ध हुआ है, और मेरी राय में ठीक सिद्ध हुआ है।

[कुछ ठहर कर कागज़ देखता है और कहता है]

तुम्हारी ओर से यह सफाई दी गई थी कि यह अपराध करते समय तुम अव्यवस्थित थे, और इस लिये इस काम के लिए तुम जिम्मेदार नहीं कहे जा सकते। मैं खयाल करता हूँ कि यह केवल उस प्रलोभन का प्रत्यक्ष रूप दिखाने की एक चाल थी, जिसने तुम्हें चंचल कर दिया, क्योंकि तुम्हारे विचार के प्रारम्भ से ही तुम्हारे वकील ने एक प्रकार से केवल दया की प्रार्थना की है। यह सफाई पेश करने से इतना ज़रूर हुआ कि उन्हें ऐसी गवाहियाँ दिलाने का अवसर मिला जो उस विचार से ध्यान देने योग्य हैं। यह कार्यवाही उचित थी या नहीं थी, दूसरी बात है। उन्होंने तुम्हारे बारे में कहा है कि तुम्हें अपराधी नहीं, मरीज़ समझना चाहिए। और उनकी इस दलील का जिसका अन्त दया की एक मर्मस्पर्शी

प्रार्थना पर हुआ, तत्त्व क्या है ? यही कि हमारी न्याय-पद्धति दूषित है और पापवृत्ति को सुधारने के बदले उसको पुष्ट और पूर्ण करती है। इस प्रार्थना को कितना महत्त्व देना चाहिए इस विषय में कई बातें विचारणीय हैं। पहले तो तुम्हारे अपराध की गुरुता है। किस चालाकी के साथ तुमने मुसन्ने को बदला, किस कमीनापन से एक निर्दोषी के सिर अपराध मढ़ने की कोशिश की। और यह मेरे खयाल में एक बहुत बड़ी बात है। और सब से बड़ी बात यह है कि मुझे दूसरों को तुम्हारा उदाहरण दिखाकर ऐसे कामों से रोकना है। दूसरी ओर यह भी विचार करना है कि तुम कम उम्र हो। इसके पहिले तुम्हारा चाल चलन हमेशा अच्छा रहा है। और जैसा कि तुम्हारे और तुम्हारे गवाहों के बयान से मालूम होता है कि तुम यह काम करते वक्त कई कारणों से कुछ अस्थिरचित्त भी थे। तुम्हारे प्रति और समाज के प्रति जो मेरा कर्तव्य है उसके अन्दर रहते हुए मेरी पूरी इच्छा है कि मैं तुमपर दया का व्यवहार करूँ। और यह मुझे इन बातों की याद दिलाता है जिनके आधार पर ही मुआमले का विचार किया जा सकता है। तुम

वकील के दफ्तर में क्लर्क का नाम करते हो यह इस मामले में एक बड़ी भारी बात है। यह तुम किसी प्रकार भी नहीं कह सकते कि तुम्हें अपराध की भाषणता या उसके दण्ड का पूरा ज्ञान नहीं था। हाँ, यह कहा गया है, कि तुम्हारे मनोभावों ने तुम्हें अस्थिर बना दिया था। हनीविल से जो तुम्हारा रिश्ता था उसका वृत्तान्त आज कहा गया है, उसी वृत्तान्त पर सफाई और दयाप्रार्थना दोनों ही का आधार रक्खा गया है। दया की प्रार्थना केवल उसीपर से की गई है। अच्छा, अब वह वृत्तान्त क्या है? तुम एक युवक हो और वह एक विवाहिता युवती है, यद्यपि उसका विवाहित जीवन दुखी है। तुम दोनों का आपस में प्रेम हो गया। तुम दोनों कहते हो कि वह सम्बन्ध अपवित्र और कलुषित नहीं था। मैं नहीं जानता कि यह बात कहाँ तक सच है। फिर भी तुम स्वीकार करते हो कि शीघ्र ही वह होनेवाला था। तुम्हारे वकील ने इस बात पर पर्दा डालने के लिए यह कहा है कि उस औरत की अवस्था बड़ी ही कुरूप थी। मैं अपनी राय इस विषय में नहीं देना चाहता। मैं इतना जानता हूँ कि वह एक विवाहिता स्त्री है, और यह खुली

हुई बात है कि तुमने यह अपराध एक भ्रष्ट संकल्प को पूरा करने के लिए किया। इच्छा होने पर भी मैं दयाप्रार्थना का अनुमोदन नहीं कर सकता, जिसका आधार सदाचार के विरुद्ध है। तुम्हारे वकील ने यह भी कहा है कि तुमको और अधिक क़ैद की सज़ा देना तुम्हारे प्रति अविचार होगा। मैं उनके इस कथन से सहमत नहीं हूँ। क़ानून जो है वही रहेगा। क़ानून एक विशाल भवन है जो हम सब की रक्षा करता है, और जिसका हर एक पत्थर दूसरे पत्थर पर अवलम्बित है। मैं केवल इसका व्यवहार करनेवाला हूँ। तुमने जो अपराध किया है वह बड़ा भारी है। इस हालत में कर्तव्य की ओर दृष्टि रख कर मेरे हृदय में तुम्हारे प्रति जो दया की इच्छा है, वह मैं पूरी नहीं कर सकता। तुम्हें तीन साल की सख्त सज़ा भोगनी पड़ेगी।

[फ़ाल्डर जो अब तक व्यग्रता के साथ सज़ा की वक्तृता को सुन रहा था, अपनी छाती पर सिर झुका लेता है। जैसे ही वार्डर उसे ले जाने लगते हैं रुथ अपनी जगह पर उठ खड़ी होती है। अदालत में गोख माल होने लगता है।]

जज

[रिपोर्टरों से]

प्रेस के महोदयगण, आज के मामले में जिस औरत ने गवाही दी है उसका नाम क्रागजों में जाहिर न हो ।

[रिपोर्टर लोग सिर झुकाकर स्वीकार करते हैं ।]

जज

[रुथ से जो उस ओर देख रही है]

तुम समझ गईं न ? तुम्हारा नाम जाहिर न होगा ।

कोकसन

[रुथ की आस्तीन पकड़कर]

जज आपसे कुछ कह रहे हैं ।

[रुथ जज की ओर देखती है और चली जाती है ।]

जज

आज मैं अभी और बैठूँगा । दूसरा मामला पेश करो । अहलमद जॉन बूली को आवाज़ दो ।

अहलमद

[वार्डर को]

जॉन बूली वाले गवाह हाज़िर हैं ?

[आवाज़ देता है—जॉन बूली वाले गवाह हाज़िर हैं ?]

[परदा गिरता है ।]

अङ्क तीसरा

दृश्य १

जेलखाने में मामूली तरह से सजा हुआ एक कमरा, जिसमें दो बड़ी-बड़ी खिड़कियाँ हैं। खिड़कियों में छड़ लगी हुई है, जिनमें से कैदियों के कसरत करने का आँगन दिखाई दे रहा है। वहाँ कैदी पीले कपड़े पहिने हुए दिखाई देते हैं। उनके कपड़ों पर तीर का निशान लगा हुआ है। सिर पर पीली मुंडी टोपी है। वे सब एक क्रतार में चार-चार गज के फासले से सफेद और टेढ़ी मेढ़ी लकड़ी पर तेज़ी से चलते दिखाई देते हैं जो आँगन के फ़र्श पर बनी हैं। दो सिपाही नीले रंग का कपड़ा पहिने हुए, तलवार लिए बीच में खड़े हैं। उनकी टोपी के सामने थोड़ा सा हिस्सा निकला हुआ है। कमरे की दीवारें रंग से पुती हुई हैं। कमरे में किताब रखने का एक आला है जिसमें सरकारी ढंग की किताबें रक्खी हैं। दोनों खिड़कियों के बीच एक अलमारी है। दीवार पर जेलखाने का एक नक्शा लटक रहा है। एक लिखने की मेज़ पर सरकारी कागज़ात रखे हैं। यह किसमस की संख्या है। दारोगा साफ़ रोबदार आदमी है। कतरी हुई छोटी मुँछे हैं।

मुल्लाघों की सी आँखें, बाल खिचड़ी हो गए हैं, और कनपटी से फिरे हुए हैं। मेज़ के पास खड़ा एक आरी को देख रहा है, जो किसी धातु की बनी हुई है। जिस हाथ में वह उसे पकड़े हुए है उसमें दस्ताना है, क्योंकि उसके हाथ की दो उँगलियाँ गायब हैं। प्रधान वार्डर बुडर लंबा और दुबला है, और पलटनिया मालूम होता है। उसकी उम्र साठ वर्ष की है। मूँछें सफ़ेद हैं। बंदर की सी उदास आँखें हैं। गवर्नर से दो कदम की दूरी पर मुस्तैदी से खड़ा है।

दारोगा

[रूखी और हलकी मुसकिराहट के साथ]

बड़े आश्चर्य की बात है, मिस्टर बुडर ! तुम्हें यह कहाँ मिली ?

बुडर

उसकी चादर के नीचे, साहब। ऐसी बात दो वर्ष से नज़र नहीं आई।

दारोगा

[आश्चर्य से]

कोई सधी बधी बात थी क्या ?

बुडर

उसने अपनी खिड़की की गराद इतनी काट डाली है ।

[अँगूठे और उँगली को एक चौथाई इंच अलग करके उठाता है ।]

दारोगा

मैं दोपहर को उससे मिलूँगा, उसका नाम क्या है ?
मोनी, शायद कोई पुराना असामी है ।

बुडर

हाँ, साहब ! यह चौथी बार सज़ा भुगत रहा है । ऐसे पुराने खिलाड़ी को तो ज्यादा समझ से काम लेना चाहिए था ।

[करुणभाव से]

कह रहा था, मन बहलाता था । कहीं घुस गए, कहीं से निकल आए । सब इसी धुन में पड़े रहते हैं ।

दारोगा

दूसरे कमरे में कौन रहता है ?

बुडर

ओ-छियरी, हुजूर !

दारोगा

अच्छा, वह आइरिशमैन ?

बुडर

उसके दूसरे कमरे में रहता है वह युवक फाल्डर, सभ्य श्रेणी का । उसके बाद बूढ़ा छिपटन ।

दारोगा

हाँ, यह दार्शनिक । मैं उससे मिलूँगा, उसकी आँखों के बारे में पूछना है ।

बुडर

कुछ अछूत काम नहीं करती । ऐसा मालूम होता है कि अगर एक भागने की कोशिश करता है, तो बाकी सभी को इसकी खबर हो जाती है । सभी भागने पर उतारू हो जाते हैं । खूब हलचल मच रही है ।

गवर्नर

[विचार करके]

यह हलचल बुरा है ।

[क़ैदियों को कसरत करते देखता हुआ]

वहाँ तो सब के सब बड़े शान्त मालूम होते हैं ।

बुडर

उस आइरिशमैन ओक्लियरी ने आज दरवाजे पर धक्का देना शुरू किया । बिलकुल ज़रा सी बात उनमें खलबली डाल देने को काफी है । वे कभी कभी सब बेजबान जानवरों से हो जाते हैं ।

दारोगा

घोड़ों में बादल गरजने के पहले यह बात मैंने देखी है सवारों की कतारों को चीरते हुए निकल जाते थे ।

[जेल का पादरी आता है । बाल काले हैं, वैराग्य का भाव है, गिर्जे के कपड़े पहिने हैं । चेहरा बहुत गंभीर, होंठ कुछ जकड़े हुए । धीरे से सभ्य भाषा में बात करता है ।]

दारोगा

[आरा दिखाकर]

इसे देखा तुमने, मिलर ?

चेपलेन

काम की चीज मालूम होती है ।

दारोगा

अजायबघर में भेजने लायक है ।

[अलमायरा के पास जाकर उसे खोलता है और उसमें पुरानी रस्सियों के टुकड़े, कीलें और धातुओं के बने हुए औज़ार नज़र आते हैं । उनमें कागज़ के पर्चे बंधे हुए हैं ।]

अच्छा, धन्यवाद मिस्टर वुडर, तुम जा सकते हो ।

वुडर

[सलाम करके]

जो हुक्म ।

[चला जाता है]

दारोगा

क्यों मिस्टर मिलर—दो तीन दिन में यह क्या हो गया है ? सारे जेल की हवा बिगड़ी हुई है ।

चेपलेन

मुझे तो कुछ नहीं मालूम ।

दारोगा

खैर, जाने दो । कल यहीं भोजन कीजिए न ?

चेपलेन

बड़ा दिन है, अनेक धन्यवाद !

दारोगा

आदमियों की हलचल मुझे परेशान कर देती है ।

[आरे को देखते हुए]

इस शैतान को भी सजा देनी पड़ेगी । जो भागने की कोशिश करता है उसपर सखती करने का जी नहीं चाहता ।

[आरे को जेब में रख लेता है, और अलमारी में भी ताला बन्द करता है ।]

चेपलेन

बाज़-बाज़ बला के हठीले और शरीर होते हैं । बिना सख्ती के कुछ नहीं किया जा सकता ।

दारोगा

फिर भी तो कोई नतीजा नहीं । गोलू के लिए ज़मीन बहुत कड़ी है, क्यों ?

[बुडर फिर भीतर आता है ।]

बुडर

एक आदमी आपसे मिलना चाहते हैं, महाशय । मैंने उनसे कहा ऐसा क़ायदा नहीं है ।

दारोगा

क्या चाहता है ?

बुडर

कहिए तो बिदा कर दूँ ।

दारोगा

[मजबूरी से]

नहीं, नहीं, बुलालो । तुम बैठो, मिलर ।

[बुडर से किसी को आने के लिए इशारा करता है, और उसके भीतर आते ही वह चला जाता है । मिलने वाला कोकसन है, वह घुटने तक मोटा ओवरकोट पहिने है । हाथ में ऊनी दस्ताने हैं । ऊँची टोपी लिये हुए है ।]

कोकसन

मुझे आपको कष्ट देने का खेद है । लेकिन मुझे एक युवक के बारे में कुछ कहना है ।

दारोगा

यहाँ तो बहुत से युवक हैं ।

कोकसन

फाल्डर नाम है । जालसाजी में ।

[अपने नाम का कार्ड दारोगा को देकर]

जेम्स ऐगड वाल्टरहो का कार्यालय वकालत के लिए मशहूर है ।

दारोगा

[मुसकिराहट के साथ कार्ड लेते हुए]

आप किस लिए मुझसे मिलना चाहते हैं ?

कोकसन

[अकस्मात् क्रैदियों की क़वायद देखकर]

कैसा दृश्य है !

दारोगा

हाँ, हमारे यहाँ से अच्छी तरह दिखाई देता है । मेरे दफ्तर की मरम्मत हो रही है ।

[टेबिल के पास बैठकर]

हाँ, कहिए ।

कोकसन

[मानो कष्ट के साथ अपनी दृष्टि का केंद्रियों का ओर फेरकर]

मैं आपसे दो एक बात करना चाहता हूँ । मुझे अधिक देर लगेगी ।

[धीरे से]

बात यह है कि मैं कायदे से तो यहाँ नहीं आ सकता । परन्तु उसकी बहन मेरे पास आई थी । बाप माँ तो कोई है ही नहीं । वह बहुत घबराई हुई थी । मुझसे बोली मेरे पति तो मुझे उससे मिलने जाने नहीं देते । कहते हैं उसने कुल में कलङ्क लगाया है । दूसरी बहन बिलकुल चलने फिरने से लाचार है । उसने मुझसे आने के लिए कहा मुझे भी उस युवक से प्रेम है । मेरा ही मातहत था । मैं भी उसी गिर्जे में जाया करता हूँ इसलिए मैं इनकार न कर सका ।

दारोगा

लेकिन खेद है, उसे किसी से मिलने का हुकुम नहीं है । वह वहाँ केवल एक मास की काल कोठरी के लिए आया है ।

कोकसन

मैं उससे उस समय एक बार मिला था जब वह हवा-
लात में बन्द था । और उसका मामला चल रहा था ।
बेचारे के आगे पीछे कोई नहीं है ।

दारोगा

[कुछ प्रसन्न होकर]

मिलर ज़रा घंटी तो बजाओ ।

[कोकसन से]

क्या आप सुनना चाहते हैं कि डॉक्टर उसके बारे में
क्या कहते हैं ?

चैपलेन

[घंटी बजाकर]

मालूम होता है कि आप जेलखाने में बहुत कम
जाते हैं ।

कोकसन

हाँ, लेकिन देखकर दुःख होता है, वह अभी बिलकुल युवक है। मैंने उससे कहा—“धीरज रखो !” हाँ, यही कहा था। “धीरज” उसने जवाब दिया। “एक दिन अपने का कमरे में बंद करके मेरी ही भाँति सोचिए और कल्पिए तो मालूम हो। बाहर एक का दिन यहाँ के एक वर्ष के समान है। मैं क्या करूँ ?” उसने फिर कहा “मैं कोशिश करता हूँ, मिस्टर कोकसन, परन्तु अपनी आदत से लाचार हूँ।” फिर हाथों से मुँह ढाँप कर वह रोने लगा। मैंने देखा उँगलियों के बीच में से होकर आँसू टपक रहे थे। मैं तो तड़प उठा।

चैपलेन

वही युवक है न जिसकी आँखें कुछ अजीब तरह की हैं। चर्च आफ़ इंगलैंड का नहीं मालूम होता।

कोकसन

नहीं।

चैपलेन

जानता हूँ।

दारोगा

[बुडर से जो भीतर आया है]

डॉक्टर साहब से कहो कि कृपा करके एक मिनट के लिए मुझसे आकर मिल लें ।

[बुडर सलाम करके चला जाता है]

उसकी शादी तो नहीं हुई है ।

कोकसन

नहीं ।

[गुसभाव से]

लेकिन एक औरत है, जिसे वह बहुत चाहता है, ठीक वेश्या नहीं है । बड़ी करुण कहानी है ।

चैपलेन

अगर दुनिया में शराब और औरत न होती, तो जेल-खाने ही न होते ।

कोकसन

[चश्मे के ऊपर से चैपलेन को देखता हुआ]

हाँ, लेकिन मैं विशेष कर वही बात आपसे कहने आया हूँ। यह चिन्ता उसे मारे डालती है।

दारोगा

अच्छा !

कोकसन

बात यह है कि उस औरत का पति बड़ा ही बद-माश है और वह उसे छोड़ बैठी है। वह उस युवक के साथ ही भाग जाने का इरादा करती है। यह बात अच्छी नहीं है। लेकिन मैंने इसपर ध्यान नहीं दिया। जब मुकद्दमा खतम हो गया, तो उसने कहा—कि अलग रह कर अपना पेट चलाऊँगी और जब तक वह सज़ा काट कर बाहर न आए, उसके नाम पर बैठी रहूँगी। उसको इस बात से बड़ी भारी शान्ति मिली थी। लेकिन एक महीने बाद वह मुझको मिली मुझसे उससे जान पहिचान नहीं है और बोली—“अपनी बात तो दूर है, मैं अपने बच्चों तकका पालन नहीं कर सकती। मेरे कोई मित्र नहीं है। मैं ज्यादा किसी

दारोगा

[बुडर से जो भीतर आया है]

डॉक्टर साहब से कहो कि कृपा करके एक मिनट के लिए मुझसे आकर मिल लें ।

[बुडर सलाम करके चला जाता है]

उसकी शादी तो नहीं हुई है ।

कोंकसन

नहीं ।

[गुप्तभाव से]

लेकिन एक औरत है, जिसे वह बहुत चाहता है, ठीक वेश्या नहीं है । बड़ी करुण कहानी है ।

चैपलेन

अगर दुनिया में शराब और औरत न होती, तो जेल-खाने ही न होते ।

कोकसन

[चश्मे के ऊपर से चैपलेन को देखता हुआ]

हाँ, लेकिन मैं विशेष कर वही बात आपसे कहने आया हूँ। यह चिन्ता उसे मारे डालती है।

दारोगा

अच्छा !

कोकसन

बात यह है कि उस औरत का पति बड़ा ही बद-माश है और वह उसे छोड़ बैठी है। वह उस युवक के साथ ही भाग जाने का इरादा करती है। यह बात अच्छी नहीं है। लेकिन मैंने इसपर ध्यान नहीं दिया। जब मुकद्दमा खतम हो गया, तो उसने कहा—कि अलग रह कर अपना पेट चलाऊँगी और जब तक वह सज़ा काट कर बाहर न आए, उसके नाम पर बैठी रहूँगी। उसको इस बात से बड़ी भारी शान्ति मिली थी। लेकिन एक महीने बाद वह मुझको मिली मुझसे उससे जान पहिचान नहीं है और बोली—“अपनी बात तो दूर है, मैं अपने बच्चों तकका पालन नहीं कर सकती। मेरे कोई मित्र नहीं है। मैं ज्यादा किसी

से मिल जुल भी नहीं सकती । उससे मेरे पति को मेरा पता लग जाने का डर है । मैं बिलकुल दुबली हो गई हूँ ।” दर असल वह दुबली हो गई है । “अब शायद मुझे किसी कारखाने में जाना पड़ेगा” । यह बड़ी दुःख भरी कहनी है । मैंने कहा “नहीं, कहीं न जाना पड़ेगा । मेरे घर पर मेरी स्त्री है, बच्चे हैं । यदि उन्हें भोजन मिलेगा तो तुमको भी क्यों नहीं मिल सकता ?” “दर असल” यह बड़ी नेक औरत है । उसने जवाब दिया “सच ? लेकिन मैं आपसे यह नहीं कह सकती इससे तो अच्छा है, कि मैं अपने पति के पास लौट जाऊँ ।” यद्यपि मैं जानता हूँ कि उसका पति एक शराबी तथा पशु के समान अत्याचारी आदमी है फिर भी मैंने उसे पति के पास जाने को मना नहीं किया ।

चैपलेन

आप कैसे कर सकते थे ?

कोकसन

हाँ, लेकिन इसके लिए मुझे दुःख है । युवक को अभी तीन साल सज़ा भुगतनी है । मैं चाहता हूँ वह कुछ आराम से रहे ।

चैपलेन

[कुछ चिढ़कर]

क्रानून आपके साथ बिलकुल सहमत नहीं ।

कोकसन

वह बिलकुल अकेला है, मुझे डर है वह पागल न हो जाय । भला ऐसा कौन चाहता होगा ? मुझे जब उसने देखा तो रोने लगा, मुझसे किसी का रोना देखा नहीं जाता ।

चैपलेन

यह बहुत ही कम देखा गया है, कि कैदी किसी को देखकर रोने लगे ।

कोकसन

[उसकी ओर ताकता हुआ यकायक जामे से बाहर होकर]

मेरे घर कुत्ते भी हैं ।

चैपलेन

अच्छा !

कोकसन

हाँ, और मैं कह सकता हूँ कि मैं कभी उन्हें हफ्तों तक अकेले बन्द नहीं रख सकता। चाहे वह मुझे टुकड़े-टुकड़े कर डाले।

चैपलेन

मगर अपराधी तो कुत्ते नहीं हैं। उनमें धर्म अधर्म का ज्ञान होता है।

कोकसन

लेकिन उसको समझाने का यह ढङ्ग नहीं है।

चैपलेन

खेद है हम आपसे एक मत नहीं हो सकते।

कोकसन

कुत्तों में भी यही बात है आप उनसे दया का व्यवहार करेंगे तो वे आपके लिए सब कुछ करेंगे। मगर उनको अकेले बन्द कर रखिये। आप देखेंगे वे झुल्ला उठेंगे।

चैपलेन

मगर इतना आप जरूर स्वीकार करेंगे, जो आपसे ज्यादा अनुभव रखते हैं वह जानते हैं कि कैदियों से किस तरह व्यवहार किया जाय।

कोकसन

[हठ करके]

मैं इस बेचारे युवक को जानता हूँ। मैं उसे वर्षों से देखता आ रहा हूँ। वह कुछ दिल का कमजोर है। उसका बाप भी क्षय से मरा था। मैं केवल उसके भविष्य की बात सोच रहा हूँ। अगर उसको काल कोठरी में रक्खा जायगा जहाँ कुत्ता बिल्ली तक उसके साथी नहीं हैं,

तो उसके स्वास्थ्य को जरूर नुकसान पहुँचेगा। मैंने उससे पूछा था कि “तुम्हें क्या कष्ट है ?” उसने जवाब दिया “यह मैं आपसे ठीक बयान नहीं कर सकता, मिस्टर कोकसन, लेकिन कभी-कभी जी चाहता है कि अपना सिर दीवार पर पटक दूँ।” कितनी भयानक बात है।

[उसकी बात के बीच में ही डाक्टर भीतर आते हैं। उनका क्रोध मझोला है, खूबसूरत भी कहा जा सकता है, आँखें तेज़ हैं खिड़की पर झुक कर खड़े होते हैं।]

दारोगा

यह महाशय कह रहे हैं कि एकांतवास से उच्चश्रेणी के नं० ३००७—वही दुबला सा युवक—फाल्डर की दशा बिगड़ रही है। आपकी क्या राय है डाक्टर क्लेमेंट ?

डाक्टर

हाँ, वह जरूर ऊब गया है। परन्तु उसके स्वास्थ्य में तो कोई खराबी नहीं आई है। केवल एक महीना तो है।

कोकसन

लेकिन यहाँ आने के पहिले तो उसे हफ्तों रहना पड़ा था ।

डाक्टर

यह तो जानी बूझी बात है । यहाँ उसका वजन कुछ नहीं घटा है ।

कोकसन

लेकिन मेरा मतलब उसके दिमाग से है ।

डाक्टर

उसका दिमाग भी दुरुस्त है । वह कुछ घबड़ाया सा जरूर रहता है । परन्तु और कोई शिकायत नहीं है । मैं उसके विषय में सावधान हूँ ।

कोकसन

[लाजवाब होकर]

मुझे यह सुनकर बड़ी खुशी हुई ।

चैपलेन

[सज्जनता के साथ]

यही एक ऐसा वक्त है कि हम उनके दिल पर कुछ
असर डाल सकते हैं। मैं अपने निजकी दृष्टि से कहता
हूँ।

कोकसन

[दारोगा की ओर भौचक्केपन से देखकर]

मैं आपसे शिकायत नहीं करना चाहता, परन्तु मेरे
खयाल में यह अच्छी बात नहीं।

दारोगा

मैं खुद जाकर आज उसे देखूँगा।

कोकसन

इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मेरा
खयाल है कि रोज़ देखते रहने से शायद आपको कुछ
पता न लगे।

दारोगा

[कुछ तीखेपन से]

अगर उसके स्वास्थ्य में कुछ भी खराबी मालूम हुई तो मामला कौरन आगे भेज दिया जावेगा इसका काफ़ी प्रबन्ध है ।

[वह उठता है]

कोकसन

[अपनी ही धुन में]

यह बात अवश्य है कि जो बात आँख से नहीं देखी जाती उसके लिए कष्ट नहीं होता । परन्तु मैं उधर से निश्चिन्त हो जाना चाहता हूँ ।

दारोगा

आप उसे हमारे ऊपर छोड़ दीजिए ।

कोकसन

[नम्र और विनीत भाव से]

शायद आप मेरा आशय समझ गए हों । मैं सीधा सादा आदमी हूँ । अफसर के विरुद्ध मैं कुछ नहीं कहना चाहता ।

[चैपलेन की ओर झुककर]

बुरा न मानिएगा । गुडमार्निंग ।

[जब वह चला जाता है, तब तीनों कर्मचारी एक दूसरे की ओर नहीं देखते । लेकिन उनके चेहरे पर एक विचित्र भाव छा जाता है ।]

चैपलेन

हमारे इन मित्र का खयाल है कि जेल अस्पताल है ।

कोकसन

[अकस्मात् लौटकर बड़े ही विनीत भाव से]

एक बात और है, वह औरत—मेरे खयाल में आपसे यह कहना उचित न होगा अगर आवे तो उसे इससे मिला दीजिएगा । इससे दोनों निहाल हो जायेंगे । वह उसी का ध्यान कर रहा होगा । माना वह उसकी बीबी नहीं है, लेकिन किसी बात का खटका नहीं है । बेचारे दोनों बड़े ही दुखी हैं । आप कोई खास रियायत नहीं कर सकते ?

दारोगा

[उकता कर]

मुझे सचमुच ही दुःख है कि मैं कोई खास रियायत

नहीं कर सकता । वह जब तक मामूली जेलखाने में न जाय, तब तक वह किसी से नहीं मिल सकता ।

कोकसन

ठीक है ।

[निराश स्वर से]

आपको तकलीफ दी, माफ़ कीजिए ।

[फिर बाहर चला जाता है]

चैप्लेन

[कंधों को हिलाकर]

बड़ा सीधा आदमी है बिचारा । चलो क्लेमेंट खाना खा लो ।

[वह और डाक्टर बातें करते जाते हैं ।]

दारोगा

[एक लम्बी साँस लेकर टेबिल के पास कुर्सी पर बैठ जाता है और क्लम उठा लेता है ।]

परदा गिरता है ।

दृश्य २

जेलखाने की पहिली मंज़िल के दालान का हिस्सा । दीवारें फीके हरे रंग से गहरे हरे रंग की एक धारी तक रंगी हुई हैं जो मनुष्य के कंधे की ऊँचाई तक होंगी । इसके ऊपर सफ़ेदी की हुई है । ज़मीन काले पत्थरों की बनी हुई है । किनारे पर की एक खिड़की से रोशनी छन कर आ रही है । चार कोठरियों के दरवाज़े नज़र आ रहे हैं । आँख की ऊँचाई पर हर एक कोठरी के दरवाज़े में एक छोटा झरोखा है जिसपर एक गोल ढकना लगा है । उसको ऊपर उठाने से कोठरी का भीतरी दृश्य दिखाई देता है । कोठरी के पास ही दीवार पर एक छोटा चौकोर तख़्ता लगा है जिसपर क़ैदों का नाम, नंबर और हाल लिखा है ।

एक दो मंज़िले और तिमंज़िले के दालानों के लोहे के छज्जे दिखाई दे रहे हैं ।

गार्ड (जमादार) एक कोठरी से बाहर निकल रहा है । उसके बाढ़ी है और नीली वर्दी पहिने हुए है । वर्दी पर एक गर्द पोश है, उसमें चाबियाँ लटक रही हैं ।

जमादार

[दरवाजे से कोठरी के अन्दर बोलते हुए]

जब यह कर लोगे तो मैं तुम्हें कुछ थोड़ा सा काम
और दूंगा ।

ओक्लियरी

[नेपथ्य में आयरिश स्वर में]

ठीक है, हुजूर ।

जमादार

[दोस्ताना ढंग से]

आखिर बैठकर क्या करोगे ? कुछ न कुछ करना ही
अच्छा है ।

ओक्लियरी

यही तो मैं सांचता हूँ ।

[कोठरियों के बन्द होने और ताजा पढ़ने का शब्द
सुनाई देता है । फिर किसी के पैरों की आवाज़ सुनाई
देती है ।]

जमादार

[गला कुछ बदलकर जल्दी से]

देखो, अच्छी तरह काम करो ।

[कोठरी का दरवाज़ा बन्द करता है और तन कर खड़ा होता है । दारोगा आता है, पीछे पीछे बुडर है ।]

दारोगा

कोई नई बात ?

जमादार

[सलाम करके]

क ३००७

[एक कोठरी की ओर इशारा करके]

काम में पीछे है । उसको आज नम्बर नहीं मिल सकता ।

[दारोगा सिर हिलाता है और आखिरी कोठरी के पास जाता है । जमादार चला जाता है ।]

दारोगा

इन्हीं महाशय ने आरौ बनायी है न ?

[जेब में से आरौ निकालता है, बुडर कोठरी का दरवाज़ा खोलता है, क़ैदी सिर पर टोपी दिए बिछौने पर सीधा लेटा नज़र आता है । वह चौंक पड़ता है और कोठरी के बीच में खड़ा हो जाता है । वह दुबला आदमी है, उम्र छप्पन वर्ष की, कान चमगीदड़ के-से, डरावनी घूरती हुई और कठोर आखें हैं ।]

बुडर

टोपी उतारो ।

[मोनी टोपी उतारता है]

बाहर आओ ।

[मोनी दरवाज़े के पास आता है]

दारोगा

[उसे दालान में निकल आने का इशारा करके जेब में से आरौ निकाल कर उसे दिखाते हुए इस ढंग से बोलता है जैसे कोई अफ़सर सिपाही से बात कर रहा हो ।]

इसके बारे में कुछ कहना है ?

[मोनी चुप रहता है]

बोलो ।

मोनी

वक्तू काट रहा था ।

दारोगा

[कोठरी की ओर इशारा करके]

काम कम है, क्यों ?

मोनी

उसमें मन नहीं लगता ।

दारोगा

[आरी को खटखटाकर]

तो इससे अच्छा ढंग सोचना चाहिए था ।

मोनी

[मुँह लटकाकर]

और कौन सा ढंग था ? जब तक मैं यहाँ से निकल न जाऊँ, तब तक मुझे किसी न किसी काम में अपना वक्त काटना पड़ेगा। इस उम्र में और मेरे लिए रक्खा ही क्या है ?

[ज्यों-ज्यों ज़बान हिलती है वह नर्म होता जाता है]

आपको तो मालूम ही है कि इस मियाद के बाद दो ही एक साल में मुझे फिर लौट आना पड़ेगा। मैं बाहर निकल कर अपनी बे इज्जती न कराऊँगा। जेल को कायदे से, दुरुस्त रखने में आपका गर्व है। मुझे भी अपनी इज्जत प्यारी है।

[यह देखकर कि दारोगा उसकी बातों को ध्यान से सुन रहा है वह आरी की ओर इशारा करके कहता है।]

कुछ थोड़ा-थोड़ा यह काम भी करता रहूँ तो किसी का क्या बिगड़ता है ? पाँच हफ्तों से मैं इसे बना रहा था। शायद बुरा तो नहीं बना है। अब शायद काल कोठरी मिलेगी। या सात दिन सिर्फ रोटी और पानी। आपके

बस की बात नहीं। मैं जानता हूँ क्रायदे से आप भी लाचार हैं।

दारोगा

अच्छा, देखो मोनी अगर मैं इस बार तुम्हें माफ़ कर दूँ तो क्या तुम मुझ से वादा कर सकते हो कि आगे तुम कभी ऐसा न करोगे ? सोचो।

[वह कमरे में घुसता है और उसके सिरे तक चला जाता है, फिर स्टूल पर चढ़कर खिड़की की सलाखों को आज़माता है।]

दारोगा

[लौटकर]

क्या कहते हो ?

मोनी

[जो सोच रहा था]

अभी मुझे छः हफ़्ते और यहाँ अकेले रहना है। कैसे मुमकिन है कि मैं बिना कुछ किए चुपचाप रहूँ। कोई चीज़ जरूर चाहिए जिसमें मेरा मन लगे। आपकी बड़ी

दया है। लेकिन मैं कोई वादा नहीं कर सकता। एक भले आदमी को धोखा नहीं देना चाहता।

[कोठरी की ओर देखकर]

अगर चार घंटे डट कर और मिलते तो मैं इसे पूरा कर लेता।

दारोगा

तो उससे होता क्या ? फिर पकड़ लिए जाते। यहाँ लाए जाते और सजा मिलती। पाँच हफ्ते की सख्त मिहनत करने पर भी कोठरी में वन्द रहना पड़ता। तुम्हारी खिड़की पर एक नई गराद लगा दी जाती। सोचो मोनी क्या यह काम इस लायक है ?

मोनी

[कुछ डरावने भाव से]

हाँ, है।

दारोगा

[हाथों से भौहों को खुजाते हुए]

अच्छा, दो दिन कोठरी और सिर्फ रोटी और पानी।

मोनी

धन्यवाद !

[वह जानघर की भाँति घुमता है और अपने कमरे में घुस जाता है । दारोगा उसकी ओर देखता रहता है, और सिर हिलाता है । बुडर कोठरी को बन्द करके ताला डालता है ।]

दारोगा

क्लिपटन की कोठरी खोलो ।

[बुडर क्लिपटन की कोठरी खोलता है, क्लिपटन ठीक दरवाजे के पास एक स्टूल पर बैठा हुआ पाजामा सी रहा है । वह नाटा, मोटा और अघेड़ है । सिर मुड़ा हुआ । भुँधले चश्मे के पीछे छोटी और काली आँखें मानो बुझ रही हो । वह उठकर दरवाजे में चुपचाप खड़ा हो जाता है और आनेवालों को घूरता है ।]

दारोगा

[उसको बाहर जाने का इशारा कर]

ज़रा एक मिनट के लिए बाहर आओ, क्लिपटन ।

[क्लिपटन एक डरावनी खामोशी के साथ बाहर आता है, सूई डोरा उसके हाथ में है । दारोगा बुडर से इशारा करता है, वह जाँच करने के लिए कोठरी के भीतर जाता है ।]

दारोगा

तुम्हारी आँखें कैसी हैं ?

क्लिपटन

मुझे उनकी कुछ शिकायत नहीं करनी है । यहाँ सूरज के कभी दर्शन नहीं होते ।

[चोरों की तरह कदम उठाकर सिर बढ़ा देता है ।]

मैं चाहता हूँ कि आप मेरे इस दूसरे कमरे के महाशय से कुछ कह दें कि वह ज़रा कुछ चुप रहा करें ।

दारोगा

क्यों, क्या बात है ? मैं चुगली नहीं सुनना चाहता, क्लिपटन ।

क्लिपटन

मैं नहीं जानता वह कौन है । मुझे तो उसके मारे नींद तक नहीं आती ।

[उपेक्षा से]

शायद कोई उच्च (Star) श्रेणी का होगा ! उसे हमारे साथ नहीं रखना चाहिए ।

दारोगा

[शान्त स्वर से]

ठीक है, क्लिपटन, जब कोई कोठरी खाली होगी तब वह हटा दिया जायगा ।

क्लिपटन

सबेरे वह दरवाजों पर धमाधम शब्द करता है, मानो कोई जंगली जानवर हो । मुझे बरदाश्त नहीं होती । मेरी नींद खुल जाती है । शाम को भी यही हाल होता है । यह कोई अच्छी बात नहीं है । आप ही सोच देखिए । नींद के सिवा यहाँ और है क्या ? वह मुझे पेट भर मिलनी चाहिए ।

[बुडर कोठरी के बाहर आता है । जैसे ही वह आता मैं क्लिपटन चोर की तरह झट से अपनी कोठरी में घुस जाता है ।]

बुडर

सब ठीक है, हुजूर ।

[दारोगा मिर हिलाता है, बुडर दरवाजे को बन्द कर ताला लगाता है ।]

दारोगा

वह कौन है जो सवेरे अपने दरवाजे पर धक्का मार रहा था ?

बुडर

[ओक्लियरी की कोठरी के पास जाकर]

यह है, साहब ।

[वह ढकना उठाकर झरोखे में से भीतर देखता है ।]

दारोगा

खोलो ।

[बुडर दरवाज़ा बिलकुल खोल देता है, ओक्लियरी दरवाज़े के पास टेबिल के सामने कान लगाए बैठा हुआ नज़र आता है। दरवाज़ा खुलते ही वह उछलकर ठीक द्वार पर सीधा खड़ा हो जाता है। उसका चेहरा चौड़ा है, उम्र अर्धेड़ है, मुँह पतला, चौड़ी और गालों की ऊँची हड्डियों के नीचे गढ़े हो गए हैं।]

दारोगा

क्या मज़ाक है, ओक्लियरी ?

ओक्लियरी

मज़ाक, हुज़ूर ! मैंने तो बहुत दिनों से इसे नहीं देखा।

दारोगा

अपने दरवाज़े पर धक्के लगाना !

ओक्लियरी

ओ ! वह !

दारोगा

यह जनानों का सा काम है।

ओक्रियरी

और दो महीने से हो क्या रहा है ?

दारोगा

कोई शिकायत है ?

ओक्रियरी

नहीं, हुजूर ।

दारोगा

तुम पुराने आदमी हो, तुम्हें सोच समझ कर काम करना चाहिए ।

ओक्रियरी

यह सब तो सुन चुका हूँ ।

दारोगा

तुम्हारे बादवाले कमरे में एक लौंडा है, वह घबड़ा जायगा ।

श्रोत्रियरी

कभी कभी सनक सवार हो जाती है, हुजूर । मैं क्या करूँ ? हमेशा मन ठिकाने नहीं रहता ।

दारोगा

काम तो पसन्द है न ?

श्रोत्रियरी

[एक चटाई उठाकर जो वह बना रहा था ।]

यह काम मुझे दिया गया है । मेरे चाहे कोई प्राण ही लेले । पर यह मुझसे न होगा । ऐसा सड़ियल काम ! एक चूहा भी इसे बना सकता है ।

[मुँह बनाकर]

बस, यही मुझसे नहीं सहा जाता । यही सन्नाटा ! ज़रा सी कोई भनक कान में आए तो जी हलका हो जाता है ।

दारोगा

तुम बाहर किसी दूकान में ही होते, तो क्या बातें करने पाते ?

ओक़ियरी

संसार की बातचीत तो सुनता ।

दारोगा

[मुसक़िराकर]

अच्छा, अब ये बातें बन्द होना चाहिँ ।

ओक़ियरी

अब ज़बान न खोलूँगा, हुज़ूर ।

दारोगा

[धूमकर]

सलाम !

ओक़ियरी

सलाम, हुज़ूर ।

[वह कोठरी में जाता है, दारोगा दरवाज़ा बन्द करता है ।]

दारोगा

[चालचलन की तरुती को पढ़कर]

इस पाजी से कुछ कहने को जी नहीं चाहता ।

बुडर

हाँ, साहब, मुहब्बती आदमी है ।

दारोगा

[दाखान से निकलने के रास्ते की ओर इशारा करके]

बुडर, जाकर डाक्टर को बुला लाओ ।

[बुडर उधर चला जाता है]

[दारोगा फ़ाल्डर की कोठरी की ओर जाता है । वह हाथ उठाकर झरोखे के ढकने को खोलना चाहता है कि अचानक ही सिर हिलाकर हाथ नीचा कर लेता है । फिर चालचलन की तरुती पढ़कर वह दरवाज़े को खोलता है । फ़ाल्डर जो दरवाज़े के सहारे ही खड़ा हुआ था गिरते गिरते सँभलता है ।]

दारोगा

[बाहर आने का इशारा कर]

कहो, क्या अब भी तुम शांत नहीं हो सके, फ़ाल्डर ?

फ़ाल्डर

[हाँफता हुआ]

हाँ, साहब !

दारोगा

मेरा मतलब यह है कि अपने सिर को दीवार पर पटकने से कुछ न होगा ।

फ़ाल्डर

जी नहीं ।

दारोगा

फिर ऐसा मत किया करो ।

फ़ाल्डर

कोशिश करूँगा, हुज़ूर ।

दारोगा

क्या तुम्हें नींद नहीं आती ?

फाल्डर

बहुत थोड़ी । दो बजे और उठने के समय के बीच में
दिल बहुत घबड़ाता है ।

दारोगा

क्यों ?

फाल्डर

[उसके ओंठ फैल जाते हैं, जैसे मुसकिराता हो]
यह नहीं जानता । मैं कच्चे दिल का आदमी हूँ ।

[अचानक बाचाल होकर]

उस समय सभी बातें मुझे भयानक मालूम होती हैं ।
कभी-कभी सोचता हूँ कि शायद मैं यहाँ से कभी बाहर
नहीं निकलूँगा ।

दारोगा

दोस्त यह वहम है । अपने को सँभालो ।

फाल्‌डर

[अचानक मुँहफलाकर]

हाँ, करना ही पड़ेगा ।

दारोगा

अपने और साथियों को देखो ।

फाल्‌डर

उनको आदत हो गई है । जी हाँ, शायद मैं भी कुछ दिनों में उन्हीं जैसा हो जाऊँगा ।

दारोगा

[कुछ दुःखित होकर]

खैर, यह तुम जानो । अच्छा, अब काम में अपना मन लगाने की कोशिश करो । तुम अभी बिलकुल जवान हो । आदमी जैसा चाहे बन सकता है ।

फाल्‌डर

[उत्सुकता से]

जी हाँ ।

दारोगा

अपने मन को बश में रक्खो । कुछ पढ़ते हो ?

फाल्‌डर

[सिर झुकाकर]

मेरी समझ में कुछ आता ही नहीं । मैं जानता हूँ इससे कोई फायदा नहीं । फिर भी बाहर क्या हो रहा है, यह जानने की इच्छा होती है ।

दारोगा

क्या कोई घरेलू मामला है ?

फाल्‌डर

जी हाँ ।

दारोगा

उन बातों को तुम्हें नहीं सोचना चाहिए ।

फाल्डर

[कोठरी की ओर देखकर]

यह मेरे बस की बात नहीं है ।

[बुडर और डाक्टर को आते देखकर बिलकुल चुप और स्थिर हो जाता है । दारोगा उसे कोठरी में जाने का इशारा करता है ।]

फाल्डर

[जल्दी से धीमे स्वर में]

मेरा दिमाग बिलकुल ठीक है, साहब ।

[कोठरी के भीतर जाता है]

दारोगा

[डाक्टर से]

जाओ और उसे ज़रा देख आओ, क्लेमेंट ।

[डाक्टर के भीतर जाते ही दारोगा दरवाज़े को भेड़ देता है, फिर खिड़की की ओर जाता है ।]

बुडर

[उनके पीछे-पीछे चलकर]

बड़े दुःख की बात है कि आपको इन सभी के पीछे इतना कष्ट उठाना पड़ता है । मगर सब आदमी सुखी हैं ।

दारोगा

क्या तुम ऐसा सोचते हो ?

बुडर

हाँ, साहब, केवल “बड़े दिन” के कारण सब ज़रा बेचैन हो उठे हैं !

दारोगा

[अपने ही आप]

अजीब बात है ।

बुडर

क्या कहा, हुजूर ?

दारोगा

बड़ा दिन ।

[खिड़की की ओर मुँह फेरता है । बुडर उनकी ओर बड़ी चिंता और दया की दृष्टि से देखता है ।]

बुडर

[यकायक]

कहिए तो अबकी कुछ धूम धाम ज्यादा की जाय,
या आप चाहें तो हाली❀ के और पौदे लगा दिए जायँ ।

दारोगा

कोई जरूरत नहीं ।

[डाक्टर फ़ाल्डर के कमरे से बाहर आता है, दारोगा उसे इशारे से बुलाता है ।]

❀ किसमस में यूरोप में हाली के पौदों से सजावट की जाती है । इसे शुभ समझा जाता है ।

दारोगा

कहिए ।

डाक्टर

मैं तो कोई खराबी नहीं पाता हूँ । हाँ, कुछ घबड़ाया जरूर है ।

दारोगा

क्या उसकी हालत की इत्तला देनी चाहिए ? सच कहो, डाक्टर ।

डाक्टर

बात तो यह है, उसे इस प्रकार एकांत में रखने से कोई फायदा नहीं हो रहा है । परंतु यह बात तो मैं बहुतों के लिए कह सकता हूँ ।

दारोगा

आपका मतलब है कि आपको औरों के लिए भी सिफारिश करनी पड़ेगी ।

डाक्टर

कम से कम एक दर्जन के लिए । केवल ज़रा घब-
ड़ाहट है और कोई बात स्पष्ट नहीं है । यही देखो न ।

[ओक़्लियरी की कोठरी की ओर इशारा करके]

इसकी भी हालत यही है । अगर मैं लक्षणों को छोड़
दूँ तो कुछ कर ही नहीं सकता । ईमान की बात तो यह
है कि मैं कोई खास रियायत नहीं कर सकता । वज़न
में कुछ घटा नहीं है । आँखें ठीक हैं, नब्ज़ भी ठीक है ।
बातें बिलकुल होश की करता है । और अब एक हफ़्ता
तो रह ही गया है ।

दारोगा

उन्माद का रोग तो नहीं मालूम होता ?

डाक्टर

[सिर हिलाकर]

यदि आप कहें तो मैं उसके बारे में रिपोर्ट पेशकर

सकता हूँ। लेकिन फिर मुझे औरों के लिए भी रिपोर्ट पेश करनी पड़ेगी।

दारोगा

अच्छा !

[फाल्डर की कोठरी की ओर देखते हुए]

उस बेचारे को अभी यहीं रहना होगा।

[कहने के साथ कुछ अनमनासा होकर वुडर की ओर देखता है।]

वुडर

आप कुछ कह रहे हैं, हुजूर ?

[जवाब के बदले दारोगा उसकी ओर आँखें फाड़कर देखता है। फिर पीछे फिरकर चलने लगता है। किसी धातु की चीज़ पर कुछ ठोंकने का शब्द सुनाई देता है।]

दारोगा

[ठहर कर]

क्या है, मिस्टर वुडर ?

बुडर

अपने दरवाजे को पीट रहा है, साहब । अभी शांत होता नहीं जान पड़ता ।

[वह जल्दी से दारोगा की बगल से होकर चला जाता है, दारोगा भी धीरे धीरे उसी ओर जाता है ।]

परदा गिरता है

दृश्य ३

फ़ाल्डर की कोठरी। दीवारों पर सफ़ेदी है, कमरा तेरह फीट चौड़ा, सात फीट लम्बा है। ऊँचाई नौ फीट है। छत गोल है। ज़मीन चमकीली, काली ईंटों की बनी है। जङ्गलेदार खिड़की है जिसके ऊपर हवादान है। खिड़की सामने की दीवार के बीचो बीच बनी है। उसके सामने की दीवार में छोटा-सा दरवाज़ा है। एक कोने में चादर और बिछावन लपेटा हुआ रक्खा है (दो कम्बल दो चादरें और एक गिलाफ़) ठीक उसके ऊपर चौथाई गोल लकड़ी का ताक है जिसपर बाइबिल और कई धर्म ग्रंथ तले ऊपर मीनार की तरह रखे हैं। बालों का काला बुरुश, दाँतों का बुरुश, और एक छोटा सा साबुन भी रक्खा है। दूसरे कोने में लकड़ी की एक खाट खड़ी रखी है। खिड़की के नीचे एक अँधेरा हवादान है और एक दरवाज़े के ऊपर भी है। फ़ाल्डर का काम (एक कमीज़ पर उसे बटन के काज बनाने को दिया गया है।) एक खूँटी पर टंगा हुआ है। उसके नीचे एक लकड़ी की मेज़ पर एक उपन्यास “लौना दून” खुला हुआ रक्खा है। कोने में

दरवाज़े के पास कुछ नीचे एक बर्ग फुट का मोटा काँच का पर्दा है जो दीवार में लगी हुई गैस की नाली के द्वार को छेके हुए है। एक लकड़ी का स्टूल भी रक्खा है। उसके नीचे जूते रखे हैं। खिड़की के नीचे तीन चमकदार टीन के डब्बे जड़े हुए हैं।

दिन शीघ्रता से ढल रहा है। फ़ाल्डर मोज़ा पहिने हुए दरवाज़े से सिर लगाकर (मानो कुछ सुन रहा हो) चुपचाप खड़ा है। वह दरवाज़े के कुछ और पास बढ़ता है, पैरों में मोज़ा रहने के कारण शब्द नहीं होता। वह दरवाज़े से सटकर खड़ा होता है। वह खूब कोशिश करता है कि बाहर की कोई बात उसे सुनाई दे जाय। अचानक वह उछलकर सीधा सांस बन्द करके खड़ा होता है मानो किसी की आहट पाई हो। फिर एक लम्बी साँस लेकर वह अपने काम (कमीज़) की ओर बढ़ता है और सिर नीचा करके उसे देखता है। सूई लेकर दो एक टाँके लगाता है। उसकी मुद्रा से प्रकट होता है, कि वह रंज में इतना डूबा है कि हर एक टाँका मानो उसमें स्फूर्ति का संचार कर रहा है। फिर यकायक काम छोड़कर वह इस तरह कोठरी में टहलने लगता है जैसे पिंजड़े में जानवर। वह फिर दरवाज़े के पास खड़ा होता है, कुछ सुनता है, फिर हथेली को फैलाकर दरवाज़े पर रखता है, और माथे को दरवाज़े से टेक लेता है। वहाँ से मुड़कर धीरे धीरे उँगली

को दीवार की ऊँची रंगीन लकीर पर फेरता हुआ वह खिड़की के पास आता है। वहाँ आकर ठहरता है, और दीन के डब्बे का एक ढकना उठाकर देखता है मानो अपने ही चेहरे का एक साथी बनाना चाहता हो। बहुत कुछ अँधेरा हो गया है। अचानक उसके हाथ से दीन का ढक्कन झन-झन शब्द के साथ गिर पड़ता है। सन्नाटे में इस आवाज़ से वह कुछ चौंक उठता है। वह उस कमीज़ की ओर एक नज़र से देखता रहता है जो दीवार पर लटकी हुई है, और अँधेरे में कुछ सफ़ेदी दिखाई देती है। ऐसा मालूम होता है मानो कोई चीज़ या किसी आदमी को देख रहा हो। खट से एक आवाज़ होती है, कमरे के अन्दर की गैस की बत्ती जो शीशे के आइने में है जल उठती है। कमरे में खूब उजाला होने लगता है, फ़ाल्डर हाँफता हुआ नज़र आता है, अचानक दूर पर कोई शब्द होता है मानो धीरे-धीरे किसी धातु पर कोई चीज़ ठोकी जा रही हो। फ़ाल्डर पीछे खिसकता है, उससे यह अचानक आनेवाला शोर नहीं सुना जाता। परन्तु आवाज़ बढ़ती जाती है मानो कोई बड़ा ठेला कोठरी की ओर आ रहा हो। फ़ाल्डर मानो इस आवाज़ से सम्मोहित होता जाता है। वह यकायक इंच दरवाज़े की ओर खिसकता है, धम-धम की आवाज़ कोठरियों को पार करती हुई और भी पास आती जाती है। फ़ाल्डर हाथ हिज़ाने लगता है मानो उसकी

आत्मा उस शब्द से मिल गई हो । फिर वह आवाज़ मानो कमरे के भीतर घुस आती है । अकस्मात् वह बैँधी हुई मुट्ठी उठाता है, जोर-जोर से हाँफता हुआ वह दरवाज़े पर गिर पड़ता है और उसे पीटने लगता है ।

परदा गिरता है ।

अङ्क चौथा

दृश्य १

दो साल गुज़र गए हैं। कोकसन का वही कमरा। मार्च का महीना है। दस बजने को दो मिनट बाक़ी है। दरवाज़े सब अच्छी तरह खुले हैं। स्वीडिल आफ़िस को ठीक कर रहा है। उसकी अब छोटी-छोटी मूर्छें निकल आई हैं। वह कोकसन के टेबिल को झाड़ पोछ रहा है। फिर एक ढक्कनदार सिंगार मेज़ के पास जाता है और ढक्कन को खोलकर शीशे में अपना चेहरा देखता है। ठीक इसी समय रुथ हनीविल बाहर के दफ़्तर के भीतर से होकर आती है और दरवाज़े के पास खड़ी हो जाती है। उसके चेहरे पर आनंद के भाव झलक रहे हैं।

२०६

स्वीडिल

[उसको देखते ही उसके हाथ से ढक्कन छूट कर धम्म से गिर पड़ता है]

अच्छा, आप हैं !

रुथ

हाँ।

स्वीडिल

अभी तो यहाँ केवल मैं ही हूँ, वे सुबह ही सुबह आकर अपना वक्त खराब नहीं करते। ओफ़ ! करीब दो साल बाद आप से मुलाकात हुई।

[कुछ हिचककर]

आप क्या करती थीं ?

रुथ

[ज़बरदस्ती हँसकर]

जी रही थी।

स्वीडिल

[दुःखित होकर]

अगर आप उनसे—

[कोकसन की कुर्सी की ओर इशारा करके]

मिलना चाहती हैं तो जरा बैठिए । वे आते ही होंगे ।
उनको कभी देर नहीं होती ।

[संकोच के साथ]

मैं खयाल करता हूँ वे देहात से वापस आए होंगे ।
उनकी मियाद तो तीन महीने हुए पूरी हो गई, जहाँ तक
मुझे याद है ।

[रुथ सिर हिलाकर स्वीकार करती है]

मुझे उनके लिए बहुत दुःख है । मेरे खयाल से
मालिक ने उनके साथ अन्याय किया ।

रुथ

हाँ, अन्याय तो किया ।

स्वीडिल

उनको चाहिए था कि उन्हें उस बार माफ़ कर देते ।
और जज को भी चाहिए था कि उन्हें छोड़ देते । वे
आदमी का स्वभाव क्या जानें । हम लोग इनसे कहीं
अच्छी तरह जानते हैं ।

[बन्ध कनस्त्रियों से देखकर मुसकिराती है]

स्वीडल

ये हमारे कंधों पर पत्थरों की गाड़ी लाद देते हैं, हमें मलिया मेट कर देते हैं और फिर यदि हम उठ न सकें तो हमीं को बुरा कहते हैं । मैं इन लोगों को खूब जानता हूँ । मैंने इस थोड़ी सी उम्र में ऐसी बातें बहुत देखी हैं ।

[इस तरह सिर हिलाकर मानो बुद्धि उसी के हिस्से में पड़ी है]

यही देखो न उस दिन मालिक

[कोकसन बाहर के दफ्तर से भीतर आता है । पूर्वी हवा ने कुछ ताज़ा कर दिया है । हाँ, बाल कुछ और सफ़ेद हो गए हैं ।]

कोकसन

[कोट और दस्तानों को खोलते हुए]

अच्छा, तुम हो !

[स्वीडल को बाहर जाने का इशारा करके दस्वाज़ा बन्द करते हुए]

बिलकुल भूल गया । दो वर्ष बाद तुम्हें देखा, मुझसे मिलने आई हो ? अच्छा मैं तुम्हें कुछ समय दे सकता हूँ । बैठ जाओ, घर पर सब कुशल तो है ?

रुथ

मैं अब वहाँ नहीं रहती ।

कोकसन

[तिरछी नज़र से उसकी ओर देखकर]

मैं आशा करता हूँ घर की अवस्था पहिले से अच्छी होगी ।

रुथ

उतने बखेड़े के बाद मैं हनीविल के साथ न रह सकी ।

कोकसन

तुम कोई पागलपन कर बैठी ? मुझे यह सुनकर दुःख होगा ।

रुथ

मैंने बच्चों को अपने पास रक्खा है ।

कोकसन

[उमे चिंता होने लगती है कि बातें वैसी आशा-जनक नहीं हैं, जैसा उसने खयाल किया था]

खर, मुझे तुमसे मिलकर बड़ी प्रसन्नता हुई । रिहाई के बाद तो तुमसे शायद फाल्डर से मुलाकात नहीं हुई होगी ।

रुथ

नहीं, कल अकस्मात् उनसे भेंट हो गई ।

कोकसन

अच्छी तरह है न ?

रुथ

[अकस्मात् झुल्लाकर]

उन्हें कुछ काम नहीं मिल रहा है । उनकी हालत बुरी हो रही है । हड्डी-हड्डी निकल आई है ।

कोकसन

[सच्ची यज्ञानुभूति से]

सच ! मुझे यह सुन कर बहुत रंज हुआ ।

[अपने को संभाल कर]

उसको रिहा करने के बाद क्या उन लोगों ने कोई काम नहीं तलाश कर दिया ?

रुथ

वह केवल तीन हफ्ते वहाँ काम कर पाए थे । पर उसे छोड़ना पड़ा ।

कोकसन

मेरी समझ में नहीं आता तुम्हारी क्या मदद करूं ।
किसी को साफ जवाब देते मुझे बुरा लगता है ।

रुथ

मुझसे उसकी यह दशा नहीं देखी जाती ।

कोकसन

[उसकी प्यारी सूरत की ओर देखता हुआ]

मुझे मालूम है उसके रिश्तेदार उसे आश्रय न देंगे ।
शायद तुम इस बुरे वक्त में उसकी कुछ मदद कर सको ।

रुथ

अब नहीं कर सकती । पहिले कर सकती थी ।
अब नहीं कर सकती ।

कोकसन

मेरी समझ में नहीं आता तुम क्या कह रही हो ।

रुथ

[अभिमान से]

मैं उससे फिर मिली थी ! अब कोई आशा नहीं ।

कोकसन

[उसकी ओर गौर से देखकर कुछ घबड़ाया हुआ]

मैं बाल बच्चों वाला आदमी हूँ । मैं ऐसी कोई खराब
बात नहीं सुनना चाहता । मुझे माफ़ करो । अभी मुझे
बहुत काम करना है ।

रुथ

मैं अपने घरवालों के पास गाँव में बहुत दिन पहिले चली गई होती, लेकिन हनीविल से शादी करने के कारण वे मुझे कभी माफ न करेंगे। मैं चालाक तो कभी नहीं थी साहब, लेकिन मुझमें गरूर अवश्य है। मैं बहुत छोटी थी जब मैंने उससे शादी की थी। मैं समझती थी कि इससे बढ़कर कोई होगा ही नहीं। वह अक्सर हमारे खेतों में आया करता था।

कोकसन

[दुःख से]

मैंने तो समझा था कि मुझसे मिलने के बाद उसने तुमसे अच्छा व्यवहार किया होगा।

रुथ

वह मुझे और भी सताने लगा। वह मुझे अपने काबू में तो न ला सका लेकिन मेरा स्वास्थ्य खराब हो गया। फिर उसने बच्चों को मारना शुरू किया। मैं नहीं बरदाश्त कर

सकी । अब अगर वह मर रहा हो तो मैं उसके पास नहीं जाऊंगी ।

कोकसन

[खड़ा होकर इस तरह कन्नी काटता है, मानो अग्नि-
प्रवाह से बच रहा हो]

हमें इतना आपे से बाहर न होना चाहिए—क्यों ?

रुथ

[क्रोध से]

जो आदमी ऐसा कमीना बर्ताव

[सन्नाटा छा जाता है ।]

कोकसन

[स्वभाव के विरुद्ध अनुरक्त होकर]

हाँ, तो फिर तुमने क्या किया ?

रुथ

[सिहरकर]

पहिली बार उसे छोड़कर जो करती थी वही काम फिर
शुरू किया । कमीजों की सिलाई सस्ती बेचनी पड़ती थी ।

यही एक काम मैं कर सकती थी । परन्तु किसी हफ्ते में सात आठ रुपए से ज्यादा न कमा सकी । अपना सूत होता था और दिन भर काम करना पड़ता था । रात को बारह बजे के पहिले कभी नहीं सोती थी । नौ महीने तक मैं यह करती रही ।

[क्रोध से]

लेकिन मैं इस तरह काम नहीं कर सकती थी । मर जाना अच्छा है ।

कोकसन

चुप रहो, ऐसी बातें मत करो ।

रुथ

बच्चों को भी भूखों मरना पड़ता था । इतने आराम से रहने के बाद मैं उनकी तरफ से बे परवाह हो गई । मैं बहुत थक जाती थी ।

[चुप हो जाती है]

कोकसन

[उत्कंठा से]

फिर क्या हुआ ?

रुथ

[हँसकर]

दूकान के मालिक ने मेरे ऊपर दया की, अभी तक उनकी दया बनी हुई है ।

कोकसन

ओफ ! मैंने ऐसी बात कभी नहीं सुनी ।

रुथ

[उदासीन भाव से]

उनका व्यवहार मेरे साथ अच्छा है । लेकिन अब वह सब खतम हो गया ।

[उसके होंठ अचानक काँपने लगते हैं । उलटी हथेली से वह होठों को छिपा लेती है ।]

मैंने कभी नहीं सोचा था कि फिर भी उनसे कभी मेरी मुलाकात होगी। अचानक ही मुझसे कल “हर्द बामा” में मुलाकात हो गई। हम दोनों वहाँ बहुत देर तक बैठे रहे। उसने अपनी सब राम कहानी मुझे सुना दी। ओफ़ ! कोकसन साहब, आप उसे फिर अपने यहाँ ले लीजिए।

कोकसन

[व्यग्र होकर]

तो तुम दोनों ने अपनी रोजी खो दी। कितनी भीषण समस्या है।

रुथ

अगर वह यहाँ आ जाते तो यहाँ तो उनके बिषय में कोई पूछ ताछ न होती।

कोकसन

हम कोई ऐसा काम नहीं कर सकते जिससे कार्यालय की बदनामी हो।

रुथ

मेरे लिए और कहीं ठिकाना नहीं है।

कोकसन

मैं मालिकों से कहूंगा, लेकिन मैं नहीं खयाल करता कि वे उसे ले लेंगे । बात ऐसी ही आ पड़ी है ।

रुथ

वह मेरे साथ आए हैं, उधर सड़क पर बैठे हैं ।

[खिड़की की ओर दिखाती है]

कोकसन

[शान दिखाकर]

उसे नहीं आना चाहिए जब तक कि उसे बुलाया न जाय ।

[उसके मुख की ओर देखकर नम्र स्वर से]

हमारे यहाँ एक जगह खाली है लेकिन मैं वादा नहीं कर सकता ।

रुथ

आप उसे प्राण दान देंगे ।

कोकसन

मुझसे जहाँ तक होगा मैं कोशिश करूंगा लेकिन निश्चय नहीं कह सकता। अच्छा, उससे कह दो वह यहाँ न आए जब तक मैं अवस्था को विचार न लूं। अपना पता बता जाओ।

[उसके पते को दुहराकर]

८३ मलिंगर स्ट्रीट

[ब्लार्टिंग कागज़ पर लिख लेता है]

अच्छा, सलाम !

स्थ

धन्यवाद !

[वह दरवाज़े के पास जाकर कुछ कहने के लिए रुकती है। परंतु फिर चली जाती है।]

कोकसन

[सिर और कपाल का पसीना एक बड़े मफ़ेद रुमाल से पोंछकर]

ओफ़, क्या बुरी गत है !

[कागज़ों की ओर देखकर घंटी बजाता है । स्वीडिल आता है ।]

कोकसन

क्या वह जवान रिचार्ड आज क्लर्क की जगह के लिए आएगा ?

स्वीडिल

जी हाँ !

कोकसन

अच्छा उसे ढाल देना । मैं अभी उससे मिलना नहीं चाहता ।

स्वीडिल

उससे क्या कहूँ, हुजूर ?

कोकसन

[झिझक कर]

कोई बहाना सोच लो । बुद्धि से काम लो । हाँ, उसे एक दम भगा मत देना ।

क्या उससे कह दूँ कि आपकी तबियत खराब है ?

कोकसन

नहीं, भूठ मत बोलो । कह देना कि मैं आज आया नहीं हूँ ।

स्वीडिल

अच्छा, साहब, तो उसे अभी घुमाता रहूँ ।

कोकसन

हाँ ! और देखो तुम फाल्डर को तो भूले नहीं हो, न ? शायद वह मुझसे मिलने आवे । देखो उसके साथ वैसा ही बर्ताव करना जैसा उसकी दशा में तुम खुद चाहते ।

स्वीडिल

यह तो मेरा धर्म ही है ।

कोकसन

ठीक, गिरे हुए को ठोकर मारना चाहिये । फायदा ही क्या ? उसे हाथ का सहारा दे दो । यह एक ऐसा

सिद्धान्त है जिसे जीवन में कभी न भूलना चाहिये । यही पक्की नीति है ।

स्वीडिल

आपको आशा है कि मालिक लोग उन्हें ले लेंगे ।

कोकसन

यह अभी कुछ कह नहीं सकता ।

[बाहर के दफ्तर में किसी के पैरों की आहट पाकर]

कौन है ?

स्वीडिल

[दरवाज़े के पास जाकर देखता हुआ]

फाल्डर आए हैं ।

कोकसन

[चिल्लाकर]

ओफ ! यह उसकी बड़ी बेवकूफी है । उसे फिर आने को कहो । मैं नहीं चाहता

[फाल्डर के भीतर आते ही वह चुप हो जाता है ।
उसका चेहरा पीला और मुरझाया हुआ है । उम्र भी ज़्यादा]

हो गई है । आँखें अस्थिर हो रही हैं । कपड़े पुराने और फटे हैं ।]

[स्वीडिल खुशी के साथ अभिवादन करके चला जाता है ।]

कोकसन

तुम्हें देखकर बहुत खुश हुआ, मगर तुम कुछ पहले आ गए ।

[लल्लो चप्पो करते हुए]

आओ, हाथ मिलाओ । वह तो खूब दौड़ धूप कर रही है ।

[पसीना पोंछकर]

उसका कसूर नहीं है, बिचारी बहुत चिन्तित है ।

[फ़ाल्डर संकोच के साथ कोकसन से हाथ मिलाता है और मालिकों के कमरे की ओर देखता है ।]

कोकसन

नहीं, अभी वे आए नहीं हैं, बैठ जाओ ।

[फ़ाल्डर कोकसन की मेज़ के किनारे एक कुर्सी पर बैठता है और अपनी टोपी मेज़ पर रखता है ।]

अच्छा, अब अपना कुछ हाल बतलाओ ।

[चश्मे के ऊपर से उसको देखते हुए]

तबियत कैसी है ?

फाल्डर

जीता हूँ ।

कोकसन

[किसी और ध्यान में पड़े हुए]

यह सुनकर मुझे खुशी है, हाँ उसके बारे में देखो, मैं कोई ऐसी बात नहीं करना चाहता जो देखने में भद्दी हो । यह मेरी आदत है । मैं सीधा आदमी हूँ । मैं सब बातें साफ-साफ करना ही पसन्द करता हूँ । लेकिन मैं ने तुम्हारे मित्र से वादा किया है कि मालिकों से तुम्हारे बारे में कहूँगा । तुम जानते हो मैं अपनी ज़बान का पक्का हूँ ।

फाल्डर

बस मैं एक मौक़ा और चाहता हूँ, मिस्टर कोकसन । मैंने जो काम किया था उसका हज़ार गुना दंड भोग चुका ।

हाँ, साहब, हजार गुना ज्यादा । मेरे दिल से पूछिए । लोग कहते हैं मेरा वजन बढ़ गया है । लेकिन इस—

[सिर पर हाथ रखकर]

चीज को उन्होंने नहीं तोला । कल तक भी मैं सोचता था कि शायद यहां

[दिल पर हाथ रखकर]

अब कुछ नहीं है ।

कोकसन

[चिन्तित भाव से]

तुम्हें दिल की बीमारी तो नहीं हुई है ?

फ़ाल्डर

उनके खयाल में मेरा स्वास्थ्य बहुत अच्छा है ।

कोकसन

लेकिन उन्होंने तुम्हारे लिए कोई जगह तो तलाश कर दी थी न ?

फाल्डर

कर दी थी, बहुत अच्छे लोग थे। सब जानते हुए भी मुझसे खुश थे। मैंने सोचा था मजे से दिन कट जायेंगे। लेकिन एक दिन और क्लर्कों के कान में भनक पड़ गई '... वे मुझसे... फिर मैं वहाँ न रह सका, मिस्टर कोकसन ! बहुत मुशकिल था।

कोकसन

दिल को संभालो ; भाई, घबड़ाओ मत।

फाल्डर

उसके बाद एक जगह और मुझे मिल गई थी, पर चली नहीं।

कोकसन

क्यों ?

फाल्डर

आप से झूठ बोलकर कुछ फायदा नहीं है, मिस्टर कोकसन ! बात यह है मुझे ऐसा मालूम होता है कि मुझे किसी चीज़ ने चारों ओर से जकड़ रक्खा है जिसमें फँसा

पड़ा हुआ हूँ। ठीक जैसे मैं किसी जाल में फाँस लिया गया हूँ। ताड़ से गिरता हूँ तो बबूल पर अटकता हूँ। बिना प्रशंसापत्र के कोई काम नहीं देता था। इस विषय में मुझे जो कुछ न करना चाहिए था वह मैं ने किया। और उपाय ही क्या था ? परन्तु मुझे डर लगा कि कहीं पकड़ा न जाऊँ। बस, इसीलिये छोड़ दिया। अब भी मुझे डर लगा रहता है।

[सिर नीचा कर टेबिल के सहारे निराश होकर झुक जाता है।]

कोकसन

तुम्हारी हालत पर मुझे बहुत रंज है। विश्वास मानो। क्या तुम्हारी बहन तुम्हारे लिए कुछ न करेगी ?

फाल्डर

एक को तपेदिक की बीमारी है और दूसरी...

कोकसन

हाँ, मुझे याद है, तुमने मुझसे कहा था कि उनके पति तुमसे बहुत खुश नहीं हैं।

फाल्डर

मैं जब वहाँ गया तब वे खाना खा रहे थे । मेरी बहन मुझे चूम लेना चाहती थी । मगर उसने उसकी ओर घूर कर देखा, फिर मुझसे कहा—तुम क्यों आये हो ? मैंने अपने सब अभिमानों को दबाकर कहा—“क्या तुम मुझसे हाथ नहीं मिलाओगे, जिम ?” उसने कहा—“देखो जी, जो कुछ हुआ वह हुआ । मैं तुमसे निवटारा कर लेना चाहता हूँ । मैं जानता था कि तुम आओगे, और मैंने पहिले ही निश्चय कर लिया है, मैं तुम्हें २५ गिन्नी दता हूँ ! तुम केनाडा चले जावो । मैंने कहा, ठीक है, खूब गला छुड़ा रहे हो । धन्यवाद ! मुझे जरूरत नहीं है, २५ गिन्नी अपने पास रक्खो । जिस दशा में मैं रह चुका हूँ उस दशा में रहने के बाद फिर कहाँ की दोस्ती ?

कोकसन

मैं समझ गया । अच्छा, यदि मैं तुम्हें २५ गिन्नी दूँ तो तुम लोगे, भाई ?

[फाल्डर को अपनी ओर मुसकिराते देखकर झेंपता है ।]

बुरा मानने की बात नहीं, मेरा इरादा बुरा न था ।

फाल्डर

तो यहाँ मुझे नौकरी न मिलेगी ?

कोकसन

नहीं, नहीं, तुम मेरा मतलब नहीं समझ रहे हो ।

फाल्डर

मैंने इस हफ्ते में रात बगीचे में सोकर काटी है । कवियों की उषा का वहाँ कहीं पता भी नहीं । लेकिन कल उससे मिलकर मुझे मालूम होता है कि मैं आज कुछ और ही हो गया हूँ । मेरे जीवन में जो सुख या शान्ति है यह केवल उसके प्रेम में है । वह मेरे लिये पवित्र है । फिर भी उसने मेरा सर्वनाश कर दिया । कितनी अजीब बात है !

कोकसन

हम सब को ही तुम्हारे लिये दुःख है ।

फाल्डर

ह, यहाँ तो मैं भी देख रहा हूँ । अत्यन्त दुःख है ।

[श्लेष के साथ]

लेकिन चोर डाकुओं के साथ मिलना आपकी शान के खिलाफ है ।

कोकसन

छो: फाल्डर, क्यों अपने को गाली देते हो ? इससे कोई फायदा नहीं है । इस पर परदा डाल दो ।

फाल्डर

परदा डाल देना मामूली बात है, अगर आपके पास काफ़ी धन हो । मेरी तरह टूट जाइये तो मालूम हो । मसल है “जो जैसा करता है फल पाता है” । मुझे तो कुछ ज्यादा मिल गया ।

कोकसन

[चश्मे के ऊपर से उसकी ओर तिरछी नज़र से देखकर]

तुम साम्यवादी तो नहीं बन गये हो ?

[फ़ाल्डर अकस्मात् चुप हो जाता है मानो पिछली बातें सोच रहा है । कुछ अजीब तरह से हँसता है ।]

कोकसन

विश्वास मानो, सब लोग दिल से तुम्हारी भलाई चाहते हैं । तुम्हारा नुक़सान करना कोई नहीं चाहता ।

फ़ाल्डर

आप बहुत ठीक कहते हैं, कोकसन । हमारा दुश्मन तो कोई नहीं है । फिर भी जान के गाहक सब हैं ।

[चारों ओर देखने लगता है, मानो कोई उसे फँसा रहा हो ।]

यह मुझे कुचले डालता है ।

[मानो अपने को भूलकर]

जान ही लेकर छोड़ोगे ।

कोकसन

[बहुत बेचैन होकर]

यह सब कुछ नहीं है । सब अपने आप ठीक हो जायगा । मैं बराबर तुम्हारे लिए प्रार्थना करता था ।

तुम निश्चिंत रहो । मैं होशियारी से काम लूंगा और जब वे ज़रा मौज में रहेंगे, तब यह जिक्र छेड़ूंगा ।

[ठीक इसी समय जेम्स और वाल्टर हो आते हैं ।

कोकसन

[कुछ घबड़ाकर, परन्तु साथ ही उन्हें इतमीनान दिलाने के लिए]

आज तो आप लोग बहुत जल्द आ गए । मैं ज़रा इनसे बातें कर रहा था—आप इन्हें भूले न होंगे ?

जेम्स

[तीव्र गंभीर भाव से देखकर]

बिल्कुल नहीं । कैसे हो फाल्डर ?

वाल्टर

[डरता हुआ अपना हाथ फैलाकर]

तुम्हें देखकर बहुत खुश हुआ, फाल्डर ।

फाल्डर

[अपने को सँभालकर वाल्टर से हाथ मिलाते हुए]
आपको धन्यवाद देता हूँ ।

कोकसन

आपसे एक बात करनी है, मिस्टर जेम्स ।
[क्लर्क के कमरे की ओर फाल्डर को इशारा करके]
तुम जरा वहाँ जाकर बैठ जाओ । मेरा जूनियर आज
नहीं आएगा । उसकी स्त्री के बच्चा हुआ है ।
[फाल्डर हिचकता हुआ क्लर्क के कमरे में जाता है ।]

कोकसन

[गोपनीय भाव से]
मैं आपसे इसी के बारे में कहना चाहता हूँ । अपनी
भूल पर बहुत लज्जित है । लेकिन लोग उस पर शुभा
करते हैं । और उसका चेहरा भी आज उतरा हुआ है ।
भोजन के लाले पड़े हैं । भोजन के बिना कोई कैसे रह
सकता है ?

जेम्स

अच्छा भोजन भी नहीं मिलता ?

कोकसन

हाँ, मैं आपसे यही पूछना चाहता था अब तो उसको काफ़ी सबक मिल गया है और हमें एक क्लर्क की जरूरत भी है। फाल्डर हम लोगों के लिये कोई नया आदमी नहीं है। एक युवक ने दरखास्त तो भेजी है, लेकिन मैं उसे टाल रहा हूँ।

जेम्स

क्या जेल के असामी को आफिस में रखोगे, कोकसन ? मुझे तो अच्छा नहीं लगता।

वाल्टर

वकील की वह बात मैं कभी न भूलूँगा। “न्याय की चक्की के चलते हुए पार।”

जेम्स

इस मामले में मैंने ऐसा कोई काम नहीं किया जिसे कोई बुरा कह सके। जेल से निकलकर अब तक क्या करता रहा ?

कोकसन

एकाध जगह नौकरी मिली थी, मगर वहाँ टिक नहीं सका। वह बहुत शक्ती है—स्वाभाविक बात है—उसे मालूम होता है कि सारी दुनिया उसके पीछे पड़ी है।

जेम्स

यह और खराब बात है, मैं उसे पसन्द नहीं करता। कभी नहीं किया। “दुर्बल चरित्र” तो मानो उसके चेहरे पर लिखा हुआ है।

वाल्टर

हमें एकबार उसे सहारा तो देना ही चाहिए।

जेम्स

उसने अपने ही हाथों तो अपने पैर में कुल्हाड़ी मारी।

वाल्डर

इस जमाने में पूरी जिम्मेदारी का सिद्धान्त मानने योग्य नहीं ।

जेम्स

[गंभीरता से]

फिर भी तुम्हारा कल्याण इसी में है कि इसे मानते रहो ।

वाल्डर

हाँ, अपने लिए, दूसरों के लिए नहीं ।

जेम्स

खैर, मैं सख्ती नहीं करना चाहता ।

कोकसन

मुझे खुशी है कि आप ऐसा कहते हैं ।

[हाथ फैलाकर]

वह अपने चारों ओर कुछ देखता रहता है । यह दुर्बलता का चिह्न है ।

जेम्स

उस औरत का क्या हुआ जिससे उसका कुछ सम्बन्ध था ? ठीक वैसी ही एक औरत को बाहर अभी देखा है ।

कोकसन

वह-वह-आपसे कह देना ही ठीक है, वह उससे मिल चुका है ।

जेम्स

क्या वह अपने पति के साथ रहती है ?

कोकसन

नहीं ।

जेम्स

शायद फ़ाल्डर उसके साथ रहता होगा ।

कोकसन

[बनती हुई बात को बनाए रखने की प्रबल चेष्टा करके]

यह मुझे नहीं मालूम । मुझसे इससे क्या मतलब ?

जेम्स

लेकिन अगर हम उसे नौकर रखेंगे, तो हमें इससे
ज़रूर मतलब है ।

कोकसन

[अनिच्छा से]

शायद आपसे कहना ही ठीक है । वह आज यहाँ
आई थी ।

जेम्स

मैंने भी यहा सोचा था ।

[वाल्टर से]

नहीं, बेटा, हम ऐसा नहीं कर सकते । सरासर बद-
नामी है ।

कोकसन

दोनों बातों के मिल जाने से मामला बेढब हो गया है ।
मैं समझता हूँ ।

वाल्टर

मैं नहीं समझता कि हमें उसकी निजी बातों के क्या
सरोकार है ।

जेम्स

नहीं-नहीं, यहाँ आने के पहिले, उसे उस औरत को छोड़ना पड़ेगा ।

वाल्टर

गरीब विचारा !

कोकसन

आप उससे मिलेंगे ?

[जेम्स को सिर हिलाते देखकर]

शायद मैं उसे समझा सकूँ ।

जेम्स

[गम्भीर भाव से]

मैं समझा लूँगा, तुम्हें कुछ कहने की जरूरत नहीं ।

वाल्टर

[कोकसन जब फाल्डर को बुलाता है उस समय धीमे स्वर में जेम्स से]

उसकी सारी जिन्दगी अब आपके हाथ में है, पिता जी ।

[फाल्डर आता है, उसने अपने को सँभाल लिया है, बेधड़क आकर खड़ा होता है ।]

जेम्स

देखो फाल्डर, वाल्टर और मैं चाहता हूँ कि तुम्हें फिर एक बार मौका दूं। लेकिन मैं दो बातें तुमसे कह देना चाहता हूँ। पहिली बात यह है कि यहाँ सताए हुए की भाँति आना ठीक नहीं है। अगर तुम्हारा यह खयाल है कि तुम्हारे साथ अन्याय किया गया है, तो उसे भूल जाना पड़ेगा। आग में कूदकर यह नहीं हो सकता कि आँच न लगे। समाज यदि अपनी रक्षा न करेगा, तो उसकी कोई परवा न करेगा। समझते हो ?

फाल्डर

जी हाँ, लेकिन क्या मैं भी कुछ कह सकता हूँ।

जेम्स

कहो ।

फाल्डर

मैंने जेल में इन सब बातों पर बहुत विचार किया है ।

कोकसन

[उत्साह देते हुए]

हाँ, अवश्य किया होगा ।

फाल्डर

वहाँ सब तरह के आदमी थे । मुझे मालूम हुआ, यदि पहिली बार मेरे साथ नर्मी की गई होती और जेल में रखने के बदले किसी ऐसे आदमी के मातहत रक्खा जाता जो हमारी कुछ देखा भाल करता तो वहाँ जितने कैदी हैं उनके एक चौथाई भी न रहते ।

जेम्स

[सिर हिलाकर]

मुझे इसमें बहुत सन्देह है, फाल्डर ।

फाल्डर

[कुछ ईर्ष्या के भाव से]

ठीक है साहब, लेकिन मेरा यह अनुभव है ।

जेम्स

भाई, तुम्हें यह न भूलना चाहिए कि तुमने शुरू किया था ।

फाल्डर

लेकिन मेरी मंशा बुराई की नहीं थी ।

जेम्स

शायद न हो, लेकिन तुमने की जरूर ।

फाल्डर

[बीते हुए कष्टों की बात सोचकर]

इसने मुझे कुचल डाला, साहब ।

[सीधा खड़ा होकर]

मैं कुछ और था और अब कुछ और हूँ ।

जेम्स

इससे तो हमारे मन में शंका होती है, फाल्डर ।

कोकसन

आप समझे नहीं, मिस्टर जेम्स, उसका मतलब यह नहीं है ।

फाल्डर

[तीव्र शोक से उद्धत होकर]

नहीं, मेरा मतलब यही है कि मिस्टर कोकसन—

जेम्स

खैर, उन सब बातों को छोड़ो, फाल्डर, अब आगे की ओर देखो ।

फाल्डर

[तत्परता के साथ]

हाँ, साहब, लेकिन आप समझ नहीं सकते कि जेल क्या चीज़ है ।

[अपनी छाती को पकड़कर]

बस, यहाँ उसकी चोट पड़ता है।

कोकसन

[जेम्स के कान में]

मैंने आपसे कहा था कि उसे अच्छे भोजन की
ज़रूरत है।

वाल्टर

मत घबड़ाओ मित्र, यह सब शान्त हो जायगा। समय
तुम पर दया करेगा।

फाल्डर

[कुछ मुँह मिकोड़ कर]

मुझे भी ऐसी आशा है।

जेम्स

[बड़ी नम्रता से]

खैर, देखो भई, तुम्हें जो कुछ करना है, वह यह है कि
बीती हुई बातों पर पर्दा डालो। और अपनी अच्छी

साख जमाओ। अब रही दूसरी बात, वह यह है कि जिम औरत के साथ तुम्हारा सम्बन्ध था, तुम्हें वचन देना पड़ेगा कि आगे उसके साथ तुम्हारा कोई सरोकार नहीं रहेगा। अगर तुम इस तरह का सम्बन्ध रख कर अपना जीवन-सुधार शुरू करोगे, तो तुम कभी अपनी नीयत ठीक नहीं रख सकते।

फाल्डर

[हर एक की मुँह की ओर दुःखी आँखों से देखकर]

लेकिन साहब ' ' ' इसी भरोसे पर तो मैंने यह सब दुःख भेले हैं। और भी ' ' ' कल रात को ही मुझसे उसकी मुलाकात हुई है।

[यह और इसके पीछे की बातें सुनकर कोकसन की परेशानी बढ़ती जाती है।]

जेम्स

यह बहुत दुःख की बात है, फाल्डर। तुम समझ सकते हो मेरे जैसे कार्यालय के लिए यह असंभव है कि वह अपनी आँखें सब तरफ से बन्द कर लें। अपनी नीयत

ठीक करने का यह प्रमाण दे दो, बस मैं तुम्हें अपने यहाँ रख लूँगा, नहीं तो मैं लाचार हूँ ।

फाल्डर

[जेम्स की ओर स्थिर दृष्टि से देखते हुए अचानक कुछ दृढ़ होकर]

नहीं, मैं उसे छोड़ नहीं सकता ! यह असम्भव है । मेरे लिए उसके सिवा और कोई नहीं है, साहब । और उसके लिए भी मैं ही सब कुछ हूँ ।

जेम्स

मुझे इसके लिए दुःख है, फाल्डर । लेकिन मैं अपना विचार बदल नहीं सकती । तुम दोनों के लिए आगे चलकर इसका नतीजा अच्छा होगा । इस सम्बन्ध में भलाई कभी नहीं हो सकती । यही तुम्हारे सब दुखों का कारण था ।

फाल्डर

लेकिन, साहब, इसका तो यह मतलब है कि मैंने वे

सारे दुख व्यर्थ ही भेले किसी काम का नहीं रहा । मेरा स्वास्थ्य बिलकुल चौपट हो गया । यह सब मैंने उसके लिए ही किया था ।

जेम्स

अच्छा सुनो, अगर दरअसल वह अच्छी औरत है, तो खुद हो समझ जायगी । वह कभी तुम्हारी दुर्गति न करायेगी । हाँ, अगर उसके साथ तुम्हारे विवाह होने की आशा होती, तो दूसरी बात थी ।

फाल्डर

यह मेरा कसूर नहीं है, साहब, कि वह अपने पति से छुटकारा नहीं पा सकी । अगर उसका वश होता, तो वह जरूर ऐसा करती । यही सारी विपत्ति का मूल कारण है ।

[अकस्मात् वाल्टर की ओर देखकर]

अगर कोई इसकी मदद कर सकता । अब केवल धन की जरूरत है ।

कौकसन

[वाल्टर हिचक कर कुछ कहना ही चाहता था कि बीच में बात काटकर]

मेरी समझ में अभी उसकी चर्चा करने की जरूरत नहीं । यह बहुत दूर की बात है ।

फाल्डर

[वाल्टर की ओर कातर भाव से]

उसने तब से उस पर और भी अत्याचार किया होगा । वह साबित कर सकती है, कि उसने उसे छोड़ने पर मजबूर किया ।

वाल्टर

मैं तुम्हारी सब तरह से मदद करने को तैयार हूँ, फाल्डर, अगर अपने बस की बात हो ।

फाल्डर

आपकी मुझपर बड़ी कृपा है ।

[वह खिड़की के पास जाकर नीचे सड़क की ओर देखता है]

कोकसन

[जल्दी से]

मेरी बातों पर न जाइए मि० वाल्टर । उसके विशेष कारण हैं ।

फाल्डर

[खिड़की के पास से]

वह नीचे खड़ी है, बुलाऊँ ? यहीं से बुला सकता हूँ ।

[वाल्टर हिचकता है, और कोकसन तथा जेम्स की ओर देखता है ।]

जेम्स

[सिर हिलाकर]

हाँ, बुलालो ।

[फाल्डर खिड़की से इशारा करता है ।]

कोकसन

[घबड़ाकर जेम्स और वाल्टर से धीमी आवाज़ में]

नहीं, मिस्टर जेम्स, जब यह जेल में था तब उसे जिस तरह रहना चाहिए था, वैसे वह न रह सकी । उसने मौक़ा

खो दिया । हम क़ानून को धोखा देने की सलाह नहीं कर सकते ।

[फ़ाल्डर खिड़की के पास से चला आता है । तीनों आदमी चुपचाप गम्भीर भाव से उसकी तरफ़ देखते हैं ।]

फ़ाल्डर

[उनके भावों में परिवर्तन देखकर सशंक नेत्रों से हर एक की तरफ़ देखते हुए]

हमारा और उसका सम्बन्ध अभी तक पवित्र है, साहब ! जो कुछ मैंने अदालत में कहा था वह बिलकुल सच है । कल रात को हम थोड़ी देर तक बगीचे में केवल बैठे ही थे ।

[स्वीडिल बाहर के कमरे से आता है]

कोकसन

क्या है ?

स्वीडिल

श्रीमती हनीविल ।

[सब चुप रहते हैं ।]

जेम्स

बुलाओ ।

[रुथ धीरे-धीरे भीतर आती है, और फ़ाल्डर के पास एक किनारे स्थिर भाव से खड़ी हो जाती है । बाक़ी तीनों आदमी दूसरी ओर खड़े हैं । कोई बोलता नहीं । कोकसन अपनी मेज़ के पास जाकर काग़ज़ों को देखने के लिए झुक जाता है मानो अवस्था ऐसी ही आ गई है कि वह अपनी पुरानी जगह पर आ बैठने के लिए मज़बूर है ।]

जेम्स

[तेज़ आवाज़ से]

दरवाज़ा बन्द कर दो ।

[स्वीटिल दरवाज़ा बन्द करता है]

हमने तुम्हें इसलिए बुलाया है कि इस मामले में कुछ बातें तै करनी ज़रूरी हैं । मुझे मालूम हुआ कि तुम फ़ाल्डर से अभी हाल में ही फिर मिली हो ।

रुथ

जी हाँ, कल ही ।

जेम्स

उसने अपने बारे में सब बातें हम से कह दी हैं, और हमें उनके लिए बहुत रंज है। मैंने उसे अपने यहाँ काम देने का वादा किया है इस शर्त पर कि वह फिर से नई जिन्दगी शुरू करे।

[रुथ की ओर गौर से देखकर]

इसमें केवल ज़रा हिम्मत की ज़रूरत है।

[रुथ अपने हाथों को मलती हुई फ़ाल्डर की ओर देखती रहती है। मानो उसे विपत्ति का आभास हो गया है।]

फ़ाल्डर

वाल्टर साहब ने हमारे ऊपर दया करके कहा है कि वह तुम्हारा विवाह-विच्छेद करा देंगे।

[रुथ चौंक कर जेम्स और वाल्टर की ओर देखती है]

जेम्स

यह तो बहुत कठिन है, फ़ाल्डर।

फाल्डर

लेकिन साहब —!

जेम्स

[गम्भीर होकर]

देखो श्रीमती हनीविल, तुम्हें इनसे प्रेम है ?

रुथ

हाँ, साहब, मैं उनसे प्रेम करती हूँ ।

[फाल्डर की ओर दुखित नेत्रों से देखती है ।]

जेम्स

तब तुम उसके रास्ते का काँटा नहीं बनोगी—क्यों ?

रुथ

[कंपित कंठ से]

मैं उसकी सेवा कर सकती हूँ ।

२५७

जेम्स

सब से अच्छी सेवा जो तुम कर सकती हो, वह यह है कि तुम उसे छोड़ दो ।

फाल्डर

नहीं, कोई मुझे तुमसे अलग नहीं कर सकता, रुथ । तुम विवाह-विच्छेद करा सकती हो । हममें तुममें और कोई बात तो नहीं हुई है । बोलो ।

रुथ

[उसकी ओर न देख कर उदासी के साथ सिग
हिलाते हुए]

नहीं ।

फाल्डर

हुजूर, जब तक मामला साफ न हो जायगा हम एक दूसरे से अलग रहेंगे । हम यह बचन देते हैं । केवल आप हमारी मदद करें ।

जेम्स

[रुथ से]

तुम सब बातें समझ रही हो न ? मेरा मतलब भी तुम समझती हो ।

रुथ

[बहुत धीरे से]

हाँ ।

कोकसन

[अपने ही आप]

औरत समझदार है ।

जेम्स

यह अवस्था भयंकर है ।

रुथ

क्या मुझे उसको छोड़ना ही पड़ेगा, साहब ?

जेम्स

[अनिच्छा से उसकी ओर देखकर]

मैं तुम्हारे ऊपर छोड़ता हूँ। देवी, उसका भविष्य तुम्हारे ही हाथ में है।

रुथ

[व्याकुल होकर]

मैं उसकी भलाई के लिए सब कर सकती हूँ।

जेम्स

[कुछ खुशी से]

यही तो चाहिए। यही तो चाहिए।

फाल्डर

मेरी समझ में कुछ नहीं आता। क्या सचमुच तुम मुझे छोड़ दोगी ? कोई और बात है।

[जेम्स की ओर एक कदम बढ़ाकर]

मैं ईश्वर की कसम खाकर कहता हूँ कि अभी हम दोनों का सम्बन्ध बिलकुल पवित्र है।

जेम्स

मैं तुमपर विश्वास करता हूँ, फाल्डर । तुम भी उसकी तरह हिम्मत बाँधो ।

फाल्डर

अभी अभी आप कह रहे थे कि तुम्हारी मदद करेंगे ।

[रथ की आर ताकना है जो मूर्ति की भाँति खड़ी है । ज्यों ज्यों उसे समस्या का ज्ञान होता है उसके मुँह और हाथ काँपने लगने हैं ।]

यह क्या बात है ? आपने तो

वाल्टर

पिता जी !

जेम्स

[जल्दी से]

मत घबड़ाओ, मत घबड़ाओ, फाल्डर । मैं तुम्हें काम देता हूँ । केवल मुझे जानने मत देना कि तुम क्या कर रहे हो ।—बस ।

फाल्डर

[मानो सुना ही नहीं]

रुथ !

[रुथ उसकी ओर देखती है, फाल्डर अपने हाथों से मुँह ढाँक लेता है । सन्नाटा छा जाता है ।]

कोकसन

[अचानक]

बाहर कमरे में कोई आया है ।

; [रुथ से]

तुम ज़रा भीतर जाओ, दो चार मिनट अकेले रहने से तुम्हें आराम मिलेगा ।

[कुर्क के कमरे की ओर इशारा करता है और बाहर की ओर जाने लगता है । फाल्डर चुप खड़ा रहता है । रुथ डरते-डरते अपना हाथ बढ़ाती है । उसके स्पर्श से फाल्डर सिहर कर पीछे की ओर हटता है । वह दुःखित होकर कुर्क के कमरे की ओर जाती है । अचानक चौंक कर वह भी पीछे हो लेता है और दरवाजे के भीतर जाकर उसका कंधा पकड़ता है । कोकसन दरवाजा बन्द करता है ।]

जेम्स

[बाहर के कमरे की ओर उँगली दिखाकर]
कोई भी हो अभी भगा दो ।

स्वीडिल

[दरवाज़ा खोलकर सहमी हुई आवाज़ से]
सार्जन्ट विस्टर, खुफिया पुलीस ।
[डिटेक्टिव कमरे में आकर दरवाज़ा बन्द कर देता है ।]

विस्टर

आपको तकलीफ दी, माफ़ कीजिए । ढाई साल पहिले आपके यहाँ एक क्लर्क था जिसको मैंने इसी कमरे में गिरफ्तार किया था ।

जेम्स

हाँ, तो क्या हुआ ?

विस्टर

मैंने सोचा कि शायद आपको उसका पता मालूम हो ।

[संकोचवश कोई जवाब नहीं देता]

कोकसन

[हँसकर बात बनाते हुए]

यह बतलाना हमारा काम नहीं है कि वह कहाँ है ।
—बतलाइए !

जेम्स

आपका उससे क्या काम है ?

विस्टर

उसने इधर हाजिरी नहीं बोली है ।

वाल्टर

क्या अभी तक पुलिस से उसका पिंड नहीं छूटा है ?

विस्टर

हाँ, हमें उसका पता मालूम रहना जरूरी है । खैर,
यह कोई ऐसी बात नहीं थी । लेकिन हमें मालूम हुआ
है कि भूठे प्रशंसापत्र दिखाकर उसने एक नौकरी कर

ली थी । दोनों बातें साथ-साथ आ पड़ीं । अब हम उसे छोड़ नहीं सकते ।

[फिर सब चुप हो जाते हैं वाल्टर और कोकसन कनखियों से जेम्स की ओर देखते हैं जो खड़ा डिटेक्टिव की ओर स्थिर दृष्टि से देखता रहता है ।]

कोकसन

[कुछ तेज़ होकर]

अभी हम बहुत व्यस्त हैं और किसी वक्त आइए तब शायद हम बतला सकें ।

जेम्स

[दृढ़ता से]

मैं नीति का सेवक हूँ । लेकिन किसी की मुखबिरी करना मुझे पसन्द नहीं । मुझसे ऐसा काम नहीं हो सकता । अगर तुम्हें उसे गिरफ्तार करना है तो बिना हमारी मदद के कर सकते हो ।

[बातें करते-करते उसकी आँख फ़ाल्डर की टोपी पर पड़ती है जो टेबिल पर पड़ी हुई थी । वह भुँह सिकोड़ता है ।]

विस्टर

[उसके भाव के परिवर्तन को देखकर शान्त स्वर से]

बहुत अच्छा, साहब । लेकिन मैं आपको होशियार कर देता हूँ कि उसको आश्रय देना

जेम्स

मैं किसी को आश्रय नहीं देता, लेकिन आप आगे कभी आकर मुझसे ऐसे प्रश्न न कीजिएगा जिनका जवाब देने के लिए हम मजबूर नहीं हैं ।

विस्टर

[रुखी आवाज़ से]

खैर, साहब, अब आगे मैं आपको तकलीफ नहीं दूँगा ।

कोकसन

मुझे दर असल अफसोस है कि मैं आपको कोई ख़बर नहीं दे सकता । खैर, आप तो समझते ही हैं । अच्छा, सलाम !

[विस्टर जाने के लिए मुड़ता है, लेकिन बाहर की ओर न जाकर क्लर्क के कमरे की ओर बढ़ता है ।]

कोकसन

वह नहीं—वह नहीं दूसरा दरवाज़ा ।

[विस्टर क्लर्क के कमरे का दरवाज़ा खोलता है, रुथ की आवाज़ सुनाई देती है । वह कह रही है “मान जाओ ।” फ़ाल्डर कहता है “नहीं, मैं नहीं मान सकता ।” थोड़ी देर सन्नाटा रहता है । अचानक रुथ डरकर चिल्ला उठती है “यह कौन है” ? विस्टर भीतर घुस जाता है । तीनों आदमी दरवाज़े की ओर हक्के बक्के होकर देखते हैं ।]

विस्टर

[भीतर से]

तुम हट जाव ।

[वह जल्दी से फ़ाल्डर का हाथ पकड़कर बाहर आता है । फ़ाल्डर का चेहरा बिलकुल सफ़ेद हो गया है, वह तीनों आदमियों की ओर देखता है ।]

वाल्टर

ईश्वर के लिए उसे इस बार छोड़ दो ।

विस्टर

मैं अपने ऊपर यह जिम्मेदारी नहीं ले सकता, साहब ।

फाल्डर

[एक विचित्र निराशापूर्ण हँसी के साथ]

अच्छी बात है !

[रुथ की ओर एक दृष्टि डालकर वह सिर उठाता है, और बाहर के आफिस में निकल जाता है । विस्टर उसके साथ प्रायः घिसटता हुआ जाता है ।]

वाल्टर

[व्यथित होकर]

वस, अब कहीं का नहीं रहा । बराबर यही बला सिर पर सवार रहेगी ।

[स्वीडिल बाहर के कमरे से ताकता हुआ नज़र आता है । सीढ़ी से नीचे उतरने की आवाज़ आती है । अचानक द्वार पर विस्टर की धीमी आवाज़ “या खुदा !” सुनाई देती है ।]

जेम्स

यह क्या हुआ ?

[स्वीडिल झपककर आगे बढ़ता है, दरवाजा भी बन्द हो जाता है । पूरा सज्जाटा छा जाता है ।]

वाल्टर

[भीतर के कमरे की ओर बढ़कर]

अरे ! यह औरत बेहोश हो रही है ।

[वह और कोकसन बेहोश होती हुई रुथ को उठाकर कुर्क के कमरे के दरवाजे से बाहर लाते हैं ।]

कोकसन

[घबड़ाकर]

शान्त हो, शान्त हो, मत घबड़ाओ !

वाल्टर

तुम्हारे पास ब्रांडी नहीं है ?

कोकसन

मेरे पास शेरी है ।

वाल्टर

अच्छा, ले आओ जल्दी ।

[जेम्स एक कुर्सी खींच लाता है, वाल्टर रुथ को उस पर लिटा देता है ।]

कोकसन

[शरी की बोटल लाकर]

यह लीजिये बहुत तेज़ अच्छी शरी है ।

[वे उसके होठों के भीतर शरी ढालने की चेष्टा करते हैं । पैरों की आहट पाकर ठहर जाते हैं । बाहर का दरवाज़ा खुलना है । और उसी कमरे में विस्टर और स्वीडिल कोई चीज़ लादकर लाते हैं ।]

जेम्स

[तेज़ी से बढ़कर]

यह क्या है ?

[वे उस बोझ को नज़रों से बाहर दफ्तर में उतारते हैं । रुथ के सिवा सब जाकर उसके चारों ओर खड़े हो जाते हैं और दबी ज़बान से बातें करते हैं ।]

विस्टर

कूद पड़ा—गर्दन टूट गई ।

वाल्टर

हा ईश्वर !

विस्टर

यह सोचना पागलपन था कि मुझे भाँसा देकर निकल जायगा । दो चार महीने के सिवा और तो कुछ होता ही नहीं ।

वाल्टर

[निराशा से]

बस, इतना ही ।

जेम्स

ओफ़ ! जान ही पर खेल गया ।

[अचानक बड़े ही व्यथित कंठ से]

जल्दी जाओ । एक डाक्टर बुला लाओ ।

[स्वीडिल दौड़ता है]

एक डोली भी लाना ।

[विस्तर चला जाता है । रथ के चहरे पर भय और कातरता का भाव बढ़ता जाता है मानो किमी की बात सुनने की हिम्मत उसमें न हो । फिर धीरे-धीरे उठकर उनकी ओर बढ़ती है ।]

वाल्टर

[अचानक उसकी ओर देखकर]

हटो ।

[तीनों आदमी रास्ता छोड़कर पीछे हटते हैं । रथ घुटनों के बल देह के पास गिर पड़ती है ।]

रथ

[धीमी आवाज़ से]

यह क्या ? इसकी साँस बन्द हो रही है ।

[लाश से लिपटकर]

मेरे प्रियतम ! मेरे सुहाग !

[बाहर के कमरे के दरवाज़े पर लोग खड़े नज़र आते हैं ।]

रुथ

[उन्मत्त की भाँति खड़ी होकर]
 नहीं नहीं, वह मर गए । मत छुओ ।
 [लोग हट जाते हैं]

काकसन

[चुपके से बढ़कर बैठे हुए कंठ से]
 हाय दुखिया ! तुझ पर इतनी विपत्ति !
 [अपने पीछे पैरों की आहट सुनकर रुथ कोकसन की
 ओर देखती है ।]

कोकसन

अब उसे कोई नहीं छू सकता और न कभी छू सकेगा ।
 वह अब ईश्वर के शान्तिभवन में सुरक्षित है ।

[रुथ पत्थर की भाँति निश्चल होकर दरवाज़ा के
 पास खड़े हुए कोकसन की ओर देखती है । कोकसन
 झुककर व्यथित भाव से उसका हाथ पकड़ लेता है जैसे
 कोई किसी भूले भटके को पथ बताने के लिए पकड़ता हो ।]

परदा गिरता है ।

